



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

अमरपालिका

EXTRAORDINARY

भाग I—पार्ट 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ४९]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी २, २००९/मार्च १३, १९३०

No. ४९]

NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 2, 2009/MAGHA 13, 1930

विधिव्यवस्था एवं उद्योग मंत्रालय

(विधिव्यवस्था विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, २ फरवरी, २००९

प्रारंभिक जांच परिणाम

**विषय:** चीन जन.गण., मलेशिया, न्यूजीलैंड, थाइलैंड और श्रीलंका के मूल के अथवा वहां से निर्यातित प्लेन मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

- सं. १४/१२/२००७-डीजीएडी:- वर्ष १९९५ में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, १९७५ (जिसे एतद्पश्चात अधिनियम कहा गया है) तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली १९९५ (जिसे एतद्पश्चात नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए।
- यतः ऑल इंडिया फाइबर बोर्ड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन, फरीदाबाद (याचिकाकर्ता कंपनियों मै. शिरडी हांडल्ट्रीज लि., मुंबई और मै. न्यूकैम लि., फरीदाबाद के साथ) ने मै.टीपीएम कन्सलटेंट्स, नई दिल्ली (जिन्हें एतद्पश्चात आवेदक कहा गया है) के जरिए वर्ष १९९५ में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, १९७५ (जिसे एतद्पश्चात अधिनियम कहा गया है) तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली १९९५ (जिसे एतद्पश्चात नियमावली कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष एक आवेदन दायर किया है जिसमें चीन जन.गण., मलेशिया, न्यूजीलैंड, थाइलैंड और श्रीलंका (जिन्हें एतद्पश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित प्लेन मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड (जिसे एतद्पश्चात संबद्ध

वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है और संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया गया है।

3. और प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर उनकी पर्याप्तता और प्रमाणिकता के संबंध में जांच करने के बाद दिनांक 6 जून, 2008 को भारत के राजपत्र, असाधारण में एक सार्वजनिक सूचना जारी की थी जिसमें नियमावली के नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरूआत की गई थी ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लागू किया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।

#### **क. प्रक्रिया**

4. प्राधिकारी द्वारा इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है।

- (i) प्राधिकारी ने जांच की शुरूआत करने से पहले संबंधित नियम 5 के उपनियम (5) के अनुसार आवेदक द्वारा किए गए पाटन संबंधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को सूचित किया;
- (ii) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देशों/क्षेत्रों के दूतावासों/व्यापार प्रतिनिधियों और उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को दिनांक 6 जून, 2008 को जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भेजी थीं और उनसे जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में संगत सूचना और उनके विचार उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था।
- (iii) प्राधिकारी ने संबंधित नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और चीन जन.गण., मलेशिया, न्यूजीलैंड, थाइलैंड और श्रीलंका के दूतावासों/व्यापार प्रतिनिधियों को आवेदन के अगोपनीय अंश की प्रतियां उपलब्ध कराई थीं।
- (iv) नियम 6 के अनुसार भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों/व्यापार प्रतिनिधियों को जांच की शुरूआत के बारे में सूचित किया गया था और उनसे अपने देश

के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समयावधि के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने का आग्रह करने के लिए कहा गया था । निर्यातकों/उत्पादकों को भेजे गए पत्रों और प्रश्नावली की एक प्रति निर्यातकों के नामों और पत्रों के साथ दूतावासों को भी भेजी गई थी ।

(v) आवेदक ने वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ चीन जन.गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानने का प्राधिकारी से अनुरोध किया है । प्राधिकारी ने चीन जन.गण. से ज्ञात निर्यातकों को सूचित किया है कि वह यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा (7) और (8) के आलोक में आवेदक के दावे की जांच करने का प्रस्ताव करते हैं । अतः चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के संबंधित निर्यातकों/उत्पादकों को पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में यथाउल्लिखित आवश्यक सूचना एवं पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने की सलाह दी गई थी ताकि प्राधिकारी इस बात पर विचार करने में सक्षम हो सके कि क्या उन सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार दिया जाना चाहिए जो यह साबित कर पाते हैं कि वे अपने मामले में बाजार स्थितियों के प्रचलन संबंधी मापदंडों को पूरा करते हैं ।

(vi) प्राधिकारी नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों से संगत सूचना मंगाने के लिए उन्हें प्रश्नावलियां भेजी थीं :

1. टोमरिच इंटरनेशनल ट्रेडिंग लि. आरएन 803, सं. 309, फुशान रोड, पूडोंग, शंघाई चीन जन.गण.
2. नानजिंग ईटीएआई ट्रेडिंग कं. लि., कमरा 202, सं. 14, जिनशाजिंग नानजिंग, चीन जन.गण.
3. लिनई होंगफू टिम्बर कंपनी लि., यितांग टाउन, लिनयी शेंडोंग, चीन जन.गण.
4. शाऊगुआंग गुईहे इकोनॉमिक एंड ट्रेड कंपनी लि. दि वेस्ट ऑफ शेंगवेंग स्ट्रीट, वेईफेंग शेंगडोंग, चीन जन.गण.
5. लिनयी बेइडेली इंटरनेशन ट्रेड कंपनी लि., नान लोउ जोन, यितांग टाउन, लानशान जिला लिनयी सिटी शेंडोंग चीन जन.गण.

6. झेनजियांग किंगस्टार बिल्डिंग मेटीरियल कं. लि.  
2/एफ, बिल्डिंग ए, जिवेई गार्डन, नं. 41, हैबिन रोड 3,  
झेजियांग गुआंगडॉग, चीन जन.गण.
7. वेन्झोऊ टिम्बर ग्रुप कंपनी लि., 42, वेनजिन रोड,  
वेन्झोऊ रोड, झेजियांग, चीन जन.गण.
8. डेकेन सारावाक बीडीएच.एसडी.,  
लॉट 2069, ब्लॉक, 26 किङ्गुरोंग इंडस्ट्रीयल इस्टेट,  
97008 बिन्दुलू सारावाक, मलेशिया
9. कार्टर हॉल्ट हार्वे लिमिटेड  
640, ग्रेड साउथ रोड,  
मनाकू सिटी,  
न्यूजीलैंड
10. मरबाक एमडीएफ लंका प्रा.लि.  
पर्थ इस्टेट,  
बीओआई होराना ईपीजैड  
रत्नापुरा रोड,  
होराना 12400 श्रीलंका
11. खोन केन एमडीएफ बोर्ड  
3003, मू 6, टेपराक रोड,  
टेपराक, 10270, मूआंग  
समुथप्रकन  
थाइलैंड
12. सियाम फाइबर बोर्ड कंपनी लि.  
417/112-113 करणचनावनीच रोड  
टुम्बोल पटोंग,  
एम्फर हाडियाई.,  
शोंगखला 90230, थाइलैंड

(VII) जांच शुल्कात संबंधी अधिकारीकरण के उत्तर में मलेशिया, न्यूजीलैंड, थाइलैंड और श्रीलंका से निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है और चीन जन.गण. से किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है ।

(1) मै. एवरग्रीन फाइबर बेरहाड (ईएफबी)  
बाटू 11 1/2, जलानमसाई 81750 मसाई,  
जोहोर, मलेशिया

(2) मै. एवरग्रीन फाइबर बेरहाड (जेबी) एसडीएन.बीएचडी  
बाटू 11 1/2, जलानमसाई 81750 मसाई,  
जोहोर, मलेशिया

(3) मै. रॉबिन रिसोर्सेज (मलेशिया) एसडीएन.बीएचडी  
नं.1, जालान इंडस्ट्री 5,  
तमन पेरइंडस्ट्रीयन टेमरलोह  
28400, मेंटकाब, पहांग.  
मलेशिया

(4) मै. सेगामाट पेनल बोर्ड एसडीएन.बीएचडी  
प्लाट 201 कावासान पेरेन्डस्ट्रीयन सेगामाट II,  
मुकीम पोगो, 85000 सेगामाट,  
जोहोर, मलेशिया

(5) मै. कार्टर हॉल्ट हार्वे लिमिटेड  
640, ग्रेड साउथ रोड,  
मनाकू सिटी,  
न्यूजीलैंड

(6) मै. सियाम फाइबर बोर्ड कंपनी लि.  
417/112-113 करणचनावनीच रोड  
टुम्बोल पटोंग,  
एम्फर हाउडियाई,  
शोंगखला 90230, थाइलैंड

(7) मै. एडवांस फाइबर कं.लि.  
 100/1 वरासोम्बाट बिल्डिंग, 18वां तल,  
 राम 9 रोड, हुआयकुआंग,  
 बैंकॉक 10310

(8) मै. मेट्रो फाइबर कंपनी लि.  
 विनिर्माता-निर्यातक-आयातक  
 9/9 मू 5, वेनियो-डोंगशाक रोड, टमाका,  
 कर्णचानाबुरी 711 20, थाइलैंड

(9) मै. मेट्रो एमडीएफ कं. लि.,  
 74 मू 2, नोन्थाबुरी-1 रोड., बांग का सो,  
 नंथबुरी 11000 थाइलैंड

(10) मै. वानाचाई ग्रुप पब्लिक कंपनी लि.  
 थाइलैंड

(11) मै. वानाचाई पैनल इंडस्ट्रीज कं. लि.  
 थाइलैंड

(12) मै. डोंगवा फाइबर बोर्ड एसडीएन बीएचडी और संबंधित कंपनी  
 डोंगवा एमडीएफ (एम) एसडीएन बीएचडी

(13) मै. मरबोक एमडीएफ लंका प्रा. लि.  
 पर्थ इस्टेट,  
 बीओआई होराना, ईपीजैड  
 रत्नापुरा रोड,  
 होराना 12400 श्रीलंका

(viii) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना के लिए संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित  
 ज्ञात आयातकों/ प्रयोक्ता एसोसिएशनों को एक प्रश्नावली भेजी गई थी:

(i) प्लाई प्वाइंट  
15/228, कोदामपुङ्गा रोड  
पेट्टा  
फेरोक, कोझीकोड़  
केरल

(ii) लेबल सेल्स कार्पोरेशन  
इंद्रधनुष अपार्टमेंट  
दुकान नं. 7,8 और 9  
टी.डी.रोड  
कोचीन, केरल

(iii) सिरीवरी ट्रेडर्स  
136/53बी, ऊटी मेन रोड  
ओडनतुरर्इ  
मेटूपलायम  
तमिलनाडु

(iv) कृष्णा प्लाईवुड  
34 कामराज रोड  
करुर  
तमिलनाडु

(v) थमारापल्ली ब्रदर्स  
एक्स एल/499 उषा किरन  
एम.जी.रोड  
एण्कुलम  
कोच्ची, केरल

(vi) जेक्सन विनियर्स एंड प्रेनल्स प्रा. लि.  
एक्सएल/499 उषा किरन  
एम.जी. रोड,  
एण्कुलम  
कोच्ची, केरल

(vii) कलिंगा इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट प्रा.लि.  
 18/777 कल्लाई रोड  
 कालीकट  
 केरल

(viii) विक्ट्री प्लाइवुड डिस्ट्रीब्यूटर्स  
 कमरा नं. 148, सीई-34/640  
 स्टेडियम कॉम्प्लैक्स  
 कश्मीर  
 केरल

(ix) मैथ्यूसंस एक्सपोर्ट्स एंड इम्पोर्ट्स प्रा. लि.  
 44/2158, पहली मंजिल  
 मैथ्यूसंस बिल्डिंग.,  
 कलूर  
 कोचीन, केरल

(x) फेरोक बोर्डस लि.  
 वीपी 4/394, पो.आ. कारड  
 फेरोक कॉलेज  
 वाया- मल्लापुरम  
 केरल

(xi) आर.जे.मेटल्स  
 एक्सएल/4039 फाबा काम्प्लैक्स  
 जयूज स्ट्रीट, एर्णाकुलम  
 कोचीन, केरल

(ix) उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित आयातकों/हितबद्ध पक्षकारों ने  
 अपने अनुरोध प्रस्तुत किए हैं ।

1. मै. एग्जिमकार्प इंडिया प्रा.लि.  
 87/1, मुडका इंडस्ट्रीयल एरिया,

दिल्ली रोहतक रोड,  
नई दिल्ली-110041.

2. मै. स्पेसवुड फर्नीशर्स प्रा. लि.  
टी-48, एमआईडीसी रोड,  
नागपुर-440 016

3. फरोक बोर्ड लि.  
वीपी 4/394, पो.आ. कारड  
फेरोक कॉलेज  
वाया- मालापुरम, केरल.

4. मै. वेनूगोपाल स्लेट इंडस्ट्रीज,  
नेहरू स्ट्रीट, मर्कापुर-523316  
आंध्र प्रदेश

5. मै. कुट्टी फल्श डोर एंड फर्नीचर कं. प्रा.लि.  
1167 (पुराना नं.37) पूनामल्ली हाई रोड, कोयम्बेहू,  
चेन्नई-600107

6. मै. मुरादाबाद हेडीक्राफ्ट्स एक्सपोर्ट्स एसो.,  
जैन मंदिर बिल्डिंग, कोतवाली के सामने,  
मुरादाबाद-244001.

7. मै. सी एल गुप्ता एक्सपोर्ट्स लि.,  
मुरादाबाद दिल्ली राजमार्ग के 18<sup>वें</sup> किमी. से पहले,  
गांव जीवन, जे.पी.नगर-224221.

8. संयुक्त विकास आयुक्त,  
नोएडा विशेष आर्थिक क्षेत्र,  
नोएडा दादरी रोड, फेस-II, नोएडा-201305.

(X) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराने

का अनुरोध किया गया था डीजीसीआईएंडएस से पाल सूचना पर वर्तमान जांच प्रणालीमें में विश्वास किया गया है;

(xii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्षों के अगोपनीय अंश को प्राधिकारी द्वारा रखी गई एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा था और नियम 6(7) के अनुसार उसे हितबद्ध पक्षकारों के विरोधाग्रहण हेतु खुला रखा था;

(xiii) सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएपी) के आधार पर आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की इष्टतम लागत और उसे बनाने और बेचने की लागत ज्ञात की गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा। इस प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग को उसकी उत्पादन लागत जो किसी कार्यरत लागत लेखाकार द्वारा सहायित हो, उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था।

(xiv) इस अधिसूचना में \*\*\* चिन्ह आवेदकों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा गोपनीय मानी गई सूचना को प्रदर्शित करता है।

(xv) वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1 जनवरी, 2007 से 31 दिसंबर, 2007 (12 महीने) तक की है। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में 2004-05, 2005-06, 2006-07 और जांच अवधि शामिल हैं।

(xvi) प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के आयातकों/औद्दोगिक प्रयोक्ताओं को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में संगत समझी जाने वाली सूचना उपलब्ध कराने का अवसर दिया था।

(xvii) प्राधिकारी ने इस स्तर पर आवश्यक समझी जाने वाली सीमा तक हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदत्त सूचना के सही होने के संबंध में स्वयं लोगों नियुष्ट किया है।

(xviii) आवेदन के अगोपनीय अंश की एक प्रति अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी अनुरोध करने पर उपलब्ध कराई गई थी।

(xix) इस मामले में प्राधिकारी ने उपभोक्ता की कीमत और लागत निर्धारण से संबंधित आंकड़ों को गोपनीय माना है क्योंकि इनके प्रकार से अन्य हितबद्ध पक्षकारों को परिस्पर्धात्मक लाभ मिल सकता है। घरेलू उद्योग वर्गी मात्राओं से संबंधित आंकड़ों को गोपनीय नहीं माना गया है।

## ख. विचाराधीन उत्पाद

5. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद प्लेन मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड है जिसे बाजार की भाषा में प्लेन एमडीएफ बोर्ड के रूप में भी जाना जाता है। मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड, या एमडीएफ बोर्ड एक संयोजित लकड़ी उत्पाद है। इसका निर्माण लकड़ी के अपशिष्ट फाइबर को यूरिया फार्मेलिड्हाइड रेजिन या मेलामाइन रेजिन और दबाव से जोड़कर किया जाता है। एमडीएफ केबिनेट्री से मॉल्डिंग तक के अनेक अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त है क्योंकि ये समतल, एक समान तल वाला होता है। एमडीएफ बोर्ड का उत्पादन प्लेन और लेमिनेटेड दो रूपों में किया जाता है। लेमिनेशन एक अतिरिक्त प्रसंस्करण है जो प्लेन बोर्ड के उत्पादन के बाद किया जाता है। लेमिनेटेड बोर्ड विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर है।

6. इस उत्पाद को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम में सीमाशुल्क उपशीर्ष सं. 44.11 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

## ख. 1 हितबद्ध पक्षकारों के विचार

7. उत्पादकों/निर्यातकों अर्थात् मै. मेट्रो एमडीएफ, मै. मैट्रो फाइबर, मै. एडवांस फाइबर, मै. सियाम फाइबर, मै. एवरग्रीन फाइबर बोर्ड (ईएफबी), मै. एवरग्रीन फाइबर बोर्ड जेबी), मै. सेगामाट पैनल बोर्ड और मै. कार्टर होल्ट हार्व का प्रमुख मुद्दा यह है कि भारत में घरेलू उद्योग 6 मिमी. से कम मोटाई की संबद्ध वस्तु का उत्पादन नहीं करता है और न ही उनके पास वाणिज्यिक रूप से कुशल ढंग से अपेक्षाकृत पतले आकार के उत्पादन के लिए उचित प्रौद्योगिकी है। अतः भारत में विनिर्मित नहीं की जाने वाली मोटाई को जांच से बाहर रखा जाना चाहिए और वर्तमान जांच को केवल 6 मिमी. मोटाई से अधिक तक सीमित रखना चाहिए। मै. वेनूगोपाल स्लेट इंडस्ट्रीज, मर्कापुर, आंध प्रदेश ने यह बताया है कि घरेलू उद्योग के पास 2.5 मिमी. मोटाई के प्लेन एमडीएफ के विनिर्माण की सुविधा नहीं है और वे देश में लिखने वाली स्लेटों के विनिर्माण और विपणन के लिए 2.5 मिमी. प्लेन एमडीएफ बोर्ड के लगभग \*\*\* सीबीएम का आयात करते हैं। मै. कुट्टी फ्लश डोर एंड फर्नीचर कंपनी प्रा.लि., चेन्नई ने कहा है कि वे डोर स्किन्स का आयात करते हैं जिनका वर्णन 2.8 मिमी. या 3.2 मिमी. की मोटाई और 1000 किग्रा./सीबीएम और उनके आसपास के घनत्व के विशिष्ट मॉल्डेड पैनल डोर के शटर के लिए फाइबर बोर्ड शीटों के रूप में किया गया है और उनके द्वारा आयातित उत्पाद जांचाधीन उत्पाद से बिल्कुल अलग है।

8. घरेलू उद्योग के एक घटक ने यह अनुरोध किया है कि उनका संयंत्र 4 मिमी. और उससे अधिक मोटाई के एमडीएफ का उत्पादन कर सकता है और उन्होंने क्षति अवधि से पहले अर्थात् 2003-04 के दौरान 4 मिमी. मोटाई के एमडीएफ का वस्तुतः उत्पादन किया है जबकि क्षति अवधि के दौरान उन्होंने 6 मिमी. या उससे अधिक मोटाई के एमडीएफ बोर्ड का उत्पादन किया है। घरेलू उद्योग ने दिनांक 5 जनवरी, 2009 के अपने पत्र द्वारा यह अनुरोध किया है कि 5 मिमी. तक की मोटाई के एमडीएफ बोर्ड को जांच के दायरे से बाहर रखा जाए।

## ख.2 निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांच:

9. प्राधिकारी ने यह अवलोकन किया है कि घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि के दौरान 6 मिमी. या उससे अधिक मोटाई के एमडीएफ बोर्ड का उत्पादन किया है। यद्यपि क्षति अवधि से पहले अर्थात् 2003-04 में घरेलू उद्योग के एक घटक द्वारा 4 मिमी. मोटाई के एमडीएफ बोर्ड की थोड़ी मात्रा का उत्पादन किया गया था। चूंकि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा 6 मिमी. से कम के एमडीएफ बोर्ड का उत्पादन नहीं किया गया है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद की जांच के दायरे को 6 मिमी. या उससे अधिक मोटाई तक सीमित करना उचित है। तदनुसार प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ 6 मिमी. से कम मोटाई की संबद्ध वस्तु को वर्तमान जांच में उत्पाद के दायरे से बाहर रखा गया है।

## ग. समान वस्तु

10. समान वस्तु के संबंध में नियम 2(घ) में निम्नानुसार व्यवस्था है: -

"समान वस्तु" का अर्थ एक ऐसी वस्तु है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य ऐसी वस्तु जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हो;

11. याचिकाकर्ताओं ने यह दावा किया है कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद और संबद्ध देशों से निर्यातित उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद और संबद्ध देशों से आयातित उत्पाद भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य एवं प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं की दृष्टि से तुलनीय है। यह दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता इन दोनों का एक-दूसरे के स्थान पर

प्रयोग कर रहे हैं। याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु पाटनरोधी नियमावली के अनुसार संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु है और इसे समान वस्तु माना जा रहा है।

12. मै. एजिमकार्प प्रा. लि. ने यह तर्क दिया है कि मै. कार्टर होल्ट हार्वे न्यूजीलैंड से आयातित उत्पाद पाइन की लकड़ी जो एक नरम लकड़ी होती है, से बना हुआ है जबकि घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तु का विनिर्माण कठोर लकड़ी अर्थात् पॉपुलर या यूकेलिप्टस से करता है। नरम लकड़ी से बनी संबद्ध वस्तु में कठोर लकड़ी से बनी संबद्ध वस्तु से भिन्न विशेषताएं होती हैं और ये समान वस्तुएं नहीं हैं।

#### ग. 1 निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांचः

13. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भिन्न-भिन्न प्रकार की कच्ची सामग्रियों से उत्पादित कोई उत्पाद भिन्न-भिन्न उत्पाद नहीं होता है। एमडीएफ बोर्ड का उत्पादन भिन्न-भिन्न लकड़ियों से होता है जो पॉपुलर, यूकेलिप्ट, रबड़, पाइन या कोई अन्य लकड़ी हो सकती है। अतः केवल आयातित सामग्री का उत्पादन पाइनवुड से किए जाने का अर्थ यह नहीं है कि उत्पाद अलग-अलग है। एमडीएफ के उत्पादन के लिए कच्ची सामग्री में केवल एक महत्वपूर्ण बात यह है कि वह लकड़ी रेशेदार लकड़ी होनी चाहिए। लकड़ी के एक बार रेशे में बदलने के बाद वह रेशा बन जाती है। अतः इसमें प्रयुक्त लकड़ी में अंतर उत्पाद के रंग के अलावा अंतिम उत्पाद में कोई अन्य अंतर उत्पन्न नहीं करता है। प्राधिकारी ने इस बात की जांच और सत्यापन किया है कि घरेलू उद्योग ने न केवल यूकेलिप्टस और पॉपुलर से संबद्ध वस्तु का उत्पादन किया है बल्कि उसने कम मात्राओं में अन्य लकड़ियों/सामग्रियों से भी संबद्ध वस्तु का उत्पादन किया है।

14. अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निर्धारित करते हैं कि संबद्ध देशों से आयातित उत्पाद भारत में उत्पादित किए जा रहे उत्पाद के समान वस्तु है। तथापि, प्राधिकारी आगे प्राप्त टिप्पणियों और अनुरोधों के आधार पर इस मुद्दे पर पुनः विचार करेंगे।

#### घ. घरेलू उद्योग और उसकी स्थितिः

15. यह याचिका मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि., मुंबई और मै. न्यूकैम लि.-फरीदाबाद द्वारा दायर की गई है। आवेदकों के अलावा, मै. मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स लि. भी जांच अवधि के दौरान संबंधित उत्पाद के उत्पादक रहे हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आयातों की सौदावार सूचना से यह पता चलता है कि मै. मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स लि. ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात किया है।

16. मै. स्पेशवुड फर्नीशर्स प्रा.लि. ने यह तर्क दिया है कि शिकायतकर्ता सीमाशुल्क टैरिफ नियमावली, 1995 के नियम 2 (ख) के अंतर्गत यथापरिभाषित घरेलू उद्योग नहीं है क्योंकि शिकायतकर्ताओं में से एक अर्थात् मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात और व्यवहार में शामिल रहा है। इसके अलावा, मै. मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स लि. संबद्ध वस्तु के बड़े विनिर्माता रहे हैं और उन्होंने लाभ की जानकारी दी है तथा विक्रित आंकड़े प्रस्तुत करने की दृष्टि से उन्हें जानबूझकर वर्तमान जांच से बाहर रखा गया है।

#### घ.1 निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांच

17. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान तीन घरेलू उत्पादक अर्थात् मै. न्यूकैम लि., मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. और मै. मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट लि. रहे थे। इन तीनों में से पहले दो याचिकाकर्ता हैं। नियोतकर्ता के उत्तरों के विश्लेषण से यह भी पता चलता है कि मै. मंगलम टिम्बर ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की भारी मात्रा (\*\*\* सीबीएम) का आयात किया है। यह भी सत्य है कि मै. शिरडी इंडस्ट्रीज पहले संबद्ध वस्तु के आयातक रहे हैं परंतु उनके संयंत्र ने अप्रैल, 2007 अर्थात् जांच अवधि में ही उत्पादन शुरू किया है। जांच अवधि के दौरान मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. ने संबद्ध वस्तु की केवल \*\*\* सीबीएम मात्रा का आयात किया था जो घरेलू उद्योग की कुल बिक्रियों के 1% से कम है। प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. को घरेलू उद्योग का एक हिस्सा मानता है।

18. सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद और रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि याचिकाकर्ताओं के उत्पादन का जांच अवधि के दौरान भारतीय उत्पादन में बड़ा हिस्सा बनता है जैसा कि निम्नांकित तालिका से स्पष्ट है:-

याचिकाकर्ताओं का उत्पादन सीबीएम	अन्य भारतीय उत्पादकों का उत्पादन सीबीएम	कुल भारतीय उत्पादन सीबीएम	भारतीय उत्पादन में याचिकाकर्ताओं का हिस्सा सीबीएम
65163	33890	99053	65.79%

19. अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता नियमावली के अंतर्गत योग्यता संबंधी शर्तों को पूरा करते हैं और वे पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3)(क) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग हैं।

## घ.2 निर्धारित न्यूनतम सीमाएं:

20. याचिकाकर्ताओं ने आवेदन में आयात के आंकड़े दो स्रोतों से उपलब्ध कराए हैं, डीजीसीआईएस के आंकड़े जो 30 जून, 2006 तक के हैं और इन्फो-ड्राइव सर्विस के आंकड़े जो संपूर्ण क्षति अवधि को कवर करते हैं। तत्पश्चात संपूर्ण क्षति जांच अवधि को कवर करने वाले डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों की मांग प्राधिकारी द्वारा की गई थी। डीजीसीआईएंडएस से क्षति अवधि के लिए सौदावार आंकड़े प्राप्त किए गए हैं और सीआईएफ निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु उन पर विचार किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों में से प्रत्येक से आयातित मात्राएं नियमों के अंतर्गत निर्धारित न्यूनतम सीमाओं से अधिक रहीं थीं।

## उ अन्य अनुरोध व उठाए गए मुद्दे

21. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं और मुद्दे उठाए गए हैं :-

### उ.1 एंजिमकार्प इंडिया प्रा.लि. द्वारा किए गए अनुरोध :-

- (i) शिकायतकर्ता का यह दावा कि संबद्ध देशों से आयातित और भारत में उत्पादित एमडीएफ बोर्ड के बीच कोई अंतर नहीं है, गलत है। यह कहा गया है कि न्यूजीलैंड से आयातित एमडीएफ बोर्ड एक अनुप्रयोग आधारित उत्पाद है जो भारतीय एमडीएफ बोर्ड से अलग है। याचिका में संदर्भित चुनिदा परीक्षण और विशेषताएं एमडीएफ बोर्ड के सभी परीक्षण और विशेषताएं नहीं हैं। एमडीएफ बोर्ड के ऐसे अनेक परीक्षण और विशेषताएं हैं जिनकी याचिकाकर्ताओं द्वारा अपने मामले को साबित करने के लिए उपेक्षा की गई है। यह कि याचिकाकर्ताओं का यह दावा कि विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी एक समान है, भी गलत है। याचिकाकर्ताओं का दावा निस्सारण मानकों के किसी संदर्भ के अभाव में भी स्वीकार्य नहीं है और न्यूजीलैंड के एमडीएफ का प्रयोग कोई पसंद नहीं बल्कि मजबूरी है।
- (ii) यह बताया गया है कि शिकायतकर्ताओं ने सार्थक और प्रयोजन मूलक विश्लेषण के लिए भारत में आयातित एमडीएफ बोर्डों की भिन्न-भिन्न रेंज की अलग-अलग मात्रा और मूल्य को जानबूझकर हटा दिया है। यह कहा गया है कि न्यूजीलैंड से किए गए आयात सभी स्रोतों से किए गए \*\*\* सीबीएम के आयातों की तुलना में \*\*\* सीबीएम रहे हैं और पाटन के अलावा अन्य कारकों से हुई क्षति के लिए कथित पाटित आयातों को जिम्मेवार नहीं ठहराया जा सकता है। चूंकि एमडीएफ और कागज में लकड़ी की खपत होती है, जबकि भौगोलिक रूप से भारत में लूगदी और कागज उद्योग की

काफी संख्या है और तदनुसार कागज उद्योग से लकड़ी की मांग के कारण लकड़ी की कीमत और लागत में असामान्य वृद्धि हो जाती है। असंगतिक्षेत्र से सरकारी प्लाइवुड भी एमडीएफ उद्योग के लिए समस्या खड़ी करती है। सरकारी प्लाइवुड एमडीएफ का अच्छा प्रतिस्थापक है। ऐसे सरकारी प्लाइवुड का संचयी उत्पादन एमडीएफ के उत्पादन से काफी अधिक होता है और यह एमडीएफ की तुलना में 15-25% सरकारी होता है। मै. शिरडी इंडस्ट्रीज ने 2007 में बाजार में आने वाले एक नए उत्पादक हैं और पहले वर्ष ही उन्होंने 70% की क्षमता पर अपने संयंत्र का संचालन किया है। अत यह नहीं कहा जा सकता है कि अत्य उपयोग किसी भी तरह से आयातों के विविधत है।

- (iii) न्यूजीलैंड के होने वाले आयातों में प्रीमियम और डाउन ग्रेड दोनों शामिल हैं। इन दोनों में औसत आधार पर तुलना नहीं की जा सकती है। डाउन ग्रेड सामग्री की तुलना प्राइम ग्रेड के सामान्य मूल्य से नहीं की जा सकती है। पाटन मार्जिन की तुलना भी घरेलू उद्योग की क्षतिकारी कीमत से की जानी चाहिए जो वह कीमत है जिस पर यह सामग्री अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचती है। जिसमें उस आयातक का मार्जिन शामिल होता है जो घरेलू उद्योग से वित्तीयर्थी करता है। न्यूजीलैंड का घरेलू बाजार एक संरक्षित बाजार नहीं है और कोई उपभोक्ता घरेलू बाजार में उत्पाद का पुनः निर्यात और उसे भारी लाभ नहीं कमा सकता है।
- (iv) घरेलू उद्योग के संरक्षण के अनुकूल नियमों का मूल तत्व इस आधार पर आधारित है कि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना राष्ट्रीय हित में होगा। यह मुद्दा राष्ट्रीय हित के साथ-साथ बहुसंख्यक भारतीय उपभोक्ताओं के हितों के बीच वरीयता का है। पर्याप्त संसाधनों के बिना उद्योग का संरक्षण करने में राष्ट्रीय हित नहीं होता है। जांच के अधीन गामला राष्ट्रीय हित का होने के बजाय निजी हित का एक मामला है। घरेलू उद्योग को पहले से ही बैंक ऋणों के ओटीसी (न्यूकैम), बीआईएफआर द्वारा प्रदत्त संरक्षणों (न्यूकैम), उत्पाद शुल्क और बिक्री तथा आयकर से छूट (शिरडी) द्वारा पर्याप्त संरक्षण मिल रहा है। ऐसे उद्योग का संरक्षण करना राष्ट्रीय हित में नहीं है जिसने सार्वजनिक जमाव की वापसी करने में चूक की है। इसका इलाज जांच को समाप्त करना है।
- (v) वर्तमान व्यवसायिक प्रतिस्पर्धियों की ओर से शुरू की गई है जो अपने उत्पाद लाइन निष्पादन में अक्षम और अकुशल हैं तथा अपने निजी हितों को साधने के लिए सरकार की शक्ति का दुरुपयोग कर रहे हैं। पाटनरोधी शुल्कों का सृजन, संतुलन और सीमाओं की जांच करने और व्यापार को

अनुसारित बनाने के लिए किया गया था । पाटनरोधी नियम विदेशी प्रतिस्पर्धियों के खिलाफ एक अस्त्र साबित हुए हैं ।

**३.२ एमडीएफ अलाइनी नियम कार्यालय के अनुरोध (डॉंगवा पेटीना न्यूजीलैंड, एक्सप्रीन फाइबर बोर्ड-मलेशिया, एक्सप्रीन फाइबर बोर्ड (जेबी)-मलेशिया, फिल्म फाइबर बोर्ड-थाइलैंड, रॉबिन रिसोर्सेज-मलेशिया, सेगामाट पेनल बोर्ड-मलेशिया, एड्यांस फाइबर कंपनी थाइलैंड, मेट्रोफाइबर कंपनी थाइलैंड, बीटो एमडीएफ अलाइनी की ओर से)**

(i) याचिकाकर्ताओं द्वारा कारणात्मक संबंध के बारे में दिया गया यह विवरण कि याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रयुक्त प्रौद्योगिकी और सबद्ध देशों के नियातकों द्वारा प्रयुक्त प्रौद्योगिकी के बीच कोई अंतर नहीं है, गलत है । उद्योग के पास  $8' \times 4'$  से अधिक के एमडीएफ का उत्पादन करने की क्षमता नहीं है । प्रयोक्ता के आकार के अनुसार बोर्ड के उत्पादन के संबंध में याचिका में दिया गया विवरण गलत है क्योंकि उद्योग  $8' \times 4'$  से बड़े बोर्डों का उत्पादन नहीं कर सकता है । भोटाई के संबंध में भी गुमराह करने वाली और गलत सूचना दी गई है । आयात आंकड़ों में वे उत्पाद शामिल हैं जो भारत में विनिर्मित नहीं होते हैं । 6 मिमी. से कम के आयातों को पाटन और क्षति विश्लेषण से बाहर रखा जाना चाहिए ।

(ii) बाजार हिस्से संबंधी विश्लेषण में नए उत्पादक का प्रवेश ध्यान में रखा जाना चाहिए जिसने बाजार के बड़े हिस्से पर अधिकार जमा लिया है । इसके अलाया, मै. भंगलम के निष्पादन में सुधार हुआ है जो जांच में भाग नहीं ले रहे हैं । प्रतिस्थापन प्रभाव के संबंध में कोई विश्लेषण नहीं किया गया है । एमडीएफ प्लाइवुड, लिमिटेड बोर्ड, अन्य इंजीनियरी बोर्डों आदि के लिए प्रतिस्थापनीय है । ये सभी बाजार में एमडीएफ से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं । क्षमता और उत्पादन में वृद्धि हुई है, इस प्रकार कोई क्षति नहीं हुई है । आयातों में वृद्धि मांग में असामान्य वृद्धि के कारण और 6 मिमी. से कम की भोटाई को शामिल किए जाने के कारण हुई है । घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन को आयातों से जोड़ा नहीं जाए क्योंकि घरेलू उद्योग क्षति अवधि के दौरान धाटा उठा रहा है । मालसूची के स्तरों और उसकी पद्धति के संबंध में गोपनीयता का कोई दावा नहीं किया जा सकता है । पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का स्पष्ट अभाव है क्योंकि मै. न्यूकैम अनेक वित्तीय समस्याओं के कारण खारब निष्पादन कर रहे हैं जो कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट से भी पता चलता है । मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के संबंध में उनके पास एमडीएफ के उत्पादन का अनुभव नहीं है और वे चीन से प्रौद्योगिकीय आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भर करते हैं तथा सहायता प्रदान करने में कोई असमर्थता कंपनी के प्रचालनों पर प्रभाव डालती है । इसके अलावा, यह

स्वीकार किया गया है कि उत्तरांचल में स्थित विनिर्माण सुविधाएं समुद्री पत्तन से काफी दूर हैं जिससे परिवहन में काफी लागत आती है। मंगलम के कार्य निष्पादन में कथित पाटित आयातों के बावजूद सुधार हुआ है। घरेलू उद्योग के संयंत्र का आकार पैमाने की मितव्ययिताएं उपलब्ध नहीं कराता है। मै. शिरडी इंडस्ट्रीज को कर संबंधी अनेक लाभ मिलते हैं इसलिए उनके उत्पाद मै. न्यूकैम से कम कीमत के हैं और उनमें आंतरिक प्रतिस्पर्धा है।

### ठ.3 स्पेश बुड फर्नीचर प्रा.लि. के अनुरोधः

(i) घरेलू उद्योग द्वारा बनाए गए उत्पाद में सुसंगतता, गुणवत्ता और सुरक्षा संबंधी मानकों का अभाव है जिससे हमें अन्य देशों से एमडीएफ की खरीद के लिए बाध्य होना पड़ा है। फाइबर बोर्ड का प्रयोग मोटे तौर पर सरंघता, सतह की मजबूती, रुटेबिलिटी, चमक, प्लाइटेबिलिटी, मुद्रणीयता, प्रोफाइलिंग हानिकारक फार्मेल्डेहाइड रसायन के निस्सारण की सीमाएं संपोषणनीय आद्रता प्रतिरोध, हाइड्रो-विस्तारण, स्थिरता और पैनल की समतलता आयामी विशेषताओं की एक समानता सही पैनल डेस्सिटी प्रोफाइल फाइबर से पैनल कम्प्रेशर का अनुपात, रेजिन भार आदि पर निर्भर करती है। इन मापदंडों की दृष्टि से घरेलू उत्पाद अंतर्राष्ट्रीय उत्पादों के आगे कहीं नहीं ठहरते हैं। घरेलू उत्पादों में से कोई भी फार्मेल्डेहाइड मानकों के अनुरूप नहीं है। घरेलू उद्योग सीमित मोटाई और आकारों के फाइबर बोर्ड का उत्पादन करता है जबकि प्रयोक्ता उद्योग की जरूरतें इससे काफी अधिक हैं। कोई भी याचिकाकर्ता उनके उत्पाद विवरण के अनुसार 8 मिमी. से कम का उत्पादन नहीं करता है। सोर्सिंग करने का हमारा निर्णय केवल कीमत पर आधारित नहीं है। यह कार्य निष्पादन मूल्य के अलावा उपयुक्तता, कार्यात्मकता और गुणवत्ता के अन्य अनेक गुणों पर आधारित है। यदि जैसा कि दावा किया गया है सभी फाइबर बोर्ड समान होते हैं तो हमारे लिए आयात करने और कम से कम 20% अधिक मूल्य खर्च करने की कोई बाध्यता नहीं होनी चाहिए। शिरडी कच्ची सामग्री के रूप में आयातित बोर्डों के साथ अपने फर्नीचर संघटक संयंत्र की जरूरत को पूरा करने के लिए चेत्रई में एक लेसिनेशन संयंत्र की स्थापना कर रहा है। अपनी स्वयं की आबद्ध खपत के लिए वे अपने स्वयं के उत्पाद पर भरोसा नहीं कर रहा है।

(ii) क्षति और आयातों के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। शिकायतकर्ता पहले भी अध्याय 4410 और 4411 के अंतर्गत आने वाली वस्तुओं को आयातों की नकारात्मक सूची में लाने का असफल प्रयास कर चुका है। एमडीएफ उद्योग और कागज की लुगदी उद्योग के बीच वित्तीय सुदृढता और प्रचालनात्मक किफायत अन्य क्षेत्र के लिए कच्ची सामग्री की कीमतें और उपलब्धता निर्धारित करती है। सभी न्यूकैम पिछले 25 वर्षों से एमडीएफ के

व्यापार में और 50 वर्षों से रेजिन के व्यापार में शामिल हैं, तथापि पिछले अनेक वर्षों से उन्होंने किसी करयोग्य लाभ की घोषणा नहीं की है जिससे यह पता चलता है कि उनके प्रचालन आयातों के शुरू होने से पहले भी कभी लाभकारी नहीं रहे हैं । दोनों याचिकाकर्ताओं को हुई क्षति का कारण कोई और है और न कि आयात है क्योंकि दूसरा घरेलू उत्पादक मैं. मंगलम लाभ दर्शा रहा है । वर्तमान जांच का दीर्घावधिक नीति पर काफी निहितार्थ है और इससे अनेक सांमाजिक-आर्थिक और पारिस्थितिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं । वर्तमान जांच वन उत्पादों संबंधी डब्ल्यूटीओ करार के भी विपरीत है ।

(iii) आवास निर्माण भारतीय अर्थव्यवस्था की एक अन्य वरीयता और उच्च वृद्धि तथा रोजगार के सूजन करने वाला क्षेत्र है और यह सभी को वहनीय घर उपलब्ध करा रहा है । एमडीएफ बोर्ड पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से माझ्युलर फर्नीचर के आयातों में वृद्धि होगी ।

ड.4 दि एसोसिएशन ऑफ फर्नीचर मैन्यूफैक्चरर्स इंडिया ने यह कहा है कि भारतीय फर्नीचर विनिर्माता घरेलू, संस्थागत, मानद निर्यातों और एसईजैड इकाइयों के लिए फर्नीचर का निर्माण करने हेतु विचाराधीन उत्पाद का आयात भी करते हैं और पाटनरोधी प्रस्ताव से फर्नीचर उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा ।

ड.5 मै. बजाज इकोटेक प्रोडक्ट्स लि., मुंबई ने कहा है कि उन्होंने ईनांक 1 अप्रैल, 2008 को वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है और उन्हें काफी कम कीमतों पर उत्पाद की बिक्री के लिए बाध्य होना पड़ा है और ऐसी कम कीमतों पर कोई भी उत्पादक अपने प्रचालन नहीं चला सकता है और वे संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए याचिका का समर्थन करते हैं ।

ड.6 मै. मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपोर्टर्स (वेलफेर) एसोसिएशन, मुरादाबाद ने कहा है कि किसी भी भारतीय उत्पादक के पास भारत में विवैले यदार्थ रहित एमडीएफ का विनिर्माण करने की प्रौद्योगिकी और क्षमता नहीं है जबकि स्तर ई-1 और ई-0 के कम फार्मल्डीहाइड के निस्सारण के साथ एमडीएफ में निस्सारण मुक्त अपेक्षा बीओसी (अस्थिर कार्बनिक रसायन) को पूरा करना विश्व के उन अधिकांश विकसित देशों की अनिवार्य अपेक्षा है जहां वे एमडीएफ से बने अपने उत्पादों का निर्यात करते हैं । उन्होंने आगे यह कहा है कि घरेलू उद्योग 6 मिमी. से कम मोटाई की संबद्ध वस्तु का विनिर्माण नहीं करता है जबकि उनके निर्यातकों के पास 2.5 मिमी. से 3.5 मिमी. के बीच की मोटाई के लिए काफी मांग है । उन्होंने यह भी बताया है कि घरेलू

उद्योग 122 सेमी. से अधिक चौड़ाई की संबद्ध वस्तु का विनिर्माण नहीं करता है जबकि उन्हें 150x150 सेमी. तथा 180x180 सेमी. एमडीएफ की जरूरत होती है।

ड.7 दि फेडरेशन ऑफ थाइ इंडस्ट्रीज ने यह कहा है कि वे मानते हैं कि भारतीय एमडीएफ के निर्माता (i) 6 मिमी. से कम मोटाई के पतले एमडीएफ (ii) अल्प फार्मल्डीहाइड एमडीएफ और (iii) बड़े आकार के एमडीएफ जैसे 6'x8' और 5'x9' का उत्पादन नहीं करते हैं। उन्होंने यह भी प्रस्ताव किया है कि (i) यांत्रिक रूप से तैयार या कवर्ड सतह वाले एमडीएफ (प्लेन एमडीएफ नहीं) (ii) उच्च घनत्व वाले फाइबर बोर्ड 4411.92.00 तथा कम घनत्व वाले फाइबर बोर्ड 4411.94.00 को विचाराधीन उत्पाद से बाहर रखा जाना चाहिए। उन्होंने इस संबंध में व्यौरों को सूचीबद्ध करने वाली एक सूची संलग्न की है।

ड.8 रॉयल थाई गवर्नमेंट की ओर से विदेश व्यापार विभाग ने कहा है कि वे यह जानना चाहते हैं कि क्या (i) पतले एमडीएफ (6 मिमी. से कम मोटाई के) (ii) कम फार्मल्डीहाइड के एमडीएफ और (iii) बड़े आकार के एमडीएफ जैसे 6'x6' और 5'x9' उत्पाद जांच के दायरे में आते हैं।

ड.9 मै. थमारापल्ली ब्रदर्स, एर्णाकुलम ने यह कहा है कि वे भिन्नित कटिबंधीय कठोर लकड़ी के एमडीएफ के आयात और विपणन में शामिल हैं जिनका घरेलू विनिर्माताओं द्वारा उत्पादन नहीं किया जाता है और उक्त उत्पाद में ऐसी विशिष्ट विशेषताएं हैं जो केरल जैसे उच्च आर्द्रता वाले स्थानों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है परंतु उन्होंने अपने दावे के समर्थन में कोई व्यौरे प्रस्तुत नहीं किए हैं।

ड.10 मै. मुरादाबाद हेडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर्स एसो., मुरादाबाद ने निम्नलिखित बातें बताई हैं:

- (i) यह कि घरेलू उद्योग का कोई भी उत्पादक कम फार्मल्डीहाइड निस्सारणों के संबंध में यूएस सीएआरबी और 1.1.2009 से लागू अमेरिका में बनाए गए नए कानून (सीएआरबी) की अपेक्षाओं को पूरा करने वाले एमडीएफ का विनिर्माण नहीं करता है।
- (ii) यह कि ईओयू के संबंध में पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया गया है। सदस्य इकाइयों द्वारा एमडीएफ का सीधा आयातक बनना संभव नहीं है। दूसरी ओर अधिकांश निर्यातक शिल्पकारों से सीधे हस्तशिल्प के निर्मित उत्पादों को

अत्याकारता है जो पाटनरोड चौक के समाने सबके उत्तरांदों को सबकरते हीरे छिपाने करते हैं ताकि वे 10,000 से अधिक भरियार हैं जो उनमें वरों में हस्तांत्रिक कानूनों के प्रत्यक्ष सम्पर्क से राखियाँ हैं।

(iii) यह कि आवासित एम्डीएफ पर पाटनरोडी शुल्क लगाए जाने से वरेलू हस्तांत्रिक उद्योग की समस्याओं में और यूटी हीनी जो गंदी के दोरान पहले से ही वर्षीय व्यापिंग उत्तरांदों के सकल जाल्य उपयोग के कारण भारी घटा जाते रहते हैं।

(iv) यह कि केवल न्यूजीलैंड से आवासित एम्डीएफ फार्मस्टीलाइड निस्तारण आवक और सीएआरी प्रगाढ़न के मापदंडों और सत्ता को पूरा करता है।

E.11 वे वी.सी.सुन्दर एम्डीएफ लि., इल 100% नियांत्रित इकाई, यू.के.नं. 244221 ने नियांत्रित अनुसंधान किए हैं:-

(i) यह कि केवल न्यूजीलैंड से आवासित एम्डीएफ विनिर्देशनों को पूरा करता है और केवल इसके तकनीकी मापदंड अमरीका और यूरोप को विशेष हस्तांत्रिक मर्दों के उत्पादों के निवारिंग हेतु उपयुक्त हैं।

(ii) यह कि उनके जैसी 100% नियांत्रित इकाईयों सहित अनेक लघु हस्तांत्रिक इकाईयाँ हैं जो न्यूजीलैंड से सीधे एम्डीएफ का आवास नहीं कर सकती हैं क्योंकि नियांत्रितों की अस्तित्व सम भागों में होती हैं और यदि न्यूजीलैंड से एम्डीएफ के आवास पर पाटनरोडी शुल्क लगाया जाता है तो यह हस्तांत्रिक के लिए और अधिक महंगा हो जाएगा।

(iii) यह कि भारत और एशियाई देशों में कोई भी विनिर्माण नहीं होता और विनिर्देशनों के अनुसार अमरीका और यूरोपीय बाजार में सीएआरी और फार्मस्टीलाइड निस्तारण जैसे नवीनतम दिशा निर्देशों के अनुसार विनिर्देशनों और अन्य मापदंडों को पूरा नहीं करता है और कर्मचारा अनुदूल होने की अपेक्षा को भी पूरा नहीं करता है।

(iv) घरेलू उद्योग का कोई भी भाग 6 लिमि. से कम भोलाई वाले एम्डीएफ का विनिर्माण नहीं कर रहा है और इसलिए कोटो क्रैम और उच्च मर्दों का विनिर्माण करने वाले नियांत्रितों जो अपने प्रमुख क्रेतारों पर अपने उत्पादों को पूरा करने के लिए न्यूजीलैंड से आवासित एम्डीएफ का कोई भाग सम्पर्क से फ़्रेगे करना पड़ता है।

(v) यह कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से निर्यातकों को न्यूजीलैंड से स्थानीय आयातकों को उच्च लागत का भुगतान करना पड़ेगा और इससे उनके निर्यात उत्पाद के लागत निर्धारण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा जिससे उनका उत्पाद निर्यात के लिए अनार्थिक हो जाएगा ।

(vi) यह कि पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाए जाने से निर्यातकों को उनकी उत्तरजीविता में मदद मिलेगी और इससे हस्तशिल्प उत्पादों के निर्यात में लगे हुए हजारों श्रमिकों की छंटनी से भी बचा जा सकेगा ।

**ड. 12** नोएडा विशेष आर्थिक क्षेत्र, नौएडा के संयुक्त विकास आयुक्त ने 100% निर्यातोन्मुख इकाई मै. सी.एल.गुप्ता एक्सपोर्ट्स लि. के अभ्यावेदन को अग्रेषित किया है जिसमें यह कहा गया है कि उक्त इकाई संभवतः भारत में हस्तशिल्प की सबसे बड़ी निर्यातक है और हस्तशिल्प इकाइयों द्वारा लकड़ी के हस्तशिल्प बनाने के लिए कच्ची सामग्री के रूप में मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड का व्यापक रूप से प्रयोग किया जाता है । यह बताया गया है कि घरेलू उद्योग और चीन द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं अमरीका और यूरोप की अपेक्षाओं को पूरा नहीं करती हैं और तदनुसार हस्तशिल्प इकाइयों को भारत में व्यापारियों से न्यूजीलैंड से आयातित संबद्ध वस्तुएं प्राप्त होती हैं । इसके अलावा, यह बताया गया है कि इन इकाइयों के लघु और मध्यम आकार के उद्यम होने के कारण इन्हें एमडीएफ की भारी मात्रा में जरूरत नहीं होती है और वे न्यूजीलैंड से सीधे एमडीएफ का आयात करने में अपनी पूँजी को अवरुद्ध नहीं कर सकते हैं और उन्होंने न्यूजीलैंड और यूरोप से आयातित एमडीएफ के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क से छूट के जरिए उचित राहत प्रदान करने का अनुरोध किया है ।

**ड. 13** प्राधिकारी द्वारा जांच:

हितबद्ध पक्षकारों के उपर्युक्त अनुरोधों की प्रारंभिक जांच परिणामों में संगत सीमा तक संगत स्थानों पर जांच की गई है और उन पर विचार किया गया है ।

#### च. पाटन मार्जिन का निर्धारण

22. प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार संबद्ध देशों के विभिन्न निर्यातकों-उत्पादकों को प्रश्नावलियां भेजी हैं । इसके अलावा प्राधिकारी ने संबद्ध देशों

की सरकार को पत्र भेजे हैं और उनसे उनके देशों के संबंधित उत्पाद के उत्पादकों और निर्यातकों को निर्दिष्ट प्राधिकारी को उत्तर देने के लिए कहने का अनुरोध किया है। इसके उत्तर में निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के साथ सहयोग किया है।

1. मै. सियाम फाइबर बोर्ड कंपनी लि.-आइलैंड
2. मै. वांचायी ऐनल इंडस्ट्रीज के. लि.-आइलैंड
3. मै. वांचायी ग्रुप पीसीएल-आइलैंड
4. मै. बैट्रो एमडीएफ-आइलैंड
5. मै. बैट्रो फाइबर-आइलैंड
6. मै. एडवांस फाइबर-आइलैंड
7. मै. मर्क्याक्स-श्रीलंका
8. मै. छांगवा-मलेशिया
9. मै. रॉबिन्स रिसोर्सेज-मलेशिया
10. मै. एक्स्ट्रीन फाइबर बोर्ड-(इंपक्टी)-मलेशिया
11. मै. कार्टर होल्ट हार्व, न्यूजीलैंड
12. मै. एक्स्ट्रीन फाइबर बोर्ड-(जेबी) -मलेशिया
13. मै. सेगमार्ट ऐनल बोर्ड्स एसडीएन बीएचडी, मलेशिया

#### च.1 बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों के लिए पाठन भारिन

#### च.2 आइलैंड के लिए पाठन भारिन

#### सियाम फाइबर बोर्ड कंपनी लि. के जागते में पाठन भारिन का निर्वाचन

#### 23. सामान्य मूल्य - कंपनी ने पिछले परिशिष्टों में सूचना उपलब्ध कराई है

जिसकी निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा व्यौरेवार जांच की गई है और एक कमी संबंधी पत्र जारी किया गया था। प्राधिकारी ने यह अद्वेकन किया कि परिशिष्ट-9 में कंपनी द्वारा दावा किए गए एसजीए खर्च परिशिष्ट-7 और 8 (ख) में दी गई एसजीए संबंधी सूचना से मेल नहीं खाते हैं। प्राधिकारी ने लागत के निर्वाचन के समय सत्यापन होने तक परिशिष्ट-8(ख) के लिए परिशिष्ट-9 में दर्शाए गए एसजीए खर्चों को स्वीकार किया है।

कच्ची सामग्री की लागत के संबंध में प्राधिकारी ने यह देखा कि कंपनी द्वारा दावा की गई कच्ची सामग्री की लागत और उसी देश के अन्य सहयोगी उत्पादकों की लागत में कोकी अंतर है। इसलिए कच्ची सामग्री की लागत निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास सर्वोच्चम

उपलब्ध सूचना के अनुसार ली गई है। रेजिन के संबंध में कंपनी संभवित परिकारों से

रेजिन प्राप्त कर रही है और इस प्रकार वह दरें तब तक स्वीकार नहीं की जा सकती हैं जब तक प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट नहीं हों कि संबंधित प्राप्तकारों से रेजिन की ये

खरीद पर्याप्त दूरी पर है। अतः सत्यापन होने तक रेजिन की लागत सहयोगी निर्यातकों और उत्पादकों की सूचना के आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास उपलब्ध अन्य सूचना के अनुसार ली गई है। तदनुसार संपूर्ण लागत की पुनः गणना की गई है। बिक्री की संशोधित लागत पर विद्यार करते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारित औसत आधार पर सभी घरेलू बिक्रियां नुकसान पहुंचाने वाली हो गई हैं और इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण घरेलू बाजार में बिक्रियों के आधार पर नहीं किया जा सकता है। अतः सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उत्पादन लागत और तर्कसंगत लाभ मार्जिन लिया गया है। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य \*\*\* अम.डॉ. प्रति घन मी. (सीबीएम) बनता है।

24. निर्यात कीमत- निर्यात कीमत का निर्धारण संबंधित निर्यातक/उत्पादक द्वारा किए गए दावों के अनुसार किया गया है। निर्यातक ने परिशिष्ट-2 में सूचना प्रस्तुत की है जिसकी जांच और दूसरे परिशिष्टों के साथ मिलान किया गया है। निर्यातक ने कमीशन, समुद्री भाड़े, अंतरदेशीय परिवहन, निकासी और प्रहस्तन, बिक्री और विपणन के लिए समायोजन का दावा किया है। दावा किए गए सभी खर्चों की सत्यापन होने तक दावे के अनुसार अनुमति दी गई है। इस प्रकार निर्धारित निवल निर्यात कीमत \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनती है।

#### सामान्य पैसल हंडरटीज कंपनी लि. अहर्स्ट हे मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण

25. सामान्य मूल्य- कंपनी ने विभिन्न परिशिष्टों में सूचना उपलब्ध कराई है जिसकी प्राधिकारी द्वारा विस्तृत रूप से जांच की गई है और कमी संबंधी पत्र जारी किया गया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबंधित कंपनी में से एक जो संबंधित उत्पाद के उत्पादन और बिक्री में भी शामिल है, ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को व्यारेवार उत्तर दिया है। प्राधिकारी ने दोनों कंपनियों द्वारा प्रस्तुत उत्तर की तुलना की है और इनमें किए गए दावों में भारी अंतर पाया है। प्राधिकारी को कच्ची सामग्री और रेजिन के लिए दरों में भारी अंतर का कोई कारण नहीं मिला है। प्राधिकारी ने उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ सूचना के अनुसार कच्ची सामग्री और रेजिन की लागत में संशोधन किया है और उत्पादन लागत निर्धारित की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारित औसत आधार पर सभी घरेलू बिक्रियां घाटा पहुंचाने वाली बन गई हैं और तदनुसार घरेलू बाजार में बिक्रियों के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है और सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उत्पादन लागत और तर्कसंगत लाभ मार्जिन को लिया गया है। इस निर्धारित सामान्य मूल्य \*\*\* अम.डॉ. प्रति घन मी. (सीबीएम) बनता है।

26. निर्यात कीमत- निर्यात कीमत का निर्धारण संबंधित निर्यातक/उत्पादक द्वारा किए गए दावों के अनुसार किया गया है। निर्यातक ने परिशिष्ट-2 में सूचना प्रस्तुत की है जिसकी जांच और दूसरे परिशिष्टों के साथ मिलान किया गया है। निर्यातक ने कमीशन, समुद्री भाड़े, अंतरदेशीय परिवहन, पैकिंग और त्रैण लागत के लिए समायोजन

का दावा किया है। दावा किए गए सभी खर्चों की सत्यापन होने तक दावे के अनुसार अनुमति दी गई है। इस प्रकार निर्धारित निवल निर्यात कीमत \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनती है।

### वांचाई ग्रुप पीसीएल-थाइलैंड के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण

27. **सामान्य मूल्य** - कंपनी ने विभिन्न परिशिष्टों में सूचना उपलब्ध कराई है जिनकी प्राधिकारी द्वारा विस्तृत रूप से जांच की गई है और कमी संबंधी पत्र जारी किया गया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी के पास घरेलू और निर्यात बाजार में दो ग्रेडों अर्थात् ए और सी का उत्पादन और बिक्रियां हैं। इसलिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना इन्हीं ग्रेडों के लिए की गई है। कंपनी ने भारत को ग्रेड ए का निर्यात किया है जिसे घरेलू बाजार में भी बेचा गया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू बाजार में की गई पर्याप्त बिक्रियां लाभकारी बिक्रियां रही हैं अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण घरेलू बाजार में समान वस्तु की कीमत के अनुसार किया गया है। इस प्रकार, निर्धारित सामान्य मूल्य \*\*\* अम.डॉ. प्रति घन मी.(सीबीएम) बनता है।

28. **निर्यात कीमत-** निर्यात कीमत का निर्धारण संबंधित निर्यातक/उत्पादक द्वारा किए गए दावों के अनुसार किया गया है। निर्यातक ने परिशिष्ट-2 में सूचना प्रस्तुत की है जिसकी जांच और दूसरे परिशिष्टों के साथ मिलान किया गया है। निर्यातक ने कमीशन, समुद्री भाड़े, अंतरदेशीय परिवहन, पत्तन प्रभार, निकासी और प्रहस्तन, पैकिंग और ऋण लागत के लिए समायोजन का दावा किया है। दावा किए गए सभी खर्चों की सत्यापन होने तक दावे के अनुसार अनुमति दी गई है। इस प्रकार निर्धारित निवल निर्यात कीमत \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनती है।

### मेट्रो एमडीएफ, मेट्रो फाइबर और एडवांस फाइबर-थाइलैंड के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण

29. **सामान्य मूल्य** -प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन तीन कंपनियों ने विभिन्न परिशिष्टों में ऐसी सूचना उपलब्ध नहीं कराई है जो उनके लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु संगत हो सकती हो। प्राधिकारी ने इन कंपनियों को पत्र भेजे हैं जिनमें उनसे घरेलू बाजार में बिक्रियां और उत्पादन लागत से संबंधित सूचना उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। तथापि, इन कंपनियों द्वारा इस संबंध में कोई सूचना नहीं दी गई है। तत्पश्चात् दिनांक 18.12.2008 को इन्हें पत्र जारी किए गए थे जिनमें इन उत्पादकों/निर्यातकों को सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु अपेक्षित संगत सूचना प्रस्तुत करने की सलाह दी गई थी जिसे प्रस्तुत न किए जाने पर प्राधिकारी को आवेदक घरेलू उद्योग की बिक्री लागतों के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु बाध्य होना पड़ेगा। इन उत्पादकों/निर्यातकों के परामर्शदाताओं ने दिनांक 29.12.2008 के पत्रों के द्वारा इस बात पर सहमति जताई कि प्राधिकारी जैसा उपयुक्त समझे सामान्य मूल्य

के निर्धारण में वैसा निर्णय ले सकते हैं। अतः प्राधिकारी ने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के अनुसार इन उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित किया है। इन निर्यातकों/उत्पादकों के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य \*\*\* अम.डॉ. प्रति घन मी.(सीबीएम) बनता है।

30. निर्यात कीमत- इन उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण इन कंपनियों द्वारा किए गए दावों के अनुसार किया गया है। कमीशन, समुद्री भाड़े, और पत्तन प्रभारों के लिए समायोजन का दावा किया गया है जिसकी जांच होने तक अनुमति दी गई है। इस प्रकार निर्धारित निर्यात कीमत क्रमशः \*\*\* अम.डॉ., \*\*\* अम.डॉ. और \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनती है।

31. देश के लिए समग्र रूप से एक सामान्य मूल्य थाइलैंड के लिए समग्र रूप से सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है। इस प्रयोजनार्थ संबंधित व्यक्तिगत सहयोगी उत्पादक के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य और घरेलू बाजार में की गई उनकी विक्रियों की मात्रा निम्नांकित तालिका में दर्शायी गई है।

नाम	सियाम	वांचाई पैनल	वांचाई ग्रुप	मेट्रो एमडीएफ	मेट्रो फाइबर	एडवांस फाइबर	औसत
सामान्य मूल्य	***	***	***	***	***	***	***
घरेलू विक्रियां	***	***	***	***	***	***	***

32. इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनता है।

थाइलैंड के अन्य असहयोगी निर्यातक-उत्पादक के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण

33. थाइलैंड से अन्य असहयोगी उत्पादक/निर्यातक के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण उपर्युक्त चर्चा के अनुसार किया गया है। निर्यात कीमत के लिए निर्यात कीमत को सहयोगी उत्पादक/निर्यातक द्वारा किए गए न्यूनतम कीमत के निर्यात के अनुसार लिया गया है।

34. जैसी ऊपर चर्चा की गई है, सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है : -

नाम	सिवान	जांचाई फैसल	जांचाई रूप	मेट्रो एक्स्प्रेस	मेट्रो फैसलर	एडवांस फैसलर	जन्म
सामान्य मूल्य	***	***	***	***	***	***	***
नियात कीमत	***	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	***	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन %	25-30	30-35	20-25	25-30	26-31	35-40	52-57

### 3.3 भीलांका के लिए पाटन मार्जिन

#### भरतीय भीलांका के जागते में पाटन मार्जिन का निर्धारण

35. **सामान्य मूल्य-** प्राधिकारी नोट करते हैं नियातक ने भिन्न-भिन्न परिशिष्टों में सूचना उपलब्ध कराई है जिनकी निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांच और मिलान किया गया है और एक विस्तृत पत्र भी जारी किया गया था । यह कंपनी मलेशिया में संबंधित कंपनी से रेजिन प्राप्त कर रही है । प्राधिकारी ने मलेशिया में बाजार कीमत के अनुसार रेजिन की कीमत में संशोधन के द्वारा उत्पादन लागत में संशोधन किया है और कंपनी के दावे के अनुसार उस कीमत में समुद्री भाड़ को जोड़ा है । कंपनी के वित्तीय विवरण के विश्लेषण से यह पता चलता है कि वर्ष 2006 के दौरान कंपनी के ऊपर \*\*\* भिलियन अम.डॉ. की सीमा तक धारक कंपनी का ऋण था जिस पर \*\*\*% की व्याज दर थी । जांच अवधि के दौरान इन सभी ऋणों को व्याज मुक्त ऋणों के रूप में हस्तांतरित कर दिया गया था । इसके महेनजर जांच अवधि के दौरान व्याज छगार काफी कम रहे थे । आगे जांच होने तक इन व्याज प्रभारों को धारणात्मक आधार पर बिक्री लागतों में जोड़ा गया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि औसत आधार पर सभी विक्रियां नुकसान पहुंचाने वाली हो गई थी इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण घरेलू बाजार में समान वस्तु की कीमत के आधार पर नहीं किया जा सकता है । अतः सामान्य मूल्य उत्पादन लागत और तर्कसंगत लाभ के आधार पर निर्धारित की गई है । इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनता है ।

36. **नियात कीमत-** नियात कीमत का निर्धारण नियातक के दावे के अनुसार किया गया है । कमीशन, समुद्री भाड़, बिक्री और विषण्ण, अंतर्राष्ट्रीय परिवहन, पतन प्रभारों के लिए समायोजन का दावा किया गया है जिसकी जांच होने तक अनुमति दी गई है । इस प्रकार निर्धारित नियात कीमत \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनती है ।

37. देश के लिए समग्र रूप से एक सामान्य मूल्य - प्राधिकारी नोट करते हैं कि श्रीलंका से केवल एक उत्पादक ने सहयोग किया है। अतः मरबोक श्रीलंका के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य समग्र रूप से पूरे देश श्रीलंका के लिए सामान्य मूल्य माना गया है। अतः श्रीलंका में सामान्य मूल्य \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनता है।

38. श्रीलंका से अन्य असहयोगी निर्यातकों-उत्पादकों के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण

39. श्रीलंका में असहयोगी निर्यातक/उत्पादकों के मामले में सामान्य मूल्य को उपर्युक्त चर्चा के अनुसार लिया गया है। निर्यात कीमत के लिए निर्यात कीमत को संबंधित सहयोगी निर्यातक/उत्पादक के आधार पर न्यूनतम निर्यात कीमत के अनुसार स्वीकार किया गया है।

40. ऊपर चर्चा अनुसार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है:-

नाम	मरबोक	अन्य
निर्यात मूल्य	***	***
निर्यात कीमत	***	***
पाटन मार्जिन	***	***
पाटन मार्जिन %	10-15%	45-50%

च.4 मलेशिया के लिए पाटन मार्जिन

मै. डोंगवा फाइबर बोर्ड एसडीएन.बीएचडी-मलेशिया के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण

41. सामान्य मूल्य - निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर में उत्पादक/निर्यातक ने डोंगवा फाइबर बोर्ड और डोंगवा एमडीएफ के संबंध में संयुक्त उत्तर प्रस्तुत किया है। प्राधिकारी द्वारा यह नोट किया गया है कि मै. डोंगवा फाइबर बोर्ड के पास दो कारखाने अर्थात् मरबोक और निलाई हैं जबकि मै. डोंगवा एमडीएफ के पास एक कारखाना है। यह भी नोट किया गया है कि परिशिष्ट-8 में उत्पादन \*\*\* सीबीएम दर्शाया गया था जबकि बिक्रियां \*\*\* सीबीएम दर्शायी गयी थीं। उत्पादन और बिक्रियों के बीच अंतर या तो माल सूची या आबद्ध हस्तांतरणों के रूप में हो सकता है, परंतु इसे कहीं भी स्पष्ट नहीं किया गया था। इसके अलावा, रेजिन, जो निविष्ट लागत का एक बड़ा हिस्सा है, को उसकी संबंधित कंपनी अर्थात् मै. डोंगवा केमिकल (एम) एसडीएन.बीएचडी से खरीदा गया था। तदनुसार उत्पादकों/निर्यातकों को प्रत्येक संयंत्र/कारखाने के उत्पादन और बिक्रियों के संपूर्ण आमेलन प्रस्तुत करने के लिए एक कमी संबंधी पत्र जारी किया

गया था । यह देखा गया है कि मरबोक संयंत्र के संबंध में उत्पादन और बिक्रियों के बीच भारी अंतर है । प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ निलाई संयंत्र (जो 6 भिन्नी, और उससे अधिक मोटाई के एमडीएफ का उत्पादन करता है) की बिक्री लागतों को कुलीम संयंत्र के खपत संबंधी मानकों और सत्यापन होने तक मलेशिया से एक सहयोगी निर्यातक की रेजिन की दरों को अपनाकर समायोजित किया गया है । यह भी नोट किया गया है कि निलाई संयंत्र के एसजीए को भी बीमा के दावों के लिए असाधारण आय में शामिल किया गया है । इन्हें प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ शामिल नहीं किया गया है । इसके आधार पर निलाई संयंत्र की समायोजित बिक्री लागत \*\*\* रिंगिट प्रति सीबीएम के बिक्री खर्च को समायोजित करने के बाद \*\*\* रिंगिट प्रति सीबीएम बनती है । कारखाना द्वारा पर लागत \*\*\* रिंगिट बनती है जिसके आधार पर घरेलू बिक्रियां व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में होने संबंधी परीक्षण को पास नहीं करती हैं । और तदनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पादन लागत और तरक्सिंगत लाभ के आधार पर करना अपेक्षित है । तदनुसार सामान्य मूल्य \*\*\* रिंगिट प्रति सीबीएम या \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनता है ।

42. निर्यात कीमत- निर्यात कीमत का निर्धारण कंपनी के दावे के अनुसार किया गया है । कमीशन, समुद्री भाड़े, अंतरदेशीय परिवहन, पत्तन प्रभार, पैकिंग, ऋण लागत और बैंक कमीशन के लिए समायोजन का दावा किया गया है जिसकी जांच होने तक अनुमति दी गई है । इस प्रकार निर्धारित निर्यात कीमत \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनती है ।

#### रॉबिन रिसोर्सेज-मलेशिया के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण

43. सामान्य मूल्य - कंपनी ने उत्पादन लागत के साथ घरेलू बाजार में बिक्रियों से संबंधित सूचना प्रस्तुत की है जिसकी अन्य प्रस्तुत सूचना के साथ पुनः जांच की गई है और इन्हें मिलता-जुलता पाया गया है । सामान्य मूल्य का निर्धारण असंबद्ध उपभोक्ताओं को समान वस्तु की घरेलू बिक्रियों के आधार पर किया गया है । इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनता है ।

44. निर्यात कीमत- निर्यात कीमत का निर्धारण निर्यातक के दावे के अनुसार किया गया है । कमीशन, समुद्री भाड़े, अंतरदेशीय परिवहन, निकासी और प्रहस्तन, बैंक प्रभारों के लिए दावा किए गए समायोजनों की जांच होने तक अनुमति दी गई है । इस प्रकार निर्धारित निवल निर्यात कीमत \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनती है ।

एवरग्रीन फाइबर बोर्ड-मलेशिया के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण

45. सामान्य मूल्य - कंपनी ने उत्पादन लागत के साथ घरेलू बाजार में बिक्रियों से संबंधित सूचना प्रस्तुत की है जिसकी अन्य प्रस्तुत सूचना के साथ पुनः जांच की गई है और इन्हें मिलता-जुलता पाया गया है। सामान्य मूल्य का निर्धारण असंबद्ध उपभोक्ताओं को समान वस्तु की घरेलू बिक्रियों के आधार पर किया गया है। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनता है।

46. निर्यात कीमत - निर्यात कीमत का निर्धारण निर्यातक के दावे के अनुसार किया गया है। कमीशन, समुद्री भाड़, अंतर्राष्ट्रीय परिवहन, बैंक प्रभारों के लिए समायोजनों का दावा किया गया है और जांच होने तक इनकी अनुमति दी गई है। इस प्रकार निर्धारित निवल निर्यात कीमत \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनती है।

47. देश के लिए समग्र रूप से एक सामान्य मूल्य - मलेशिया के लिए सामान्य मूल्य समग्र रूप से निर्धारित किया गया है। इस प्रयोजनार्थ संबंधित व्यक्तिगत सहयोगी उत्पादक के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य और घरेलू बाजार में की गई उनकी बिक्रियों की भात्रा निम्नांकित तालिका में दर्शायी गई है।

नाम	डोंगवा	रोदिन	एवरग्रीन (ईएफबी)	औसत
सामान्य मूल्य	***	***	***	***
घरेलू बिक्रियां	***	***	***	***

48. इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनता है।

मलेशिया से अन्य असहयोगी निर्यातक-उत्पादक के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण

49. मलेशिया से अन्य असहयोगी उत्पादक/निर्यातक के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण ऊपर चर्चा के अनुसार किया गया है। निर्यात कीमत के लिए निर्यात कीमत को सहयोगी उत्पादक/निर्यातक द्वारा किए गए न्यूनतम कीमत के निर्यात के अनुसार स्वीकार किया गया है। मै. एवरग्रीन फाइबर जेबी और मै. सेगामाट पैनल ने भी उत्तर दिया है और यह अनुरोध किया है कि उन्होंने केवल 6 मिमी. से कम मोटाई का निर्यात किया है। प्राधिकारी ने 6 मिमी. से कम मोटाई के एमडीएफ को संबंधित उत्पाद के दायरे से बाहर रखा है और इसलिए तदनुसार इन दो निर्यातकों ने भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है।

50. ऊपर यथा विचार विमर्शित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है : -

नाम	डॉगवा	रोविन	एवरग्रीन (ईस्टफ़ार्मी)	अन्य
सामान्य मूल्य	***	***	***	***
निर्यात कीमत	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	***	***	***	***
पाटन मार्जिन %	25-30%	18-24%	20-25%	50-55%

### च.5 चीन जन.गण. के लिए पाटन मार्जिन

#### चीन-जन.गण. के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण

51. सामान्य मूल्य - प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन-जन.गण. से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। अतः प्राधिकारी के पास घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और विक्रियों में तर्कसंगत लक्ष्य मार्जिन को जोड़कर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनता है।

52. निर्यात कीमत - प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. से किसी भी निर्यातक या उत्पादक ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार चीन जन.गण. से निर्यात कीमत निर्धारित की है। समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, अंतर्राष्ट्रीय परिवहन, पत्तन खद्दों के लिए समायोजन किए गए हैं। उपर्युक्त समायोजन करने के बाद कारखाना द्वारा स्तर पर निर्यात कीमत \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनती है।

53. पूरे देश के लिए एक सामान्य मूल्य - सामान्य मूल्य का निर्धारण पूरे चीन जन.गण. के लिए किया गया है। चूंकि चीन-जन.गण. से किसी भी निर्यातक ने उत्तर प्रस्तुत नहीं किया, अतः सर्वभेष्ट उपलब्ध सूचना के आधार पर प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य निर्धारित किया है।

54. इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनता है।

55. यथा विमर्शित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत पर विचार करते हुए चीन जन.गण. हेतु पाटन मार्जिन मार्जिन निम्नानुसार बनती है: -

सामान्य मूल्य	***
निर्यात कीमत	***
पाटन मार्जिन	***
पाटन मार्जिन %	120-130%

### च.6 न्यूजीलैंड हेतु पाटन मार्जिन

#### कार्टर हॉल्ट हार्वे - न्यूजीलैंड के मामले में पाटन मार्जिन

56. सामान्य मूल्य - प्राधिकारी नोट करते हैं कि न्यूजीलैंड के उत्पादकों/निर्यातकों में से एक मै. कार्टर हॉल्ट हार्वे ने प्राधिकारी को आंशिक उत्तर प्रस्तुत किया है। शेष सूचना सत्यापन के समय प्रस्तुत करने के संबंध में इस निर्यात के आश्वासन को ध्यान में रखते हुए इस उत्पादक/निर्यातक को सहयोगी माना गया है। प्रस्तुत किए गए उत्तर के अनुसार यह देखा गया है कि घरेलू बाजार में केवल प्रीमियम ग्रेड की बिक्री की जाती है जबकि भारत को होने वाले निर्यात में प्रीमियम ग्रेड केवल \*\*\*%, यूटीलिटी \*\*\*% और शेष \*\*\*% अपशिष्ट होता है। अतः प्राधिकारी ने प्राधिकारी ने प्राथमिक जांच परिणाम में सामान्य मूल्य का निर्धारण निर्यातक के दावे के अनुसार घरेलू बाजार में प्रीमियम ग्रेड की कीमत के आधार पर किया है। तथापि, उत्पादक-सह-निर्यातक को प्रीमियम ग्रेड की तुलना में यूटीलिटी, डाउनग्रेड अपशिष्ट एमडीएफ के तकनीकी विनिर्देशनों आदि के संबंध में प्राधिकारी को संतुष्ट करना होगा। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनता है।

57. निर्यात कीमत - निर्यातक द्वारा किए गए दावे के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी ने निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। समुद्री मालभाड़े, समुद्री बीमे, अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन व्ययों के संबंध में समायोजन किया गया है। उपर्युक्त समायोजन के पश्चात कारखाना-द्वार स्तर पर निर्यात कीमत \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनती है।

58. पूरे देश के लिए एक सामान्य मूल्य - सामान्य मूल्य का निर्धारण पूरे न्यूजीलैंड के लिए किया गया है। चूंकि किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने उत्तर प्रस्तुत नहीं किया अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

59. इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य \*\*\* अम.डॉ. प्रति सीबीएम बनता है।

60. यथा विमर्शित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनती है: -

	कॉर्टर	अन्य
सामान्य मूल्य	***	***
निर्यात कीमत	***	***
पाटन मार्जिन	***	***
पाटन मार्जिन %	8-15%	60-70%

#### छ. 1 क्षति एवं कारणात्मक संबंध की जांचः -

61. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति निर्धारण में घरेलू उद्योग को हुई क्षति को इंगित करने वाले कारकों की जांच की जाएगी । "पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तु की कीमत पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयात के प्रभाव सहित" घरेलू उद्योग को हुई क्षति को इंगित करने वाले कारकों की जांच की जाएगी । कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है, अथवा क्या ऐसे पाटित आयातों के प्रभाव का उद्देश्य कीमतों को उल्लेखनीय स्तर तक कम करना अथवा कीमत वृद्धि को रोकना था, जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक होती ।

62. प्रधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण हेतु आवेदन मै. न्यूकेम लि. एवं मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने प्रस्तुत किया है, जिनका भारत में संबद्ध वस्तुओं के कुल उत्पादन में प्रमुख अनुपात है । इस जांच के प्रयोजनार्थ नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार में उन्हें घरेलू उद्योग माना गया है । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि मै. मंगलम टिम्बर प्रॉडक्ट्स लि. भारत में संबद्ध वस्तु के एक अन्य ज्ञात उत्पादक हैं और वे जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का उल्लेखनीय मात्रा में आयात करते रहे हैं ।

63. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की आगे जांच करने के लिए नियमावली के अनुबंध II के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की सीमा एवं मार्जिन आदि जैसे घरेलू उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सूचकों पर विचार किया जाना अपेक्षित है । ऊपर इंगित उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा आदि जैसे घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले सभी आर्थिक मानदंडों की भी जांच की जानी अपेक्षित है ।

#### छ. 2. घरेलू उद्योग के विचारः

64. घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं:-

(i) वर्तमान याचिका भारतीय बाजार में विभिन्न देशों से मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड के पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के उद्देश्य से प्रस्तुत की गई है। भारत में इस उत्पाद का पाटन कोई नयी घटना नहीं है।

(ii) भारतीय बाजार में इस उत्पाद का पाटन काफी समय से किया जा रहा है। दरअसल, क्षति की पूरी अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया।

(iii) सम्पूर्ण क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का निर्यात पाटित कीमतों पर किया जाता रहा। अतः घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का विश्लेषण करते समय लगातार पाटन के तथ्य पर विचार किया जाना भी अपेक्षित है।

(iv) मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. भारतीय बाजार में इस उत्पाद के एक नए उत्पादक हैं। इस कंपनी ने केवल जांच अवधि के दौरान ही उत्पादन किया और इसे प्रारंभिक अवस्था में ही पाटन का सामना करना पड़ा है।

(v) मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. द्वारा उत्पादन की शुरूआत किए जाने के कारण विभिन्न मात्रात्मक मानदंड सकारात्मक प्रवृत्ति दर्शा सकते हैं। अतः घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच करते समय इस तथ्य पर ध्यान देना जरूरी है।

(vi) सहभागी कंपनियों के उत्पादन का भारतीय उत्पादन में प्रमुख योगदान है। सहभागी कंपनियां नियमावली के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग हैं।

(vii) प्रत्येक संबद्ध देश से किए गए पाटन की मार्जिन निर्धारित सीमा से अधिक है। प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है। उत्पाद की भौतिक व रासायनिक विशेषताओं में कोई अंतर नहीं है। उपभोक्ताओं के लिए इसके स्रोत का निर्णायक कारक इसकी कीमत है, चाहे स्रोत घरेलू हो अथवा संबद्ध देशों से किया गया आयात हो। संबद्ध देशों के निर्यातकों या याचिकाकर्ता ने इसी उत्पाद की बिक्री इसी अवधि के दौरान ग्राहकों के इसी वर्ग को की है। विभिन्न विदेशी उत्पादकों एवं घरेलू उद्योग के लिए बिक्री चैनल भी तुलनीय हैं। प्रत्येक संबद्ध देश से किए गए आयातों की मात्रा उल्लेखनीय है।

(viii) संबद्ध देशों से किए गए आयातों में निरपेक्ष रूप से वृद्धि हुई है और भारत में इस उत्पाद के उत्पादन की तुलना में वृद्धि हुई है। भारत में इस उत्पाद की खपत की तुलना में भी इसके आयातों में वृद्धि हुई है।

(ix) आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में उल्लेखनीय कीमत कटौती हो रही है। घरेलू उद्योग की कीमत और आयातों में उल्लेखनीय अंतर के परिणामस्वरूप आयातों की मात्रा में तीन गुना से अधिक वृद्धि हुई है, जबकि घरेलू उद्योग की बिक्री में मात्र 31% की वृद्धि हुई है, जो नये उत्पादक मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. के प्रवेश के कारण हुई है।

(x) उल्लेखनीय कीमत कटौती होने के कारण घरेलू उद्योग अपनी कीमतें बढ़ा नहीं सका है, जो उत्पादन लागत बढ़ा जाने के कारण जरूरी हो गया है। परिणामतः प्रस्तावित जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है।

(xi) क्षमता उपयोग में लगातार गिरावट आई है, जो संबद्ध देशों से आयातों के साथ प्रत्यक्षतः संबद्ध है। मांग में 67% से अधिक की वृद्धि हो जाने की स्थिति के बावजूद घरेलू उद्योग अपना क्षमता उपयोग बढ़ा नहीं पा रहा है। वास्तव में यह कहा जा सकता है कि मांग में हुई समस्त वृद्धि पर पाटित आयातों ने कब्जा कर लिया है।

(xii) भारतीय उत्पादकों के पास अप्रयुक्त क्षमता अत्यधिक है। भारत में हीन उत्पादक हैं, जिनमें से दो इस याचिका के याचिकाकर्ता हैं। अन्य उत्पादक की क्षमता 30000 मी.टन प्रति वर्ष है। भारत में मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिन पर संबद्ध देशों से हुए आयातों ने कब्जा कर लिया है। इसके परिणामस्वरूप भारत में मांग में हुई उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।

(xiii) नए उत्पादक मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. द्वारा उत्पादन एवं बिक्री की शुरूआत के परिणामस्वरूप प्रस्तावित जांच अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में बढ़ोत्तरी हुई है। तथापि यह वृद्धि मांग में हुई बढ़ोत्तरी के अनुपात में नहीं है।

(xiv) कच्चे माल व यूटीलिटी लागत में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में 38% की वृद्धि हुई है। बिक्री कीमत में भी 35% की वृद्धि हुई है। तथापि निरपेक्ष रूप में जहां उत्पादन लागत में आधार वर्ष की तुलना में \*\*\* रूपए पीएमटी की वृद्धि हुई, वहीं बिक्री कीमत में आधार वर्ष की तुलना में \*\*\* रूपए की वृद्धि हुई। परिणामतः योगदान में गिरावट आई। इसके कारण लाभप्रदता में भी गिरावट आई।

(xv) घरेलू उद्योग ने अपने कार्य निष्पादन में सुधार किया और वर्ष 2005-06 में नकद लाभ अर्जित किया तथा प्रस्तावित जांच अवधि के दौरान इसमें गिरावट आई।

(xvi) घरेलू उद्योग की मालसूचियों में वृद्धि हुई। बिक्री में हुई वृद्धि के बावजूद मालसूची में वृद्धि हुई है।

(xvii) घरेलू उद्योग की उत्पादकता की प्रवृत्ति उत्पादन के समान ही है अर्थात् जांच अवधि को छोड़कर, जब एक भारतीय उत्पादक द्वारा उत्पादन की शुरूआत के कारण उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि हुई; क्षति अवधि में उत्पादकता तकरीबन स्थिर बनी रही ।

(xviii) एक भारतीय उत्पादक द्वारा उत्पादन की शुरूआत के कारण घरेलू उद्योग की वृद्धि अनेक मात्रात्मक मानदंडों के रूप में कम रही । क्षति कीमत संबंधी विभिन्न मानदंडों के संदर्भ में वृद्धि नकारात्मक रही ।

(xix) घरेलू उद्योग काफी समय से पाटन की मार झेल रहा है । क्षति की समस्त अवधि के दौरान पाटन के कारण घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा ।

(xx) उत्पाद की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होती रहने के बावजूद घरेलू उद्योग अपनी मौजूदा क्षमता का उपयोग करने में असमर्थ रहा । अतः लगातार पाटन के कारण देश में क्षमता उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा ।

(xxi) आयातित और घरेलू उत्पाद की कीमत के बीच उल्लेखनीय अंतर ने घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री की मात्रा बढ़ाने से रोक दिया है । व्यवहारिक रूप से, मांग में हुई समस्त वृद्धि को पाटित आयात पूरा कर रहे हैं । निरंतर पाटन के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है ।

(xxii) आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कीमत कटौती हो रही है । परिणामस्वरूप पाटन ने कीमत में वृद्धि को रोक दिया है, जो अन्यथा उत्पादन लागत में वृद्धि के कारण होती ।

(xxiii) निरंतर पाटन के कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है । घरेलू उद्योग को क्षति की समस्त अवधि के दौरान वित्तीय घाटे का सामना करना पड़ा है । इसके अलावा लाभप्रदता और उसके परिणामतः लाभ की स्थिति में और भी गिरावट आई है । इससे नियोजित पूँजी से आय और नकद लाभ सीधे प्रभावित हुए हैं ।

(xxiv) पाटन के कारण घरेलू उद्योग की वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है ।

(xxv) पाटन मार्जिन अत्यधिक है । इसके अलावा क्षति की समस्त अवधि के दौरान उत्पाद का निर्यात पाटित कीमतों पर किया जा रहा था ।

### छ.3 निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

65. घरेलू उद्योग को हुई क्षति एवं उसके कारणात्मक संबंधों के बारे में अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नानुसार निवेदन किया है:-

(i) घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। घरेलू उद्योग को हुई क्षति पाठन से इतर कारकों की वजह से हुई है; अतः पाठन एवं घरेलू उद्योग की क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।

(ii) घरेलू उद्योग द्वारा अनुबंध-II में दिए गए आंकड़ों के अनुसार प्रमुख कारकों के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि वास्तविक क्षति तो दूर, वह क्षति का मामला बनाने में भी असफल रहा है।

(iii) घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से की जांच नए उत्पादक के प्रवेश के संदर्भ में की जानी जरूरी है, जिसने उल्लेखनीय बाजार हिस्सा हथिया लिया है। इसके अलावा इसकी जांच असहभागी उत्पादक मै. मंगलम टिम्बर प्रॉडक्ट्स के संदर्भ में भी की जानी अपेक्षित है, जिनके कार्य निष्पादन में सुधार हुआ है।

(iv) प्लाई बोर्ड, पार्टिकल बोर्ड, अन्य बोर्ड आदि जैसे अन्य उत्पादों जो संबद्ध वस्तुओं के प्रत्यक्ष विकल्प हैं, का कोई विश्लेषण नहीं किया गया है। इन विकल्पों से होने वाले प्रभाव पर विचार किए बिना क्षति विश्लेषण एवं असंबद्धता विश्लेषण नहीं किया जा सकता। इसके बिना बिक्री कीमत और बाजार हिस्से का विश्लेषण त्रुटिपूर्ण है।

(v) घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं क्षमता में वृद्धि हुई है, अतः इन कारणों से क्षति होने का दावा नहीं किया जा सकता। क्षमता में वर्धन के बावजूद क्षमता उपयोग में गिरावट मात्र 1.7% है, और निःसंदेह यह क्षति का कारक नहीं है।

(vi) मैसर्स न्यूकेम लि. ने याचिका में काफी उच्चतर संस्थापित क्षमता दर्शाई है, जबकि उनकी लाइसेंस क्षमता बहुत कम है।

(vii) बिक्री में 31% की वृद्धि होना स्वीकार किया गया है, अतः यह क्षति का कारक नहीं हो सकता।

(viii) आयातों में वृद्धि भारत में मांग में हुई अभूतपूर्व वृद्धि के कारण हुई है। घरेलू उद्योग मांग को पूरा करने की स्थिति में नहीं हैं, अतः मांग की पूर्ति आयातों के माध्यम से की जा रही है। घरेलू उद्योग ने मात्रा, आकार, उत्पाद श्रेणी के रूप में अपनी क्षमता

में वृद्धि करने का प्रयास नहीं किया । घरेलू उद्योग का उत्पाद आयातित उत्पाद से तुलनीय नहीं है ।

(ix) घरेलू उद्योग के वित्तीय कार्य निष्पादन का संबंध आयातों से नहीं है । स्वीकार किया गया है कि घरेलू उद्योग को 2005-06 में घाटा हुआ, तथापि दावा किया गया है कि उस अवधि के दौरान भी पाटन किया गया । प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग को क्षति अवधि से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करने के लिए कहा जाए ।

(x) घरेलू उद्योग आयातों से असंबद्ध अन्य कारकों के कारण उत्पन्न हुई स्थिति में पाटनरोधी महानिदेशालय का सहारा लेने का स्पष्ट रूप से प्रयास कर रहा है । दिलचस्प बात यह है कि आंकड़े सूचीबद्ध हैं, अतः वह टिप्पणी करने में समर्थ नहीं है ।

(xi) मालसूचियों और उससे संबंधित विधि के संबंध में किसी गोपनीयता का दावा नहीं किया जा सकता । इस तथ्य के मद्देनजर कि जांच अवधि के दौरान क्षमता वर्धन किया गया है, प्राधिकारी द्वारा बिक्री के दिवसों की संख्या और उत्पादन के रूप में मालसूची की तुलना की जाए । यह भी संभव है कि नवागत कंपनी मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. को शुरूआती प्रचालनों के कारण उत्पादन एवं स्थिरीकरण संबंधी कुछेक समस्याओं का सामना करना पड़ा होगा । प्राधिकारी द्वारा कोई निष्कर्ष निकाले जाने से पूर्व घरेलू उद्योग के प्रत्येक घटक का गहन विश्लेषण किए जाने की आवश्यकता है । स्वीकार किया गया है कि रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता के संबंध में कोई क्षति नहीं दर्शाई गई है ।

(xii) जांच अवधि के दौरान बिक्री कीमत में 35% की वृद्धि हुई है । इस दावे के बावजूद कि क्षति की अवधि के दौरान उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है, घरेलू उद्योग अपनी कीमतों में वृद्धि करने में समर्थ रहा है ।

(xiii) घरेलू उद्योग का यह दावा कि क्षति अवधि के दौरान पाटन किया जाता रहा है, स्वार्थ से प्रेरित है, क्योंकि याचिकाकर्ताओं में से एक मैसर्स शिरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड अपने संयंत्र की स्थापना से पूर्व भारत में एमडीएफ के अग्रणी आयातकों में से एक रहे हैं । मै. न्यूकेम लिमिटेड द्वारा प्रकाशित वित्तीय विवरणों से यह स्पष्ट होता है कि उनके कार्य निष्पादन में सुधार हुआ है ।

(xiv) उत्पादन एवं वित्तीय समस्याओं के कारण काफी समय से मै. न्यूकेम लिमिटेड का कार्य निष्पादन निराशाजनक रहा है, जो यह दर्शाता है कि आयातों और उनके कार्य निष्पादन के बीच कोई संबंध नहीं था ।

(xv) स्वीकार किया गया है कि मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. को श्रम गहन प्रचालनों एवं विनिर्माण कार्यकलापों के प्रहस्तन का कोई अनुभव नहीं है, जिसके कारण उनकी

लाभप्रदता एवं कार्य निष्पादन प्रभावित हो रहा है। अतः घरेलू उद्योग कथित पाटित आयातों के कारण क्षति यदि कोई हो, होने का आरोप नहीं लगा सकता।

(xvi) कथित पाटित आयातों के बावजूद 100% क्षमता उपयोग के साथ मै. मंगलम टिम्बर प्रॉडक्ट्स लि., के कार्य निष्पादन में सुधार हुआ है। मै. मंगलम टिम्बर प्रॉडक्ट्स लि. के कार्य निष्पादन में हुई वृद्धि यह दर्शाती है कि आयातों ने घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन को प्रभावित नहीं किया है और घरेलू उत्पादकों का कार्य निष्पादन ऐतिहासिक कारणों एवं अव्याहार्य क्षमताओं के कारण निराशाजनक रहा है।

(xvii) घरेलू उद्योग के संयंत्र का आकार किफायत का पैमाना नहीं दर्शा सकता। मै. न्यूकेम लिमिटेड की क्षमता 45000 मी.टन है और मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. की क्षमता 30000 मी.टन। इसकी तुलना में संबद्ध देशों में औसत संयंत्र का आकार 100000 मी.टन होता है, जबकि कुछेक बड़े संयंत्रों की क्षमता 300000 मी.टन है। दैश्वीकरण एवं घटी टैरिफ बाधाओं के युग में छोटे भारतीय संयंत्र व्यवहारिक नहीं हैं।

(xviii) मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. को उत्पाद शुल्क, विक्रय कर एवं आयकर सहित अनेक कर लाभ प्राप्त हैं और वह घरेलू बाजार में कमतर कीमत पर अपना उत्पाद बेचने में समर्थ हैं और घरेलू बाजार में मैसर्स न्यूकेम लि. से प्रतिस्पर्धा करते हैं।

(xix) भारत में आयातकों ने अपना ब्राण्ड स्थापित करने के लिए संवर्धनात्मक कार्यकलापों पर उल्लेखनीय धनराशि व्यय की है। जिस कीमत पर आयातित सामग्री की बिक्री की जा रही है, वह घरेलू उद्योग की कीमत से अधिक है। प्राधिकारी द्वारा कीमत प्रभाव की जांच करते समय इन तर्थों पर भी विचार किया जाना चाहए।

(xx) कथित पाटन के बावजूद घरेलू उद्योग के नकद लाभ में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

(xxi) मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. की ब्याज की लागत अत्यधिक है और कंपनी पर भी अत्यधिक दबाव है। क्षमता नई होने के कारण मूल्यहास लागत भी अपेक्षाकृत अधिक है। प्रवृत्ति विश्लेषण में इस कारक का ध्यान रखा जाना चाहिए।

(xxii) अमरीकी डॉलर की विनिमय दर जांच अवधि के दौरान 47 रुपए रह गई थी; याचिका में इसके प्रभाव पर कोई विचार नहीं किया गया है।

(xxiii) पाटन से इतर ऐसे अनेक कारण/कारक हैं, जिनके कारण घरेलू उद्योग को क्षति पहुंची है।

#### छ.4 प्राधिकारी द्वारा जांच

66. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के क्षति के दावे के संबंध में हितबद्ध पक्षों द्वारा व्यक्त विचारों को नोट किया है और इस जांच परिणाम में अनंतिम क्षति के निर्धारण एवं कारणात्मक संबंध के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ अनिवार्य कारकों की जांच की है।

#### छ.5 क्षति का संचयी आकलन

67. नियमावली के अनुबंध-II (iii) के अनुसार ऐसे मामले में जहां एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के आयातों की पाटनरोधी जांच की जाती है, वहां प्राधिकारी से ऐसे आयातों के प्रभाव के संचयी आकलन की अपेक्षा की जाती है, यदि यह निर्धारित होता हो कि:-

- (i) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में, स्थापित पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त करने पर 2% से अधिक है तथा प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों की 3% है, और
- (ii) आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों के आलोक में आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन उचित है।

68. प्रस्तुत मामले में उत्पाद का पाटन एक से अधिक देशों द्वारा किया जा रहा है। अतः प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या इन स्रोतों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी निर्धारण किया जाना चाहिए। प्राधिकारी ने पाया है कि प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन की मार्जिन 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा भी 3% से अधिक है। अतः निम्नलिखित के मद्देनजर इन देशों के संबंध में क्षति का संचयी आकलन करना उचित है:-

- i. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का आयात एक ही टैरिफ वर्गीकरण के अंतर्गत किया गया है;
- ii. प्राधिकारी ने पाया है कि आयातित संबद्ध वस्तुएं घरेलू रूप से उत्पादित उत्पाद की वाणिज्यिक विकल्प हैं।
- iii. प्राधिकारी को प्रस्तुत सूचना से यह समुचित संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से किए गए निर्यात एक ही बाजार में प्रतिस्पर्धा करते हैं क्योंकि ये समान उत्पाद हैं।

i.v. उपभोक्ता घरेलू सामग्री के साथ-साथ आयातित सामग्री का भी उपयोग कर रहे हैं। उपभोक्ताओं का एक ही वर्ग है जो घरेलू उद्योग से इस उत्पाद की खरीद कर रहा है और जो संबद्ध देशों से उत्पाद का आयात कर रहा है।

68-क. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु पर पाठित आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना उचित है।

#### घ.6 पाठित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

69. भारत में संबंधित उत्पाद के आयातों के बारे में डीजीसीआईएंडएस से आयातों की सौदेवार सूचना मंगाई गई थी। डीजीसीआईएंडएस से अपेक्षित सूचना प्राप्त हो गई है, जिसका विश्लेषण प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित सारणी के अनुसार किया गया है:-

##### छ.6.1 आयात की मात्रा एवं संबद्ध देशों का हिस्सा

70. संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा निम्नानुसार रही है:-

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
<u>से आयात</u>					
चीन जन.गण	सीबीएम	436	1,251	7,904	16,642
मलेशिया	सीबीएम	6,539	16,010	14,183	22,576
न्यूजीलैंड	सीबीएम	1,657	7,435	5,873	8,001
थाइलैंड	सीबीएम	740	3,049	2,176	13,169
श्रीलंका	सीबीएम	23,365	36,009	30,869	35,902
संबद्ध देश	सीबीएम	32,736	63,753	61,005	96,289
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	195	186	294
अन्य	सीबीएम	5,070	9,372	4,629	2,313
कुल	सीबीएम	37,806	73,125	65,634	98,602
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	193	174	261
<u>आयातों में बाजार हिस्सा</u>					
चीन जन.गण	%	1.15	1.71	12.04	16.88
मलेशिया	%	17.29	21.89	21.61	22.90
न्यूजीलैंड	%	4.38	10.17	8.95	8.11
थाइलैंड	%	1.96	4.17	3.32	13.36
श्रीलंका	%	61.80	49.24	47.03	36.41
संबद्ध देश	%	86.59	87.18	92.95	97.65
अन्य	%	13.41	12.82	7.05	2.35
कुल	%	100	100	100	100

71. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के कुल आयातों और पाटित आयातों में क्षति की जांच अवधि के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो क्रमशः लगभग 161% और 194% है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों का हिस्सा 2004-05 में 86.59% से बढ़कर जांच अवधि में 97.65% हो गया।

### छ.7 मांग एवं बाजार हिस्सा

72. संबद्ध वस्तुओं की मांग का निर्धारण घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री, अन्य भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री एवं सभी देशों से हुए आयातों को जोड़कर किया गया है। इसके अलावा घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा आधार वर्ष में 38.80% से घटकर जांच अवधि के दौरान 31.34% रह गया। साथ ही अन्य भारतीय उत्पादकों का बाजार हिस्सा भी 29.53% से घटकर 17.56% रह गया। मांग में निरंतर वृद्धि की स्थिति के परिदृश्य में जहां घरेलू उद्योग और समग्रतः सभी भारतीय उत्पादकों के हिस्से में गिरावट आई, वहीं संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में आधार वर्ष में 27.43% की तुलना में जांच अवधि के दौरान 49.90% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष से जांच अवधि तक संबद्ध वस्तुओं की मांग बढ़ती रही है। अधार वर्ष अर्थात् 2004-05 की तुलना में जांच अवधि के दौरान इसमें 62% की वृद्धि हुई। इसके अलावा जांच अवधि के दौरान, उसके पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

73. भारत में मांग/खपत में प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों का हिस्सा निम्नानुसार रहा है:

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
मांग					
घरेलू उद्योग की बिक्री	सीबीएम	46,301	46,130	42,218	60,484
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	सीबीएम	35,237	27,399	40,302	33,890
भारत में आयात	सीबीएम	37,806	73,125	65,634	98,602
भारत में मांग	सीबीएम	119,344	146,655	148,154	192,976
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	124	162
मांग में बाजार हिस्सा					
चीन जन.गण	%	0.37	0.85	5.34	8.62
मलेशिया	%	5.48	10.92	9.57	11.70
च्यूजीलैंड	%	1.39	5.07	3.96	4.15
थाइलैंड	%	0.62	2.08	1.47	6.82

श्रीलंका	%	19.58	24.55	20.84	18.60
संबद्ध देश	%	27.43	43.47	41.18	49.90
अन्य	%	4.25	6.39	3.12	1.20
घरेलू उद्योग	%	38.80	31.45	28.50	31.34
अन्य भारतीय उत्पादक	%	29.53	18.68	27.20	17.56
कुल आयात	%	31.68	49.86	44.30	51.10

74. उपर्युक्त तालिका से प्राधिकारी निम्नलिखित को नोट करते हैं:-

- संबद्ध उत्पाद की मांग में 62% की वृद्धि हुई ।
- संबद्ध देशों ने उल्लेखनीय बाजार हिस्से पर कब्जा कर लिया है । संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा, जो आधार वर्ष के दौरान केवल 27.43% था, बढ़कर जांच अवधि के दौरान 49.90% हो गया ।
- प्राधिकारी ने भारत में कुल खपत/मांग में भारतीय उद्योग के बाजार हिस्से की भी जांच की है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध उत्पाद की मांग में भारतीय उद्योग का बाजार हिस्सा भी गिरावट का रुख दर्शाता है ।
- यह स्पष्ट है कि आयातों का मात्रात्मक प्रभाव निरपेक्ष रूप में तथा उत्पादन एवं खपत के सापेक्ष, दोनों रूपों में उल्लेखनीय है ।

#### छ.8 घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन एवं क्षमता उपयोग:

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
क्षमता	सीबीएम	59,850	59,850	59,850	100350
उत्पादन	सीबीएम	46,120	45,873	42,000	65,163
क्षमता उपयोग	सीबीएम	77.06	76.65	70.18	64.94
बिक्री	सीबीएम	46,301	46,130	42,218	60,484

75. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन एवं बिक्री में वृद्धि हुई, क्योंकि घरेलू उद्योग के एक घटक मैं शिरडी इंडस्ट्रीज लि. ने जांच अवधि में ही उत्पादन एवं बिक्री की शुरुआत की थी । अतः बाजार में एक नये उत्पादक के प्रवेश के कारण जांच अवधि के दौरान, क्षमता, उत्पादन तथा बिक्री जैसे निरपेक्ष सूचकों में वृद्धि होना तय था, जबकि घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट आई और यह आधार वर्ष में 77.06% की तुलना में जांच अवधि के दौरान 64.86% रह गई । वर्ष 2004-05 से 2006-07 के दौरान, जब केवल न्यूकेम

लिमिटेड प्रचालनरत था; उत्पादन, बिक्री तथा क्षमता उपयोग में सतत आधार पर गिरावट आई । उदाहरणार्थ न्यूकेम का क्षमता उपयोग आधार वर्ष में 77.06% की तुलना में 2006-07 के दौरान 70.18% थी ।

#### छ.9 भारतीय उत्पादन की तुलना में पाटित आयात

76. भारतीय उत्पादन की तुलना में पाटित आयातों का ब्यौरा निम्नानुसार रहा:

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
उत्पादन	सीबीएम	46,120	45,873	42,000	65,163
आयात					
चीन जन.गण.	%	0.95	2.73	18.82	25.54
मलेशिया	%	14.18	34.90	33.77	34.64
न्यूजीलैंड	%	3.59	16.21	13.98	12.28
थाइलैंड	%	1.60	6.65	5.18	20.21
श्रीलंका	%	50.66	78.50	73.50	55.09
संबद्ध देश	%	70.98	138.98	145.25	147.77

77. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय उत्पादन की तुलना में संबद्ध देशों से हुए आयातों में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि होती रही है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय उत्पादन की तुलना में संबद्ध वस्तुओं का पाटित आयात वर्ष 2004-05 के दौरान 70.98% था, बढ़कर जांच अवधि के दौरान 147.77% हो गया । संक्षेप में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति की समस्त अवधि के दौरान और विशेष रूप से जांच अवधि के दौरान भारत में घरेलू उद्योग के उत्पादन और खपत की तुलना में आयातों में निरपेक्ष वृद्धि हुई ।

#### ज.1 घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव और कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

##### ज.1.1. कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री

78. कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री से संबंधि सूचना निम्नलिखित तालिका में दी गई है :-

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./सीबीएम	***	***	***	***
पहुंच मूल्य					
चीन जन.गण	रु./सीबीएम	9609	10774	9996	10118
मलेशिया	रु./सीबीएम	10609	9024	10994	12004
न्यूजीलैंड	रु./सीबीएम	11478	11185	10974	11572
थाइलैंड	रु./सीबीएम	13353	11488	10821	12899
श्रीलंका	रु./सीबीएम	10490	11036	11753	12023
संबद्ध देश	रु./सीबीएम	10617	10564	11241	11772
कीमत कटौती					
चीन जन.गण	रु./सीबीएम	***	***	***	***
मलेशिया	रु./सीबीएम	***	***	***	***
न्यूजीलैंड	रु./सीबीएम	***	***	***	***
थाइलैंड	रु./सीबीएम	***	***	***	***
श्रीलंका	रु./सीबीएम	***	***	***	***
संबद्ध देश	रु./सीबीएम	***	***	***	***
कीमत कटौती (%)					
चीन जन.गण	%	10-20	8-15	20-30	30-40
मलेशिया	%	1-10	20-30	15-25	18-28
न्यूजीलैंड	%	नकारात्मक	5-15	10-20	20-30
थाइलैंड	%	नकारात्मक	1-10	10-20	10-20
श्रीलंका	%	5-15	5-15	10-20	20-30
संबद्ध देश	%	1-10	10-20	10-20	20-30
गैर क्षति कीमत	रु./सीबीएम				***
कम कीमत पर बिक्री					
चीन जन.गण	रु./सीबीएम				***
मलेशिया	रु./सीबीएम				***
न्यूजीलैंड	रु./सीबीएम				***
थाइलैंड	रु./सीबीएम				***
श्रीलंका	रु./सीबीएम				***

संबद्ध देश	रु./सीबीएम				***
कम कीमत पर बिक्री (%)	%				
चीन जन.गण	%				60-70
मलेशिया	%				30-40
न्यूजीलैंड	%				40-50
थाइलैंड	%				20-30
श्रीलंका	%				30-40
संबद्ध देश	%				35-45

79. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 के अनुसार घरेलू उद्योग की कीमतों पर संबद्ध देशों से हुए पाठित आयातों के प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत हास तथा कीमत में मंदी, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारित औसत उत्पादन लागत, भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) एवं क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच लागत से की गई है। उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि संबद्ध उत्पाद की पहुंच कीमत, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से अत्यंत कम है, जिसके कारण उल्लेखनीय कीमत कटौती हो रही है, जिसमें जांच अवधि के दौरान और भी वृद्धि हुई थी।

#### ज1.2 पाठित आयातों पर कीमत हास और कीमत मंदी का प्रभाव:

##### बिक्री लागत और बिक्री कीमत में घट-बढ़

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
बिक्री की लागत	रु./सीबीएम	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	98.81	118.43	134.04
बिक्री कीमत	रु./सीबीएम	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	106.90	117.00	133.11

80. क्षति अवधि के दौरान बिक्री कीमत में घट-बढ़ का रूख यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है अतः कीमत मंदी के प्रभाव की मौजूदगी देखी नहीं गई है। इसके अलावा घरेलू उद्योग लागत में वृद्धि के अनुरूप बिक्री कीमत बढ़ाने में लगभग समर्थ रहा है, अतः कीमत हास का प्रभाव अनुपस्थित है।

ज.1.3 क्षति संबंधी अन्य मानदंडों की जांच

81. उपर्युक्त विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि पाटित आयातों का घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों की मात्रा में निरपेक्ष रूप में तथा बाजार हिस्से, दोनों रूपों में हुई वृद्धि के रूप में प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। संबद्ध वस्तुओं की कम कीमत पर उल्लेखनीय बिक्री हुई है। तथापि बिक्री कीमत में घट-बढ़ बिक्री की लागत में हुई तदनुरूप घट-बढ़ के अनुरूप रही है।

ज.1.4. लाभ, निवेश से आय तथा नकद प्रवाहः

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
लाभ तथा हानि	रु./सीबीएम	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100.00)	(2.66)	(135.46)	(145.06)
कुल लाभ तथा हानि (पीबीटी)	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100.00)	(2.65)	(123.52)	(189.50)
पीबीआईटी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	260.36	68.70	96.19
लगाई गई पूंजी पर आय	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	257.09	74.78	35.47
नकद लाभ	सूचीबद्ध	(100.00)	219.16	(136.03)	(159.08)

82. उपर्युक्त सारणी यह दर्शाती है कि घरेलू उद्योग को क्षति अवधि के दौरान निरंतर वित्तीय घाटा हुआ। निवेश में आय आरओआई में \*\*\*% के स्तर तक पहुंचने के बाद क्षति अवधि के दौरान गिरावट आती रही। पाटित आयातों के न होने की स्थिति में घरेलू उद्योग बेहतर आय और निवेश से बेहतर आय अर्जित कर सकता था। जांच अवधि और इससे पूर्ववर्ती अवधि अर्थात् 2006-07 के दौरान नकद घाटा हुआ।

ज.1.5. निवेश से आय और पूंजी जुटाने की क्षमता:

83. जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, वर्ष 2006-07 तक, केवल मैन्यूकेम इंडस्ट्रीज लि., जो घरेलू उद्योग है, ने अपनी क्षमता में वृद्धि नहीं की। अतः विशेष रूप से तब, जब निवेश से आय में गिरावट आई है, पूंजी जुटाने की क्षमता का आकलन नहीं किया जा सका।

**ज.2. उत्पादकता:**

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	सूचीबद्ध	100	108	107	145
प्रति दिवस उत्पादकता	सूचीबद्ध	100	99	91	141

84. प्रति कर्मचारी उत्पाद से संबंधित आंकड़े दर्शाते हैं कि नई क्षमता की शुरुआत के कारण घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई है।

**ज.3. रोजगार तथा मजदूरी**

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
रोजगार	सूचीबद्ध	100	92	85	97
मजदूरी	सूचीबद्ध	100	95	98	135
प्रति कर्मचारी मजदूरी	सूचीबद्ध	100	104	115	139

85. यह देखा जा सकता है कि रोजगार के स्तर और प्रति कर्मचारी मजदूरी में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन नहीं आया है।

**ज.4. मालसूचियां**

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
प्रारंभिक मालसूचियां	सीबीएम	***	***	***	***
बंद मालसूचियां	सीबीएम	***	***	***	***
औसत मालसूचियां	सीबीएम	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	71	33	139

86. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि औसत मालसूची में वर्ष 2006-07 तक गिरावट आई और क्षति अवधि में संचय आरंभ हो गया। दिनांक 31 दिसंबर, 2007 की स्थिति के अनुसार अंतिम मालसूची \*\*\* सीबीएम थी जबकि जनवरी, 2007 में यह \*\*\* सीबीएम थी।

ज.5 वृद्धि

87. घरेलू उद्योग की समग्र वृद्धि मूल्य संबंधी मानदंडों के अनुसार नकारात्मक रही। मात्रात्मक मानदंड के रूप में वृद्धि एक नये उत्पादक के प्रवेश के कारण निरपेक्ष रूप से जांच अवधि में दौरान सकारात्मक बन गई थी। तथापि, जब मांग और बाजार रूप से इसकी तुलना की गई, तो मात्रात्मक रूप में वृद्धि भी नकारात्मक हिस्से के संदर्भ में इसकी तुलना की गई, तो मात्रात्मक रूप में वृद्धि भी नकारात्मक थी। तथापि कीमत संबंधी मानदंडों के अनुसार, कम आरओआई तथा नकद घाटे के रूप में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में उल्लेखनीय गिरावट आई। इस उद्योग को अपनी लाभप्रदता बहाल करने और लाभदायक उद्यम बनने के लिए लंबा समय लगेगा।

ज.6. निवेश

88. घरेलू उद्योग ने नई क्षमता में नया निवेश किया है। मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. एमडीएफ क्षेत्र में एक नई कंपनी है जिसने जांच अवधि के दौरान ही उत्पादन शुरू किया था। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि देश में मांग में हुई उल्लेखनीय वृद्धि और बेहतर मार्जिन प्राप्त होने की प्रत्याशा से अन्य कुछेक उत्पादों ने भी एमडीएफ उत्पादन में निवेश किया है। परंतु उनका उत्पादन शुरू होने से पहले ही पाटित आयातों ने उन्हें क्षति पहुंचाई है।

ज.7. पाटन की सीमा

89. प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन की सीमा अत्यधिक है जैसा कि पाटन से संबंधित खंड में दर्शाया गया है।

ज.8. कीमतों को प्रभावित करने वाले कारकः

90. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमतों की प्रवृत्ति तथा घरेलू कीमतों की प्रारंभिक जांच से यह ज्ञात होता है कि पाटित आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित किया है।

ज.9. समग्र आकलनः

91. उपर्युक्त प्रारंभिक विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि उत्पादन, बिक्री तथा क्षमता में निरपेक्ष रूप में हुई वृद्धि के बावजूद बाजार हिस्से में गिरावट, लाभप्रदता में आई गिरावट एवं नकद घाटे के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों की पहुंच कीमत के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में क्षति अवधि के दौरान कटौती हुई है और इसकी तीव्रता जांच अवधि के दौरान सर्वाधिक रही है। विचाराधीन उत्पाद की

मांग में वृद्धि के परिदृश्य में घरेलू उद्योग की क्षमता बेकार पड़ी रही है। घरेलू उद्योग को हुई क्षति वास्तविक और अत्यधिक है।

झ. कारणात्मक संबंध एवं अन्य कारक

92. वास्तविक क्षति की मौजूदगी और कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री आदि के रूप में घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत प्रभाव की जांच के उपरांत यह जांच करने के लिए कि क्या पाटित आयातों से इतर अन्य कारकों का भी घरेलू उद्योग को हुई क्षति में कोई योगदान है, पाटनरोधी नियमावली तथा पाटनरोधी करार के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य संकेतात्मक मानदंडों की भी जांच की गई। तदनुसार निम्नलिखित मानदंडों की जांच की गई है।

ट.1 अन्य स्रोतों से हुए आयातों की मात्रा एवं कीमतें:

93. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से इतर देशों से हुए आयातों की मात्रा न्यूनतम से कम है, अतः अन्य देशों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

ट.2 मांग में संकुचन एवं/अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन:

94. मांग में कोई संकुचन नहीं हुआ है, अतः मांग में संकुचन को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता।

ट.3 व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां एवं विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा:

95. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस उद्योग में कोई प्रतिबंधात्मक पद्धति प्रचलित नहीं है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जाए।

ट.4 प्रौद्योगिकी का विकास:

96. संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की प्रौद्योगिकी तथा उत्पादन प्रक्रिया अत्यंत स्थिरीकृत है और इसमें तकनीकी एवं प्रौद्योगिकीय विकास कम ही हुए हैं। इसमें कोई प्रौद्योगिकीय उन्नति नहीं हुई है।

ट.5 निर्यात कार्य निष्पादन:

97. कोई भी उत्पादक संबद्ध उत्पाद का निर्यात नहीं कर रहा है। अतः इसमें आई किसी संभावित गिरावट को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता।

ठ. भारतीय उद्योग के हित

98. पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है और भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल करना है जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

99. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं का उपयोग करके विनिर्भूत उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और इसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों की पारस्परिक प्रतिस्पर्धा पर कुछ प्रभाव पड़ेगा। तथापि, पाटनरोधी उपायों के कारण भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी, विशेष रूप से यदि पाटनरोधी शुल्क को उसी राशि तक प्रतिबंधित रखा जाए जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निवारण के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू करने से पाटन पद्धतियों के कारण मिलने वाले अनुचित लाभ को दूर किया जा सकेगा, घरेलू उद्योग में आई गिरावट पर रोक लगेगी और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को व्यापक पसंद की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी। पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

ड. कारणात्मक संबंध को स्थापित करने वाले कारक

100. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन का विश्लेषण यह दर्शाता है कि संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के कारण कार्य निष्पादन में वास्तविक रूप से गिरावट आई है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में तेजी से वृद्धि हुई है और पहुंच कीमतों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कीमत कटौती हुई जो जांच की अवधि के दौरान अधिकतम थी। घरेलू उद्योग अपनी वास्तविक उत्पादन लागत को वसूल करने और समुचित लाभ अर्जित करने में असफल रहा और इसे अपने उत्पाद की बिक्री कम कीमत पर करने के लिए विवश होना पड़ा। पाटित आयातों की मात्रा में हुई

वृद्धि और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आई कमी के साथ बेकार पड़ी क्षमता ने लाभ, निवेश से होने वाली आय को प्रतिकूल ढंग से प्रभावित किया। प्राधिकारी अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और यह क्षति संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत प्रभाव के कारण हुई है।

### उ. 1 क्षति तथा क्षति मार्जिन की सीमा

101. क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षतिरहित कीमत की तुलना संबद्ध देशों से निर्यातों के पहुंच मूल्य से की गई है।

अम.डॉ. प्रति सीबीएम

	देश	क्षति रहित कीमत	पहुंच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन का %
सियाम फाइबर बोर्ड क.	थाईलैण्ड	***	***	***	30-40
वानाचाई पैनल	थाईलैण्ड	***	***	***	25-30
वानाचाई ग्रुप	थाईलैण्ड	***	***	***	20-30
मेट्रो एमडीएफ	थाईलैण्ड	***	***	***	20-30
मेट्रो फाइबर	थाईलैण्ड	***	***	***	25-35
एडवांस फाइबर	थाईलैण्ड	***	***	***	30-40
अन्य	थाईलैण्ड	***	***	***	30-40
मेरबॉक	श्रीलंका	***	***	***	25-35
अन्य	श्रीलंका	***	***	***	65-75
एवरग्रीन फाइबर बोर्ड	मलेशिया	***	***	***	25-35
डॉगवा	मलेशिया	***	***	***	30-40
रॉबिन रिसोर्सेज	मलेशिया	***	***	***	25-35
अन्य	मलेशिया	***	***	***	55-65

कार्टर हॉल्ट हार्वे	न्यूजीलैण्ड	***	***	***	10-20
अन्य	न्यूजीलैण्ड	***	***	***	40-50
चीन	चीन	***	***	***	55-65

### ३. निष्कर्ष

102. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों एवं किए गए निवेदनों तथा उपलब्ध तथ्यों की जांच के उपरांत प्राधिकारी अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि:-

- (i) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का भारत को किया गया निर्यात पाटित कीमतों पर किया गया है। संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुओं की पाटन मार्जिन अत्यधिक तथा न्यूनतम से अधिक है।
- (ii) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और यह क्षति संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत प्रभाव, दोनों के कारण हुई है।

### ४. सिफारिशें

103. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस जांच की शुरूआत की सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी और पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सकारात्मक जानकारी प्रदान करने के लिए निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। निर्धारित नियमावली की शर्तों के अनुसरण में पाटन, क्षति तथा पाटन एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की जांच शुरू करने एवं इसे निष्पादित करने तथा संबद्ध देशों के विरुद्ध सकारात्मक पाटन मार्जिन के निर्धारण के साथ-साथ ऐसे पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति के निर्धारण के उपरांत प्राधिकारी का यह अभिमत है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए जांच लंबित रहने तक अनंतिम शुल्क लागू करना अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी नीचे वर्णित प्रकार तथा तरीके से संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझते हैं और इसकी सिफारिश करते हैं।

104. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन की मार्जिन तथा क्षति की मार्जिन के बराबर अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की संस्तुति करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग की क्षति को दूर किया जा सके। तदनुसार संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर इसके साथ संलग्न शुल्क तालिका के कॉलम 9 में इंगित राशि तथा आयातों के पहुंच मूल्य के बीच के अंतर के तुल्य अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क को केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

### त. 1 शुल्क तालिका

क्र. सं.	शीर्ष/उपशीर्ष/टैरिफ मद	विवरण	उदागम का देश	नियात का देश	उत्पादक	नियातक	इकाई	राशि	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	44.11	6 मिनी. तथा इससे अधिक के प्लेन मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड	थाइलैण्ड	थाइलैण्ड	सियाम फाइबर बोर्ड कंपनी लि.	सियाम फाइबर बोर्ड कंपनी लि.	प्रति घन मीटर	355.62	अम.डॉलर
2	यथोक्त	यथोक्त	थाइलैण्ड	थाइलैण्ड	वांचाई पैनल इंडस्ट्रीज कं. लि.	वांचाई पैनल इंडस्ट्रीज कं. लि.	प्रति घन मीटर	376.65	अम.डॉलर
3	यथोक्त	यथोक्त	थाइलैण्ड	थाइलैण्ड	वांचाई ग्रुप पब्लिक कं. लि.	वांचाई ग्रुप पब्लिक कं. लि.	प्रति घन मीटर	370.69	अम.डॉलर
4	यथोक्त	यथोक्त	थाइलैण्ड	थाइलैण्ड	मै. मेट्रो एमडीएफ कं.लि.	मै. मेट्रो एमडीएफ कं.लि.	प्रति घन मीटर	381.73	अम.डॉलर
5	यथोक्त	यथोक्त	थाइलैण्ड	थाइलैण्ड	मै. मेट्रो फाइबर कं.लि.	मै. मेट्रो फाइबर कं.लि.	प्रति घन मीटर	367.89	अम.डॉलर
6	यथोक्त	यथोक्त	थाइलैण्ड	थाइलैण्ड	मै. एडवांस फाइबर कं.लि.	मै. एडवांस फाइबर कं.लि.	प्रति घन मीटर	363.20	अम.डॉलर
7	यथोक्त	यथोक्त	थाइलैण्ड	थाइलैण्ड	क्र.सं. 1 से 6 से इतर अन्य कोई कॉम्बीनेशन		प्रति घन मीटर	387.33	अम.डॉलर
8	यथोक्त	यथोक्त	थाइलैण्ड	थाइलैण्ड से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	प्रति घन मीटर	387.33	अम.डॉलर
9	यथोक्त	यथोक्त	थाइलैण्ड से इतर अन्य कोई देश	थाइलैण्ड	कोई	कोई	प्रति घन मीटर	387.33	अम.डॉलर
10	यथोक्त	यथोक्त	श्रीलंका	श्रीलंका	मरबोक एमडीएफ लंका (प्रा.)लि.	मरबोक एमडीएफ लंका (प्रा.)लि.	प्रति घन मीटर	331.49	अम.डॉलर
11	यथोक्त	यथोक्त	श्रीलंका	श्रीलंका	क्र.सं. 10 से इतर अन्य कोई कॉम्बीनेशन		प्रति घन मीटर	324.32	अम.डॉलर
12	यथोक्त	यथोक्त	श्रीलंका	श्रीलंका से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	प्रति घन मीटर	324.32	अम.डॉलर
13	यथोक्त	यथोक्त	श्रीलंका से इतर अन्य कोई देश	श्रीलंका	कोई	कोई	प्रति घन मीटर	324.32	अम.डॉलर

14	यथोक्त	यथोक्त	मलेशिया	मलेशिया	डॉगल काइबर बोर्ड एसडीएन बीएचडी	डॉगल काइबर बोर्ड एसडीएन बीएचडी	प्रति घन मीटर	349.67	अम.डॉलर
15	यथोक्त	यथोक्त	मलेशिया	मलेशिया	सॉविन रिसोर्सेज (मलेशिया) एसडीएन बीएचडी	सॉविन रिसोर्सेज (मलेशिया) एसडीएन बीएचडी	प्रति घन मीटर	358.53	अम.डॉलर
16	यथोक्त	यथोक्त	मलेशिया	मलेशिया	एवरग्रीन काइबर बेरहाड़ (ईएफडी)	एवरग्रीन काइबर बेरहाड़ (ईएफडी)	प्रति घन मीटर	350.31	अम.डॉलर
17	यथोक्त	यथोक्त	मलेशिया	मलेशिया	क्र.सं. 14 से 16 से इतर अन्य कोई कॉम्बीनेशन		प्रति घन मीटर	340.41	अम.डॉलर
18	यथोक्त	यथोक्त	मलेशिया	मलेशिया से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	प्रति घन मीटर	340.41	अम.डॉलर
19	यथोक्त	यथोक्त	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	मलेशिया	कोई	कोई	प्रति घन मीटर	340.41	अम.डॉलर
20	यथोक्त	यथोक्त	न्यूजीलैण्ड	न्यूजीलैण्ड	कार्टर हॉल्ट हार्वे	कार्टर हॉल्ट हार्वे	प्रति घन मीटर	378.45	अम.डॉलर
21	यथोक्त	यथोक्त	न्यूजीलैण्ड	न्यूजीलैण्ड	क्र.सं. 20 से इतर अन्य कोई कॉम्बीनेशन		प्रति घन मीटर	391.40	अम.डॉलर
22	यथोक्त	यथोक्त	न्यूजीलैण्ड	न्यूजीलैण्ड से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	प्रति घन मीटर	391.40	अम.डॉलर
23	यथोक्त	यथोक्त	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	न्यूजीलैण्ड	कोई	कोई	प्रति घन मीटर	391.40	अम.डॉलर
24	यथोक्त	यथोक्त	चीन	चीन	कोई	कोई	प्रति घन मीटर	395.52	अम.डॉलर
25	यथोक्त	यथोक्त	चीन	चीन से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	प्रति घन मीटर	395.52	अम.डॉलर
26	यथोक्त	यथोक्त	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	चीन	कोई	कोई	प्रति घन मीटर	395.52	अम.डॉलर

### थ. आगे की प्रक्रिया

105. प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचित करने के पश्चात निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी :-

- (i) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों से इस जांच परिणाम पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जांच परिणाम में विचार किया जाएगा;
- (ii) निर्यातकों, आयातकों, याचिकार्ता तथा संबंधित अन्य ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को प्राधिकारी द्वारा अलग से पत्र भेजे जा रहे हैं जो अपने विचारों को पत्र जारी करने की तिथि से चालीस दिनों के भीतर अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इस जांच परिणाम के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है।

- (iii) प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे ।
- (iv) प्राधिकारी अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व अनिवार्य तथ्यों को प्रकट करेंगे ।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
**(Department of Commerce)**  
**(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 2nd February, 2009

**Preliminary Findings**

**Sub: Anti-Dumping Investigations concerning imports of Plain Medium Density Fibre Board originating in or exported from China PR, Malaysia, New Zealand, Thailand and Sri Lanka.**

**NO.14/12/2007-DGAD:-** Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

2. Whereas All India Fibre Board Manufacturers Association, Faridabad (with Petitioner companies M/s. Shirdi Industries Ltd., Mumbai and M/s. Nuchem Ltd., Faridabad) through M/s. TPM Consultants New Delhi (hereinafter referred to as the Applicant) filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) alleging dumping of Plain Medium Density Fibre Board (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR, Malaysia, New Zealand, Thailand and Sri Lanka (herein after referred to as subject countries) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti- dumping duties on the subject goods.

3. And whereas the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, after examination of the same with regard to adequacy and accuracy issued a Public Notice dated 6<sup>th</sup> June, 2008 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries in accordance with the Rule 6 (1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of Anti Dumping Duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

#### **A. PROCEDURE**

4. The procedure described below has been followed with regard to this investigation by the Authority.

- (i) The Authority notified to the Embassies of subject countries in India about the receipt of dumping application made by the Applicant before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;
- (ii) The Authority sent copies of initiation notification dated 6<sup>th</sup> June,2008 to the Embassies/Trade Representatives of the subject countries/territories in India, known exporters from the subject countries, importers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicants and requested them to provide relevant information and make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- (iii) The Authority provided copies of the Non-Confidential Version of the application to the known exporters and to the Embassies/Trade Representatives of China PR, Malaysia, New Zealand, Thailand and Sri Lanka in accordance with Rule 6(3) supra.
- (iv) The Embassies/trade representatives of the subject countries in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6 with a request to advise the exporters/ producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letters and questionnaire sent to the exporters/producers were also sent to them, along with the names and addresses of the exporters.
- (v) The applicant requested the Authority to treat China PR as a non-market economy country for the purpose of present investigations. The Authority informed the known exporters from China PR that it proposes to examine the claim of the applicant in the light of para (7) & (8) of Annexure-I of the Anti-Dumping Rules as amended. The concerned exporters / producers of the subject goods from China PR were therefore advised to furnish necessary information/ sufficient evidence, as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Designated Authority to consider whether market economy treatment should be granted to cooperating exporters/producers who could demonstrate that they satisfy that market conditions prevail in their case.
- (vi) The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4);

1. **Tomrich International Trading Limited** RN 803, No. 309, Fushan Road, Pudong, Shanghai, China PR
2. **Nanjing ETAI Trading Co Limited**, Room 202, No 14 Jinshajing Nanjing, China PR
3. **Linyi Hongfu Timber Co Limited**, Yitang Town, Linyi Shandong, China PR
4. **Shouguang Guihe Economic and Trade CO Limited**  
The west of Shengcheng Street, Weifang, Shandong, CHINA PR
5. **Linyi Baideli International Trade Co Ltd.**  
Nan Lou Zone, Yitang Town, Lanshan District, Linyi City Shandong  
China PR
6. **Zhanjiang Kingstar Building Material Co Limited**  
2/F, Building A, Ziwei Garden, No 41, Haibin Road 3, Zhanjiang Guangdong  
China PR.
7. **Wenzhou Timber Group Co. Ltd.**, 42, Wenjin Road Wenzhou Road, Zhejiang, China PR
8. **Daiken Sarawak Bdh. Sd.**  
Lot 2069,  
Block 26, Kidurong Industrial Estate,  
97008, Bintulu  
Sarawak Malaysia
9. **Carter Holt Harvey Limited**  
640, Great South Road,  
Manaku City  
Newzealand
10. **Merbok MDF Lanka Pvt Limited**  
Perth Estate,  
BOI Horana EPZ  
Ratnapura Road,  
Horana 12400 Sri Lanka

11. Khon Kaen MDF Board  
 3003, Moo 6, Taeparak Road,  
 Taeparak, 10270, Muang  
 Samutprakan  
 Thailand

12. Siam Fibreboard Co Limited\*  
 417/112-113 Karnchanavanich Rd.,  
 Tumbol Patong,  
 Amphur Haadyai,  
 Songkhla 90230,  
 Thailand

(vii) In response to the initiation notification following exporter/producer from Malaysia, New Zealand Thailand and Sri Lanka has responded to the questionnaire and no exporter/producer from Cina PR has responded to the questionnaire.

- (1) M/s. Evergreen Fibre Berhad (EFB)  
 Batu 11 ½, Jalan Masai 81750 Masai,  
 Johor, Malaysia
- (2) M/s. Evergreen Fibre Berhad (JB) SDN. BHD  
 Batu 11 ½, Jalan Masai 81750 Masai,  
 Johor, Malaysia.
- (3) M/s. Robin Resources (Malaysia) Sdn Bhd  
 No.1, Jalan Industri 5,  
 Taman Perindustrian Temerloh  
 28400, Mentakab, Pahang.  
 Malaysia.
- (4) M/s. Segamat Panel Boards Sdn Bhd  
 Plot 201 Kawasan Perindustrian Segamat II,  
 Mukim Pogoh, 85000 Segamat,  
 Johor, Malaysia.
- (5) M/s. Carter Holt Harvey Limited  
 640, Great South Road,  
 Manaku City  
 New Zealand
- (6) M/s. Siam Fibreboard Co Limited  
 417/112-113 Karnchanavanich Rd.,  
 Tumbol Patong,

Amphur Hatyai,  
Songkhla 90230,  
Thailand

(7) M/s. Advance Fibre co., Ltd.  
100/1 Varasombat Building, 18<sup>th</sup> Fl.,  
Rama 9 Road, Huaykwang,  
Bangkok 10310.

(8) M/s. Metro Fiber co. Ltd.  
Manufacturers-Exporters-Importers  
9/9 Moo 5, Waineo-Dongsak Road, Tamaka,  
Karnchanaburi 711 20, Thailand

(9) M/s. Metro M.D.F. Co. Ltd.,  
74 Moo 2, Nonthaburi-1 Rd., Bang Ka So,  
Nanthburi 11000 Thailand.

(10) M/s. Vanachai Group Public Co. Ltd.  
Thailand

(11) M/s. Vanachai Panel Ind. Co. Ltd.  
Thailand

(12) M/s. Dongwa Fibre Board Sdn. Bhd. & related company Dongwa MDF(M)  
Sdn. Bhd

(13) M/s. Merbok MDF Lanka Pvt Limited  
Perth Estate,  
BOI Horana EPZ  
Ratnapura Road,  
Horana 12400 Sri Lanka

(viii) A questionnaire was sent to the following known importers/user associations of the subject goods for necessary information in accordance with Rule 6(4):

(i) PLY POINT  
15/228, Kodampuzha Road  
Petta  
Feroke, Kozhikode  
Kerala

(ii) LABEL SALES CORPN

Indradhanush Apartment  
 Shope No. 7,8 & 9  
 T.D.Road  
 Cochin, Kerala

- (iii) SRIVARI TRADERS  
 136/53B, Ooty Main Road  
 Odanthurai  
 Metupalayam  
 Tamil Nadu
- (iv) KRISHNA PLYWOODS  
 34 Kamraj road  
 Karur  
 Tamil Nadu
- (v) THAMARAPALLY BROTHERS  
 XL/499 Usha Kiran  
 M.G.Road  
 Ernakulam  
 Kochi, Kerala
- (vi) JACSONS VENEERS AND PANELS P.LTD  
 XL/499 Usha Kiran  
 M.G.Road  
 Ernakulam  
 Kochi, Kerala
- (vii) KALINGA IMPORTS & EXPORTS p.Ltd  
 18/777 Kallai Road  
 Calicut  
 Kerala
- (viii) VICTORY PLYWOOD DISTRIBUTORS  
 R.No.148, CE-34/640  
 Stadium Complex  
 Kannur  
 Kerala
- (ix) MATHEWSONS EXPORTS & IMPORTS P.LTD  
 44/2158, First Floor  
 Mathewsons Bldg.,

Kaloor  
Cochin, Kerala

(x) FEROKE BOARDS LTD  
VP 4/394, P.O. Kaarad  
Faroke College  
Via- Malappuram  
Kerala

(xi) R.J.METALS  
XL/4039 Faba Complex  
Jews Street, Ernakulam  
Cochin, Kerala

(ix) In response to the above notification the following importers/interested parties have filed their submissions.

1. M/s. Eximcorp India Private Limited,  
87/1, Mundka Industrial Area,  
Delhi Rohtak Road,  
New Delhi-110041.
2. M/s. Spacewood Furnishers Pvt. Ltd.  
T-48, MIDC Road,  
Nagpur-440 016
3. FEROKE BOARDS LTD  
VP 4/394, P.O. Kaarad  
Faroke College  
Via- Malappuram, Kerala.
4. M/s. Venugopala Slate Industries,  
Nehru Street, Markapur-523316  
Andhra Pradesh
5. M/s. Kutty Flushdoors and Furniture Co. Pvt. Ltd.  
1167 (Old No.37) Poonamallee High Road, Koyambedu,  
Chennai-600107
6. M/s. Moradabad Handicrafts Exporters Association,  
Jain Mandir Building, Opposite Kotwali,  
Moradabad-244001.

7. M/s. C.L. Gupta Exports Ltd.,  
18<sup>th</sup> km. Before Moradabad Delhi Highway,  
Village Jival, J.P. Nagar-224221.

8. Joint Development Commissioner,  
Noida Special Economic Zone,  
NOIDA Dadri Road, Phase-II, NOIDA-201305.

- (x) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and for the period of investigations. Information received from the DGCI&S, has been relied upon in the present findings;
- (xi) The Authority kept available Non-Confidential Version of the evidence presented by various interested parties in the form of a Public File maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- (xii) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry. For the purpose, domestic industry was directed to provide its cost of production duly certified by a practicing cost accountant.
- (xiii) \*\*\* in this Notification represents information furnished by the applicant on confidential basis and so considered by the Authority on merits under the Rules.
- (xiv) The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is 1<sup>st</sup> January, 2007 to 30<sup>th</sup> December, 2007 (12 months). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from 2004-05, 2005-06, 2006-07 and the Period of Investigation.
- (xv) The Authority provided opportunity to the importers/ industrial users of the product under consideration to furnish information considered relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality.
- (xvi) The Authority satisfied itself with regard to accuracy of the information provided by the interested parties to the extent considered necessary at this stage.
- (xvii) A copy of the Non-Confidential Version of the application was also provided to other interested parties, wherever requested.

(xviii) The Authority in this case has considered the data relating to customers' price and costing as confidential as the disclosure of the same may give the competitive advantage to the other interested parties. The data relating to volumes of domestic industry has not been treated as confidential.

**B. Product under consideration**

5. The product under consideration in the present investigations is plain Medium Density Fibre Board also known as Plain MDF Board in market parlance. Medium Density Fiber Board, or MDF Board, is a composite wood product. It is made out of wood waste fibers glued together with Urea Formaldehyde Resin or Melamine Resin and pressure. MDF is appropriate for many applications, from cabinetry to moulding, because it is smooth, uniform finish. MDF Board is produced in two forms plain and laminated. Lamination is additional processing, which is done after production of plain board. Laminated board is beyond the scope of the product under consideration.

6. The Product is classified under Customs Sub-Heading No. 44.11 in the Customs Tariff Act. Customs Classification is however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

**B.1 Views of the interested parties**

7. The main issue of the producers/exporters, namely M/s. Metro MDF, M/s. Metro Fibre, M/s. Advance Fibre, M/s. Siam Fibre, M/s. Evergreen Fibre Board (EFB), M/s. Evergreen Fibre Board (JB), M/s. Segamat Panel Board and M/s. Carter Holt Harvey has been that the domestic industry in India neither produce the subject goods below 6MM thickness nor they have appropriate technology for producing thinner sizes in a commercially efficient manner. Therefore, the thickness not manufactured in India ought to be excluded and the present investigation be restricted to above 6MM thickness only. M/s. **Venugopala Slate Industries, Markapur, Andhra Pradesh** have stated that the domestic industry do not have the potential to manufacture 2.5 mm thickness Plain MDF and they import near about \*\*\* cbm. of 2.5 mm Plain MDF Board to manufacture and market writing slates in the country. M/s. **Kutty Flush Doors and Furniture Company Pvt. Ltd., Chennai** have stated they import Door Skins which is described as fibre board sheets for Moulded Panel Door Shutters typically 2.8 mm or 3.2 mm thickness with density 1000 kg./cbm. or around and the product imported by them is entirely different from the product under investigation.

8. One constituent of the domestic industry has submitted that its plant is capable to produce MDF of 4MM thickness and above in fact produced MDF of 4MM thickness during 2003-04 i.e. prior to the injury period, while during the injury period, it produced MDF boards of 6MM thickness and above. The domestic industry vide its letter dated 5<sup>th</sup> January 2009 has submitted that MDF boards of thickness up to 5MM may be excluded from the scope of the investigation.

**B.2 Examination by the Designated Authority:**

9. The Authority has observed that the domestic industry has produced MDF boards of 6MM thickness and above during the injury period, though, prior to injury period i.e. 2003-04 a small quantity of MDF boards of 4MM thickness was produced by a constituent of the domestic industry. As MDF boards below 6MM have not been produced by the domestic industry during the injury period, it is appropriate to restrict the scope of the investigation to the product under consideration from 6MM thickness and above. Accordingly, for the purpose of the Preliminary Findings, the subject goods of thickness below 6MM have been excluded from the product scope in the present investigation.

**C. Like Article**

10. With regard to like article, Rule 2(d) provides as under: -

*"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;*

11. The petitioners have claimed that there is no known difference in the product under consideration produced by the Indian industry and exported from subject countries. The product under consideration produced by the Indian industry and imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. The subject goods produced by the petitioner companies is and being treated as like articles to the subject goods imported from subject countries in accordance with the Anti-Dumping Rules.

12. It has been argued by M/s. Exim Corp Pvt Limited that the product imported from M/s. Carter Holt Harvey Newzealand are made from pine wood, which is a soft wood, while the domestic industry manufacture the subject goods from hard wood either of poplar or Eucalypt. The subject goods made out of the soft wood have distinct properties different from that made of hard wood and are not like articles.

**C.1 Examination by the Designated Authority:**

13. The Authority notes that merely that a product which is produced from different types of raw material, does not render the different product. MDF Board is produced from different woods, which can be poplar, Eucalypt, rubber, pine or any other else. Therefore, merely because material imported is

produced from pinewood, does not mean that the product is different. Only thing, which is important in raw material for production of MDF, is that the wood should be fibrous wood. Once, a wood is converted into fibre, it becomes the fibre. Therefore, difference in wood consumed does not makes any difference in the finished product other than colour of the product. Authority have examined and verified that domestic industry have produced subject goods not only from Eucalyptus and poplar, but from other woods/materials also though in small quantities.

14. The Authority, therefore, provisionally determines that product imported from subject countries is like article to the product being produced in India. The authority, however, will re-visit the issue based on the further comments and submissions received.

**D. Domestic Industry and Standing:**

15. The petition has been filed by M/s. Shirdi Industries Limited, Mumbai and M/s. Nuchem Limited - Faridabad. Apart from the applicants, M/s. Mangalam Timber Products Limited has also been a producer of the product concern during POI. The Authority notes that in the transaction-wise information of imports received from DGCI&S, M/s. Mangalam Timber Products Limited has imported subject goods from the subject countries.

16. M/s. Spacewood Furnishers Pvt. Limited has argued that the complainants do not constitute the domestic industry as defined under Rule 2(b) of the Customs Tariff Rules, 1995 as one of the complainants namely M/s. Shirdi Industries Limited has been engaged in import and trade of subject goods from the subject countries. Further, M/s. Mangalam Timber Products Limited have been the major manufacturer of the subject goods and have reported profits and they have been deliberately kept out of the present investigation in order to present distorted data.

**D.1 Examination by the Designated Authority**

17. The Authority notes that there were three domestic producers during POI namely M/s. Nuchem Limited, M/s. Shirdi Industries Limited and M/s. Mangalam Timber Products Limited. Out of these three, the first two are petitioners. An analysis of exporter responses also show that M/s. Mangalam Timber has imported significant quantity (\*\*\*\* CBM) of subject goods from the subject countries. It is also true that M/s. Shirdi industries has been an importer of subject goods in the past but their plant was commissioned only during April 07 i.e. within the POI. During POI, M/s. Shirdi Industries Limited imported subject goods to the extent \*\*\* CBM only, which is less than 1% of the total sales of the domestic industry. For the purpose of the Preliminary Finding, the Authority considers M/s. Shirdi Industries Limited as part of domestic industry.

18. Having considered all the aspects and based upon the information on record, the Authority has determined that production of the petitioners constituted a major proportion in the Indian production during POI, as is evident from the table below:-

Petitioner's production CBM	Other producer's production CBM	Total Indian Production CBM	Share of Petitioners in Indian Production CBM
65163	33890	99053	65.79%

19. The Authority therefore notes that the petition satisfies the condition of standing under the Rules and the petitioner constitutes "domestic industry" within the meaning of Rule 2(b) and Rule 5(3) (a) of Anti-Dumping Rules.

#### D.2 De-Minimis Limits:

20. The petitioners provided import statistics from two sources in the application with DGCI&S data covering upto 30<sup>th</sup> June 2006 and Info-Drive service, covering the entire injury period. Subsequently, DGCI&S statistics covering the entire injury investigation period was called by the Authority. The transaction wise data for the injury period has been received from the DGCI&S and has been considered to determine CIF export price. The Authority notes that the quantities imported from each of the subject countries during the POI were above the de minimis limits prescribed under the Rules.

#### E. Other submissions and issues raised

21. Following submissions and issues have been raised by various interested parties.

##### E.1 Submissions by Eximcorp India Pvt. Limited :-

- (i) The claim of complainant that there is no known difference in MDF Board imported from subject countries and produced in India is not correct. It has been stated that the MDF Board imported from New Zealand is an application driven product, distinct from Indian MDF Board. Selective tests and properties referred in the petition are not all tests and properties of MDF Board. There are more tests and properties of MDF Board, which petitioners have ignored to prove their case. That the Petitioner's claim that manufacturing process and technology is same is also incorrect. The Petitioner's claim is also untenable in absence of any reference of emission norms and use of New Zealand's MDF is compulsion than any choice.
- (ii) It has been stated that the complainants have deliberately omitted different volume and value of different range of MDF Boards imported into India for meaningful and purposeful analysis. It has been stated that imports from New Zealand are \*\*\*CBM as against \*\*\*CBM from all sources and injury due to other factors than dumping can not be

attributed to alleged dumped imports. As wood is consumed in MDF and Paper while, geographically there is large presence of pulp & paper industry in India and accordingly, the demand of wood from paper industry leads to abnormal rise in wood's price and cost. Cheap plywood from unorganized sector also causes problems for MDF industry. Cheap plywood is a good substitute for MDF. Cumulative production of such cheap plywood is far more than MDF production and it remains cheaper by 15-25% than MDF. M/s. Shirdi Industries Ltd. is a new producer who entered into market in 2007 and in the first year itself, operated its plant @ 70% capacity. Therefore, it can not be said that under utilization is linked anywhere to imports.

(iii) Imports from New Zealand includes both premium as also downgrade. The two can not be compared on average basis. Downgrade material cannot be compared with the normal value of prime grade. Dumping margin should also be compared with the injurious price of the domestic industry, which is the price at which material is reaching to end consumer, which includes margin of importer, who compete with the domestic industry. New Zealand home market is not a protected market and a consumer can not re-export a product in the home market and still earn a huge profit.

(iv) The essence in the rules favouring protection to domestic industry is founded on the premises that levy of ADD would be in national interest. The issue is the priority between the national interest vis-à-vis interests of vast Indian consumers. National interest does not lie in protecting industry without sufficient resources. Case under investigation is a case of private interest rather than national interest. The domestic industry has already got enough protection by OTC of bank loans (Nuchem), Immunities granted by BIFR (Nuchem), Exemption of Excise Duty and sales and income tax (Shirdi). It is not in national interest to protect the industry, who has been defaulted in repayment of public deposits. The cure lies in termination of the investigation itself.

(v) Present investigation has been initiated at the behest of business competitors, who being incapable and deficient in its product and performance and are harassing the state power to serve their private interests. AD rules were created to check the balance and limits and make disciplines in trade. AD rules has only proved as an instrument against the foreign competitors.

E.2 Submissions of APJ-SLG Law office (on behalf of Dongwha Patinna New Zealand, Evergreen Fibreboard - Malaysia, Evergreen Fibreboard (JB) - Malaysia, Sian Fibreboard - Thailand, Robin Resources - Malaysia, Segamat Panel Board - Malaysia, Advance Fibre Co. Thailand, Metro Fibre Co. Thailand, Metro MDF Thailand)

(i) The statement given by the petitioner in Causal Link that there is no difference in technology employed by the petitioner and exporters in subject countries is incorrect. Industry does not have capability to produce MDF exceeding 8'X4'. Statement given in the petition regarding production of board as per requirement of size of user is incorrect as industry cannot produce boards bigger than 8'X4'. Misleading and wrong statement is given with regard to thickness also. Imports data includes products which are not manufactured in India. Imports below 6mm should be removed from dumping and injury analysis.

(ii) In market share analysis, entrance of new producer should be kept in mind, who has taken over significant share of market. Further, performance of M/s. Mangalam has improved, who is not participating in the investigation. No analysis is given with regard to substitution effect. MDF is substitutable to plywood, laminated board, other engineering boards etc. These are competing the MDF in market. Capacity and production increased, hence no injury. Increase in imports is due to abnormal increase in demand as also due to inclusion of thickness below 6MM. Financial performance of the domestic industry is de-linked with the imports as domestic industry has been incurring losses throughout injury period. No confidentiality can be claimed on inventory levels and methodology thereof. There is clear absence of causal link between dumping and injury as M/s. Nuchem has been operating poorly due to several financial problems, which is acknowledged by the company in its annual report also. Regarding M/s. Shirdi Industries Ltd., they do not have experience of MDF production and are dependent on technological suppliers from China and any inability to provide support, will affects operations of the company. Further, it is admitted that manufacturing facilities in Uttarakhand is far away from sea port, which would lead to higher cost of transportation. Performance of Mangalam improved in spite of so called dumped imports. Size of plant of domestic industry can not provide economy of scale. M/s. Shirdi industries enjoys various tax benefits, therefore, their products are priced lower than M/s. Nuchem and there is internal competition.

## E.3

Submissions of Spacewood Furnitures Pvt. Limited:

(i) Product made by domestic producers lack consistency, quality and safety standards, which constrained us to procure MDF from other countries. Uses of fibreboard broadly depends upon porosity, surface soundness, routability, brightness, pointability, printability, profiling, limits of harmful formaldehyde chemical emissions, sustainable moisture resistance, hydro-expensivity, stability and flatness of panel, uniformity of dimensional features, true panel density profile, fiber to panel compression ratio, resin load etc. Domestic products are nowhere near the international products in terms of these parameters. None of the domestic products confirm the formaldehyde

standards. Domestic producers produce fibre board of limited thickness and sizes, whereas requirement of user industry is manifold. None of the petitioner produces below 8 MM as per their product brochure. Our sourcing decision is not just price alone. It is suitability, functionality, and several other attributes of quality besides the performance value. If all fibre boards, as claimed, are same, there should be no compulsion on our part to import and spent atleast 20% more value. Shirdi is setting up a lamination plant in Chennai to feed its furniture component plant with imported boards as raw material. For their own captive consumption, they are not relying on their own product.

- (ii) There is no causal link between injury and imports. The complainant earlier has unsuccessfully attempted to bring the goods falling under chapter 4410 and 4411 under negative list of imports. It is financial strength and operational economics between MDF industry and pulp paper industry to determine price and availability of raw material to other segment. All Nuchem is in MDF business since last 25 years and Resin over 50 years, however, since past many years, they never declared any taxable profits, which shows that their operations were never profitable even before imports commenced. Cause of injury to two petitioner lies elsewhere and not in imports as other domestic producer M/s. Mangalam shows profits. Present investigation profound bearing and long term policy implications and may result in various socio economic and ecological problems. Present investigation is also contrary to the WTO Agreement on forest products.
- (iii) Housing is another priority, high growth and job creating sector of Indian economy and providing affordable houses to all. Imposition of ADD on MDF board would lead to increase in imports of Modular furniture.

E.4 **The Association of Furniture Manufacturers of India** have stated that the Indian furniture manufacturers also import the product under consideration for manufacturing of furniture to domestic, institutional, deemed exports and SEZ Units and Anti Dumping proposal shall adversely affect the furniture industry.

E.5 **M/s. Bajaj eco-tec products Ltd., Mumbai** have stated that they have commenced commercial production on 1<sup>st</sup> April, 2008 and are forced to sell the product at much lower prizes and no producer can sustain its operations based on so low prizes and support the petition for imposition of Anti Dumping Duty on dumped imports of the subject goods.

E.6 **M/s. Moradabad Handicrafts Exporters (Welfare) Association, Moradabad** have stated that no Indian producer has the technology and capability to manufacture toxic free MDF in India, whereas it is mandatory requirement of most developed countries in the world where

they export their products made out of MDF to satisfy the VOC (Volatile Organic Chemicals) emission free requirement in MDF with low formaldehyde emission level E1 and E0. They have further stated that the domestic industry does not manufacture the subject goods of a thickness below 6 mm while their exporters have bulk demand for thickness range of 2.5 mm to 3.5 mm. It has also been stated by them that the domestic industry does not manufacture the subject goods of width exceeding 122 cms while they need 150x150 cm. Or 180x180 cm. MDF.

**E.7** The Federation of Thai Industries have stated that they believe that the Indian MDF Manufacturers do not offer (i) thin MDF of thickness below 6 mm (ii) low formaldehyde MDF and (iii) bigger sizes MDF such as 6'x8' and 5'x9'. They have also proposed that (i) MDF with mechanically worked or surface covered (not Plain MDF) (ii) High Density Fibre Board 4411.92.00 and Low Density Fibre Board 4411.94.00 should be excluded from the product under consideration and they have enclosed a list enlisting the details thereon.

**E.8** Department of Foreign Trade on behalf of the Royal Thai Government has stated that they would like to know whether the products (i) thin MDF (thickness below 6 mm) (ii) Low formaldehyde MDF and (iii) Big sizes MDF such 6'x6' and 5'x9' are covered by the investigation.

**E.9** M/s. Thamarappally Brothers, Ernakulam have stated that they are engaged in the import and marketing of mixed tropical hardwood MDF which is not manufactured by any domestic manufacturers and the said product has got special characteristics which are most suitable for highly humid locations like Kerala but they have not furnished any details in support of their claim.

**E.10** M/s. Moradabad Handicrafts Exporters Association, Moradabad have stated the following:

- (i) That no producer from the domestic industry manufacture MDF complying with the requirements of US CARB regarding lower formaldehyde emissions and the new law (CARB) formulated in USA is effective from 1.1.2009.
- (ii) That though the anti dumping duty is not levied on EOUs. It is not possible to be a direct importer of MDF by the member units. Secondly, most of the exporters' source the finished hand crafted products directly from the artisans who fabricate and design the products themselves as a family venture and there are more than 10 thousand families directly engaged in such hand crafting work at their homes down the line.
- (iii) That the levy of anti dumping duty on imported MDF will lead to further problems to the domestic handicraft industry which is already reeling under severe losses on account of gross under utilization of its established capacities during recession.

(iv) That the MDF from New Zealand only meet the criteria and conditions having formaldehyde emission standard and CARB certification.

**E.11** **M/s. C.L. Gupta Exports Ltd., a 100% EOU, J.P. Nagar-244221** have made the following submissions:-

(i) That the MDF being imported from New Zealand only meets the specification and its technical parameters suitable for exports of product specially handicrafts items to USA and Europe.

(ii) That there are large number of small handicrafts units including 100% EOUs like them who cannot afford to import MDF directly from New Zealand as the requirements of the exporters are in small quantities and if anti dumping duty is imposed on import of MDF from New Zealand the same will become more costlier to the handicrafts exporters.

(iii) That no manufacturer in India as well as in Asian countries do not meet the specifications and other parameters to cater the USA and European market as per new conditions and specifications as per their latest guidelines such as CARB and formaldehyde emission to meet the requirement of environmental friendly.

(iv) No domestic industry is manufacturing MDF having thickness below than 6mm and thereby the exporters who manufacture photo frames and other items compulsorily use MDF imported from New Zealand to meet the parameters of their major buyers.

(v) That on imposition of Anti Dumping Duty the exporters will have to pay higher cost to the local importers from New Zealand and same shall adversely affect on export product costing making their product uneconomical for exports.

(vi) That the non-imposition of anti dumping duty will help the exporters in their survival and shall also avoid retrenchment of thousands of work force engaged in export of handicraft products.

**E.12** **The Joint Development Commissioner, NOIDA Special Economic Zone, Noida** has forwarded a representation of M/s. C.L. Gupta Exports Ltd., a 100% EOU stating that the said unit is possibly the biggest exporter of handicrafts in India and that Medium Density Fibre Board is extensively used as a raw material for making wooden handicrafts by handicraft units. It has been stated that the subject goods produced by the domestic industry and China do not meet the requirements of USA and Europe and accordingly the handicraft units get the subject goods from the traders in India imported from New Zealand. It has been further stated that these units being small and medium scale enterprises do not have bulk requirement of MDF and are unable to block their capital in import of MDF directly from New Zealand and has

requested to grant suitable relief through exemption of Anti Dumping Duty on imports of MDF imported from New Zealand and Europe.

**E.13 Examination by the Authority:**

The above submissions of the interested parties, to the relevant extent, have been examined and dealt with at relevant places in the Preliminary Findings.

**F. Determination of Dumping Margin**

22. Authority has sent questionnaire to various exporters - producers in subject countries as per information furnished by the applicant. In addition, authority has sent letters to government of subject countries and requested them to ask producers and exporters of product concern in their countries to respond to the Designated Authority. In the response, following producers and exporter cooperated to the Designated Authority.

1. M/s. Siam Fibre Board Company Limited - Thailand
2. M/s. Vanchai Panel Industries Company Limited- Thailand
3. M/s. Vanchai Group PCL- Thailand
4. M/s. Metro MDF- Thailand
5. M/s. Metro Fibre- Thailand
6. M/s. Advance Fibre- Thailand
7. M/s. Merbok - Srilanka
8. M/s. Dongwha - Malaysia
9. M/s. Robin Resources Malaysia
10. M/s. Evergreen Fibre Board (EFB)- Malaysia
11. M/s. Carter Holt Harvey, New Zealand
12. M/s. Evergreen Fibre Board (JB), Malaysia
13. M/s. Segamat Panel Boards Sdn. Bhd., Malaysia

**F.1 Dumping Margin for Market Economy Countries**

**F.2 Dumping Margin for Thailand**

**Dumping Margin determination in case of Siam Fibre Board Company Limited**

23. Normal Value - The company has provided information in various appendices, which examined by the Designated Authority in detail and deficiency letter was issued. Authority observed that SGA expenses claimed by the company in Appendix 9 do not reconcile with the SGA information given in Appendix 7 and 8(b). The authority pending verification adopted SGA expenses as reflected in Appendix 9 for Appendix 8(B) while determining the cost. Regarding Raw material cost, the Authority observed that there is significant difference in the Raw material cost claimed by the company as compared with the other cooperating producers from the same country. Raw Material cost has

therefore been taken as per best information available with the Designated Authority. Regarding Resin, the company is sourcing resin from related parties and thus the rates can not be accepted till authority is satisfied that these purchase of Resin from related parties are at arms length. Therefore, pending verification resin cost has been taken as per other information available with the Designated Authority based on other cooperating exporters and producers. Accordingly, full cost has been recalculated. Considering the revised cost of sales, Authority notes that all domestic sales on weighted average basis has become loss making, therefore, normal value can not be determined based on sales in the domestic market. Therefore, cost of production and reasonable profit margin has been taken for determination of normal value. Normal value so determined comes to USD \*\*\* per Cubic Meter (CBM).

24. Export Price- Export price has been determined as per claims made by the exporter/producer concern. Exporter have furnished information in Appendix 2, which was examined and cross checked with different Appendices. Exporters have claimed adjustment on account of Commission, Ocean Freight, Inland Transportation, Clearing & Handling, sales & marketing. All expenses claimed are allowed as claimed pending verification. Net Export Price so determined comes to USD \*\*\* per CBM

Dumping Margin determination in case of Vanchai Panel Industries Co Limited - Thailand

25. Normal Value - The Company has provided information in various appendices, which has been examined by the Designated Authority in detail and deficiency letter was issued. The Authority notes that one of the related company, which is also involved in production and sales of product concern also have filed detailed response to the Designated Authority. The Authority have compared the response filed by both the companies and found significant difference in the claims made. Authority, does not found any reason of significant difference in the rates for raw material and Resin. The Authority has modified raw material and resin cost as per best information available and determined cost of production. Authority notes that all domestic sales on weighted average basis has become loss making and accordingly normal value can not be determined based on sales in the domestic market and cost of production and reasonable profit margin has been taken for determination of normal value. Normal value so determined comes to USD \*\*\* per Cubic Meter (CBM).

26. Export Price- Export price has been determined as per claims made by the exporter/producer concern. Exporter has furnished information in Appendix 2, which was examined and crosschecked with different Appendices. Exporter have claimed adjustment on account of Commission, Ocean Freight, Inland Transportation, packing and credit cost. All expenses claimed are allowed as claimed pending verification. Net Export Price so determined comes to USD \*\*\* per CBM.

**Dumping Margin determination in case of Vanchai Group PCL - Thailand**

27. **Normal Value** - The company has provided information in various Appendices, which has been examined by the Authority in detail and deficiency letter was issued. The Authority notes that the company has production and sales of two Grades viz. A and C in the domestic and export market. The comparison of normal value and export price have therefore been done for same grades. The Company has exported Grade A to India, which was also sold in the domestic market. The Authority notes that significant sales made in the domestic market has been profitable sales. The Normal value is therefore, determined as per price of like article in the domestic market. Normal value so determined comes to USD \*\*\* per Cubic Meter (CBM).

28. **Export Price**- Export price is determined as per claims made by the exporter/producer concern. Exporter has furnished information in Appendix 2, which has been examined and cross-checked with different Appendices. Exporter have claimed adjustment on account of Commission, Ocean Freight, Inland Transportation, port charges, Clearing & Handling, packing and credit cost. All expenses claimed are allowed as claimed pending investigation. Net Export Price so determined comes to USD \*\*\* per CBM.

**Dumping Margin determination in case of Metro MDF, Metro Fibre and Advance Fibre - Thailand**

29. **Normal Value** - The Authority notes that these three companies have not provided information in various Appendices, which may be relevant for determination of normal value for them. The Authority has sent letters to these companies requesting them to provide information relating to sales in the domestic market and cost of production. No information is however, filed by these companies in this regard. Subsequently, letters were also issued on 18.12.2008 advising these producers/exporters to submit the relevant information required for arriving normal value failing which, the Authority would be constraint to determine normal value based on cost of sales of applicant domestic industry. The consultants of these producers/exporters vide letters dated 29.12.2008 has consented that the authority may decide to determine the normal value as deemed appropriate. The Authority has therefore, determined Normal Value for these producers/exporters as per best information available. The Normal Value, determined for these exporters/producers comes to USD \*\*\* per CBM.

30. **Export Price**- Export price for these exporter/producers is determined as per claims made by these companies. Adjustment is claimed on account of commission, ocean freight and port charges, which is allowed pending investigation. Export price so determined comes to USD \*\*\*, \*\*\* and USD \*\*\* per CMB respectively.

31. **One normal value for country as a whole**- Normal value has been determined for Thailand as a whole. For this purpose, normal value determined

for individual cooperating producer concern and weight of their sales made in the domestic market as shown in the table below.

Name	SIAM	Vanchai Panel	Vanchai Group	Metro MDF	Metro Fibre	Advance Fibre	Average
Normal Value	***	***	***	***	***	***	***
Domestic Sales	***	***	***	***	***	***	***

32. The Normal Value so determined comes to USD \*\*\*per CBM

**Dumping Margin determination in case of other non cooperating exporter-producer from Thailand.**

33. In case of other non-cooperating producer/exporter from Thailand, normal value is determined as discussed above. For export price, export price is taken as per minimum priced export made by cooperating producer/exporter.

34. Considering the normal value and export price as discussed above, dumping margin comes as under: -

Name	SIAM	Vanchai panel	Vanchai Group	Metro MDF	Metro Fibre	Advance Fibre	Others
Normal Value	***	***	***	***	***	***	***
Export Price	***	***	***	***	***	***	***
Dumping Margin	***	***	***	***	***	***	***
Dumping Margin %	25-30	30-35	20-25	25-30	26-31	35-40	52-57

**F.3 Dumping Margin for Sri Lanka**

**Dumping Margin determination in case of Merbok Sri Lanka**

35. Normal Value - The Authority notes that exporter has provided information in different Appendices, which has been examined and cross-checked by the Designated Authority and a detailed letter was also issued. The company is sourcing Resin from the related company in Malaysia. The Authority have modified cost of production by modification of Resin price as per market price in Malaysia and ocean freight is added onto that price as per claim of the company. An analysis of financial statement of the company shows that during 2006, the company was having loan from holding company to the extent of USD \*\*\* Million carrying interest rate of \*\*\*%. During the POI, all these loans were transferred as interest free loans. In view of this, the interest charges during POI

was substantially lower. Pending further investigation, these interest charges have been added to cost of sales on notional basis. The Authority notes that on average basis, all sales, becomes loss making, normal value, therefore, can not be determined on the basis of price of like article in the domestic market. Normal value is therefore, determined on the basis of cost of production and reasonable profit. Normal value so determined comes to USD \*\*\* per CBM.

36. Export Price - Export price is determined as per claims of the exporter. Adjustments are claimed on account of Commission, Ocean Freight, Sales & Marketing, Inland Transportation, port charges, which are allowed pending investigation. Net export price, therefore, comes to USD \*\*\* per CBM.

37. One normal value for country as a whole- The Authority notes that there is only one producer of cooperated from Sri Lanka. Normal value determined for Merbok Sri Lanka is therefore considered as normal value for Sri Lanka - country as a whole. Normal value in Sri Lanka therefore, comes to USD \*\*\* per CBM.

38. Dumping Margin determination in case of other non cooperating exporter-producer from Sri Lanka.

39. In case of non cooperating exporter/producers in Sri Lanka, Normal value is taken as discussed above, for export price, export price is taken as per lowest export price based on cooperating exporter/producer concern.

40. Considering the normal value and export price as discussed above, dumping margin comes as under: -

Name	Merbok	Others
Normal Value	***	***
Export Price	***	***
Dumping Margin	***	***
Dumping Margin %	10-15%	45-50%

#### F.4 Dumping Margin for Malaysia

##### Dumping Margin determination in case of M/s. Dongwha Fibreboard Sdn. Bhd. -Malaysia

41. Normal Value - In response to the Exporter's Questionnaire, producer/exporter filed a combined response in respect of Dongwa Fibre Board and Dongwa MDF. It has been noted by the Authority that M/s. Dongwa Fibre Board has two factories namely Merbok and Nilai while M/s. Dongwa MDF has one factory. It has also been noted that in Appendix-8 production was shown as \*\*\*CBM while sales were shown as \*\*\* CBM. The difference in production and sales could be either in the form of inventories or captive transfers but it was nowhere explained. Further, the resin which is one of the major component of input cost was purchased from its related company i.e. M/s. Dongwa Chemical (M) Sdn. Bhd. Accordingly, deficiency letter was issued to the

producers/exporters to submit complete reconciliation of production and sales of each plant/factory. It has been seen that there is huge difference between production and sales in respect of Merbok plant. For the purpose of Preliminary Findings the cost of sales of Nilai plant (which produces MDF of thickness of 6MM and above) has been adjusted by adopting consumption norms of Kulim plant and resin rates of one of the cooperating exporters from Malaysia pending verification. It has also been noted that SGA of Nilai plant also included extra ordinary income on account of insurance claim. This has been excluded for the purpose of Preliminary Findings. Based on this, the adjusted cost of sales of Nilai plant works out \*\*\*Ringit per CBM after adjusting the selling expenses of \*\*\*Ringit per CBM. The ex-factory cost works out \*\*\*Ringit at which domestic sales fails to pass the ordinary course of trade of test and accordingly the normal value has been required to be determined based on cost of production and reasonable profits. Accordingly, the normal works out at \*\*\*Ringit per CBM or US \$ \*\*\*per CBM.

42. **Export Price** - Export price is determined as per claims made by the company. Adjustment are claimed on account of commission, ocean freight, inland transportation, port charges, packing, credit cost and bank commission, which are allowed pending investigation. Export price so determined comes to USD \*\*\* per CBM.

**Dumping Margin determination in case of Robin Resources - Malaysia**

43. **Normal Value** - The company has furnished information relating to sales in home market as also cost of production, which has been re-checked with the other information furnished and found reconciled. Normal value is determined based on domestic sales of like article to unaffiliated customers. Normal value so determined comes to USD \*\*\*per CBM.

44. **Export Price** - Export price has been determined as per claims of the exporter. Adjustments claimed on account of Commission, Ocean Freight, Inland Transportation, Clearing & Handling, Bank Charges has been allowed pending investigation. The Net Export Price, therefore, comes to USD \*\*\*per CBM.

**Dumping Margin determination in case of Evergreen Fibreboard - Malaysia**

45. **Normal Value** - The company has furnished information relating to sales in home market as also cost of production, which has been re-checked with the other information furnished and found reconciled. The Normal Value is determined based on domestic sales of like article to unaffiliated customers. Normal value so determined comes to USD \*\*\*per CBM.

46. **Export Price** - Export price has been determined as per claims of the exporter. Adjustments have been claimed on account of Commission, Ocean Freight, Inland Transportation, Bank Charges and same has been allowed pending investigation. Net Export Price, therefore, comes to USD \*\*\*per CBM.

47. **One normal value for country as a whole** - Normal value has been determined for Malaysia as a whole. For this purpose, normal value determined for individual cooperating producer concern and weight of their sales made in the domestic market as shown in the table below.

Name	Dongwha	Robin	Evergreen (EFB)	Average
Normal Value	***	***	***	***
Domestic Sales	***	***	***	***

48. Normal value so determined comes to USD \*\*\*per CBM

**Dumping Margin determination in case of other non cooperating exporter-producer from Malaysia.**

49. In case of other non-cooperating producer/exporter from Malaysia, normal value has been determined as discussed above. For export price, export price has been taken as per minimum priced export made by cooperating producer/exporter. M/s. Evergreen Fibre JB and M/s. Segamat Panel have also responded and submitted that they have exported below 6 MM thickness only. The Authority have excluded MDF of below 6MM thickness from the scope of the product concern and therefore accordingly, these two exporters have not exported subject goods to India.

50. Considering the normal value and export price as discussed above, dumping margin comes as under: -

Name	Dongwha	Robin	Evergreen (EFB)	Others
Normal Value	***	***	***	***
Export Price	***	***	***	***
Dumping Margin	***	***	***	***
Dumping Margin %	25-30%	18-24%	20-25%	50-55%

**F.5 Dumping Margin for China PR**

**Dumping Margin determination in case of China PR**

51. **Normal Value** - The Authority notes that none of the producer/exporter from China PR have responded to the Authority. The Authority therefore, have no option but to determine normal value on the basis of cost of production and sales of the domestic industry added with reasonable profit margin. Normal value so determined comes to USD \*\*\*per CBM.

52. **Export Price** - The Authority notes that none of the exporter or producer from China PR has responded to the Designated Authority. Designated Authority has therefore, determined export price from China PR as per data made available by the DGCI&S. Adjustment have been made on account of Ocean Freight, Marine Insurance, Inland Transport, Port Expenses. After

adjustment of the above, export price at ex-works level comes to USD \*\*\*per CBM.

53. **One normal value for country as a whole** - Normal value has been determined for China PR as a whole. As no exporter responded from China PR, the Authority has determined normal value based on best information available.

54. Normal value so determined comes to USD \*\*\*per CBM

55. Considering the normal value and export price as discussed above, dumping margin for China PR comes as under: -

Normal Value	***
Export Price	***
Dumping Margin	***
Dumping Margin %	120-130%

#### F.6 Dumping Margin for New Zealand

##### Dumping Margin determination in case of Carter Holt Harvey - New Zealand

56. **Normal Value** - The Authority notes that M/s. Carter Holt Harvey one of the producers/exporters from New Zealand has submitted part response to the Authority. Considering the submission made by the exporter to submit the remaining information at the time of verification, the producer/exporter has been treated as cooperating. As per response filed, it is seen that in the domestic market only premium grade is sold, whereas for export to India, premium grade constitute only \*\*%, utility constitute \*\*% and remaining \*\*% are rejects. The Authority therefore, has determined normal value for the Preliminary Findings on the basis of price of premium grade in the domestic market as claimed by the exporter. However, the producer-cum-exporter shall have to satisfy the Authority regarding differences in the technical specifications etc. of utility, downgrade, reject MDF as compared to the premium grade. Normal value so determined comes to USD \*\*\*per CBM.

57. **Export Price** - The Designated Authority has determined export price as claimed by the exporter. Adjustment has been made on account of Ocean Freight, Marine Insurance, Inland Transport, Port Expenses. After adjustment of the above, export price at ex-works level comes to USD \*\*\*per CBM.

58. **One normal value for country as a whole** - Normal value has been determined for New Zealand as a whole. As no producer/exporter responded, Designated Authority has determined normal value based on best information available.

59. Normal value so determined comes to USD \*\*\*per CBM.

60. Considering the normal value and export price as discussed above, dumping margin comes as under: -

	Carter	Other
Normal Value	***	***
Export Price	***	***
Dumping Margin	***	***
Dumping Margin %	8-15%	60-70%

G.1 **Examination of Injury and Causal Link:** -

61. Rule 11 of Anti-Dumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such import is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

62. The Authority notes that the application for imposition of anti-dumping duty has been filed by M/s. Nuchem Limited and M/s. Shirdi Industries Limited, who commands a major proportion of total production of subject goods in India. In terms of Rule 2(b) of the Rules they have been treated as the domestic industry for the purpose of this investigation. The Authority also notes that M/s. Mangalam Timber Products Ltd. is also other known producer of the subject goods in India and has been importing the subject goods substantially during POI from the subject countries.

63. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. are required to be considered in accordance with Annexure II of Rules. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization sales volume etc. are also required to be examined.

G.2. **Views of the Domestic Industry:**

64. The following are the views of domestic industry:-

(i) Present petition is for imposition of anti dumping duty against dumped imports of Medium Density Fibre Board from various countries in the Indian market. Dumping of the product in India is not a new phenomenon.

(ii) The product is being dumped in the Indian market since quite some time. In fact, in whole injury period, the subject goods have been exported to India below normal value.

(iii) The subject goods has been exported at dumped prices throughout the injury period. Therefore, while analyzing the effect of the dumped imports on the domestic industry, the fact of consistent dumping is required to be considered.

(iv) M/s. Shirdi Industries Limited is a new producer of the product in the Indian market. The company has produced in the period of investigation only and faced dumping in its nascent stage.

(v) Due to commencement of production by M/s. Shirdi industries Limited, various volume parameters may show positive trend. Therefore, while examining injury to the domestic industry, this fact needs to be considered.

(vi) The production of the participating companies accounts for a major proportion in Indian Production. Participating companies constitute domestic industry within the meaning of the Rules.

(vii) Margin of Dumping from each of the subject country is more than the prescribed limit. Volume of imports from each of the subject country is more than de- minimus limits. The product involved from various countries is one like product. There is no difference in physical and chemical properties of the product. The primary factor deciding the source for the consumers is the price, be it the domestic source or imports from subject countries. The exporters from the subject countries and petitioner have sold the same product in the same periods to same category of customers. The sales channels are comparable for the various Foreign Producers and domestic industry. Volume of imports from each of the subject countries is significant.

(viii) Imports from subject countries have increased in absolute term. Imports have increased in relation to production of the product in India. Imports have increased in relation to consumption of the product in India.

(ix) Imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. As a result of significant difference in the price of the domestic industry and imports, the volume of imports have increased more than three times, whereas the domestic industry sales have increased by just 31%, which is also due to entrance of new producer M/s. Shirdi Industries Limited.

(x) As a result of significant price undercutting, the domestic industry has been prevented from increasing its prices necessitated by increase in the cost of production. Resultantly, profitability of the domestic industry deteriorated further in the proposed investigation period.

(xi) Capacity utilization declined continuously, which is directly linked to imports from subject countries. The domestic industry has been prevented from increasing its capacity utilization in a situation where demand has increased by more than 67%. In fact, it can be said that the entire increased demand has been taken away by dumped imports.

(xii) The Indian producers have significant unutilized capacity. There are three producers in India and two are petitioners in the present petition. Other producer has capacity of 30000 MT per annum. There is significant increase in demand in India, which has been captured by the imports from subject countries. As a result, capacity utilization of domestic industry declined significantly in spite of increase in demand in India.

(xiii) Sales volumes of the domestic industry increased in proposed POI as a result of commencement of production and sales by new producer M/s. Shirdi Industries Limited, However, the same could not increase in proportion to the increase in demand.

(xiv) Cost of production of the domestic industry increased by 38% as a result of increase in raw material and utility cost. Selling price also increased by 35%. However, in absolute terms, whereas cost of production increased by Rs. \*\*\* over base year, selling price increased by Rs. \*\*\* over base year. As a result, contribution declined. Consequently, profitability suffered.

(xv) The Domestic industry improved its performance and made cash profit in 2005-06. However, the same deteriorated in proposed investigation period again.

(xvi) Inventories with the domestic industry increased. Increase in inventory is in spite of increase in sales

(xvii) Productivity of the domestic industry shows same trend as of production, i.e., productivity remained more or less constant over the injury period, except period of investigation, in which production; productivity has increased due to commencement of production by one of the producer.

(xviii) Growth of the domestic industry in terms of a number of volume parameters due to commencement of production by one of the Indian producer. Growth in various injury price parameters remained negative.

(xix) The domestic industry is suffering from dumping for a fairly long period. Dumping adversely affected the performance of the domestic industry throughout the injury period.

(xx) Even when the demand for the product is growing significantly, the domestic industry is prevented from utilizing its existing capacities. Persistent dumping has therefore adversely affected utilization of capacities in the Country. Resultantly, production has suffered.

(xxi) Significant price difference between imported and domestic product is preventing the domestic industry from increasing its sales volumes. Practically entire increase in demand is being met by dumped imports. Persistent dumping is therefore adversely affecting sales volumes of the domestic industry.

(xxii) Imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry. Consequently, dumping is preventing price increases that would have otherwise occurred as a result of increase in the cost of production.

(xxiii) Persistent dumping has adversely affected profitability of the domestic industry. The domestic industry suffered financial losses throughout the injury period. Further, profitability and consequently profits position deteriorated further. This directly impacted return on capital employed and cash profits.

(xxiv) Dumping is adversely affecting the growth of the domestic industry

(xxv) Dumping margins are significant. Further, the product was being exported at dumped prices throughout the injury period.

### **G.3 Views of the Exporters, importers and other interested parties.**

65. Other interested parties have made following submissions with regard to injury to the domestic industry and causal link thereof:-

(i) There is no injury to the domestic industry. Injury to the domestic industry is due to other factors than dumping; therefore, there is no causal link between dumping and injury to the domestic industry.

(ii) Analysis of major factors as given in Annexure II as per domestic industry own data reveals that they have failed to make out a case of injury let alone material injury.

(iii) Market share of domestic industry need to be examined in context of entrance of new producer, who has taken away significant market share. Further, same is also required to be examined with reference to non participating producer i.e. M/s. Mangalam Timber Products, whose performance has improved.

(iv) No analysis has been done with the products, which are directly substitute for subject goods like Ply Board, Particle boards, other boards etc. Without taking into account effects from such substitutes, proper and complete injury analysis and non attribution analysis can not be done. Without this, selling price and market share analysis is flawed.

(v) The Production and capacity of the domestic industry has increased, therefore, any injury can not be claimed on these accounts. Drop in capacity

utilization is just 1.7% in spite of addition of capacity and certainly, this can not be a factor of injury.

(vi) M/s. Nuchem Ltd. has given much higher installed capacity in petition whereas their licensed capacity is much lower.

(vii) Admittedly, sales has increased by 31%, therefore, this cannot be a factor of injury.

(viii) Increase in imports is due to unprecedented increase in demand in India. Domestic industry is not in a position to meet the demand, therefore, demand is being met through imports. The Domestic industry did not make efforts to increase their capacity in terms of volume, size, product range. Product of the domestic industry are not comparable to the imported product.

(ix) Financial performance of the domestic industry is de-linked with the imports. Admittedly, domestic industry has incurred losses in 2005-06, though, claimed that dumping has been there in that period also. The Authority may ask the domestic industry to provide detailed information over the injury period.

(x) The domestic industry is clearly trying to take shelter of ADD in a situation, which is plagued due to other factors unrelated to imports. Interestingly, data is indexed, and therefore, they are not able to comment.

(xi) No confidentiality can be claimed on inventories and methodology thereof. The Authority may compare inventory in terms of number of days, sales and production in view of the fact that new capacity has been added in POI. It is also likely that newcomer M/s. Shirdi Industries Ltd. may have faced some difficulties in production and stabilization of their products due to startup operations. A thorough analysis of each of the constituents of domestic industry needs to be carried out by the Designated Authority before reaching to any conclusion. Admittedly, employment, wages and productivity do not shows any injury.

(xii) Selling price have gone up by 35% in POI. Domestic industry has been able to increase their prices in spite of their claim that there has been significant price undercutting throughout the injury period.

(xiii) The claim of the domestic industry that dumping has been taking place throughout the injury period is self-serving as one of the petitioners M/s. Shirdi Industries Limited has been one of the leading importer of MDF in India prior to set up of their plant. Published financial statements of M/s. Nuchem Ltd. clearly shows that their performance has improved.

(xiv) M/s. Nuchem Ltd. has been performing poor since long, due to production and financial problems, which shows that there was no nexus between imports and their performance.

(xv) Admittedly, M/s. Shirdi Industries Ltd. does not have any experience in handling labour intensive operations and manufacturing activities, which is affecting their profitability and performance. Therefore, domestic industry can not allege injury if any to the alleged dumped imports.

(xvi) Performance of M/s. Mangalam Timber Products Ltd. has improved in spite of alleged dumped imports with almost 100% Capacity Utilization. Increase in performance of M/s. Mangalam Timber Products Ltd. shows that imports have no effect on performance of the domestic industry and performance of domestic producers is poor due to historical reasons and unviable capacities.

(xvii) Size of plant of the domestic industry can not provide economy of scale. Capacity of M/s. Nuchem Ltd. is 45000 MT and M/s. Shirdi Industries Ltd. is 30000 MT. Against this, typical plant size in subject countries is 100000 MT, while some bigger plants has capacity of 300000 MT. Small Indian plants cannot be viable in the era of globalization and reduced tariff barriers.

(xviii) M/s. Shirdi Industries Ltd. enjoys several tax benefits including Excise Duty, Sales Tax and Income Tax and able to sell product at lower prices in the market, which competes with M/s. Nuchem Ltd. in the domestic market.

(xix) The importers in India incurred substantial amount to build their brand name for promotional activities. The price at which imported material is being sold is higher than the price of the domestic industry. The Authority should consider these facts while examining price effects.

(xx) Cash profits of domestic industry improved substantially in spite of alleged dumping

(xxi) M/s. Shirdi Industries Ltd. has huge interest cost, with lot of pressure on the company. Depreciation cost is also on higher side being new capacities. Trend analysis ought to have factored with this.

(xxii) US \$ Exchange rate dropped from Rs. 47 to Rs. 37 in POI, no effect is considered in the petition in this regard.

(xxiii) There are a number of reasons/factors other than dumping, which have caused injury to the domestic industry.

#### **G.4 Examination by the Authority**

66. The Authority has noted the views expressed by the interested parties in respect of the injury claims of the domestic industry and examined the mandatory factors for the purpose of provisional injury determination and causal link analysis in these findings.

#### **G.5 Cumulative assessment of injury**

67. As per annexure-II (iii) of the Rules, in case, imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-Dumping investigation, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that:-

- (i) The margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article, and,
- (ii) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.

68. In the instant case, product is being dumped from more than one country. The Authority, therefore, examined whether the injury to the domestic industry must be determined cumulatively from these sources. The Authority has found that the margin of dumping in respect of each of the subject country is more than 2% and the volume of imports from each country is also more than 3%. Cumulative assessment of injury is appropriate in respect of these countries in view of the followings:-

- i. The subject goods have been imported from the subject countries under the same tariff classification;
- ii. The Authority has found that the imported subject goods are commercial substitutes of the domestically produced product.
- iii. The information furnished to the Authority gives a reasonable indication that the exports made from the subject countries compete in the same market, as these are like products.
- iv. Consumers are using domestic material as also imported material. Same category of customers who are buying the product from the domestic industry, who are importing product from subject countries.

68-A The Authority notes that it is appropriate to cumulatively assess the effect of dumped imports on the domestically produced like article.

#### **G.6 Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic industry**

69. Transaction-wise information of imports has been called for from DGCI&S for the imports of product concern in India. The information has been furnished by the DGCI&S, which has been analyzed by the authority as tabulated below.

##### **G.6.1 Import Volumes and share of subject countries**

70. Volumes of imports of the subject goods have been as under:-

	Units	2004-05	2005-06	2006-07	POI
<b>Imports from</b>					
China PR	CBM	436	1,251	7,904	16,642
Malaysia	CBM	6,539	16,010	14,183	22,576
New Zealand	CBM	1,657	7,435	5,873	8,001
Thailand	CBM	740	3,049	2,176	13,169
Srilanka	CBM	23,365	36,009	30,869	35,902
<b>Subject countries</b>	<b>CBM</b>	<b>32,736</b>	<b>63,753</b>	<b>61,005</b>	<b>96,289</b>
Trend	Indexed	100	195	186	294
Others	CBM	5,070	9,372	4,629	2,313
<b>Total</b>	<b>CBM</b>	<b>37,806</b>	<b>73,125</b>	<b>65,634</b>	<b>98,602</b>
Trend	Indexed	100	193	174	261
<b>Market Share in Imports</b>					
China PR	%	1.15	1.71	12.04	16.88
Malaysia	%	17.29	21.89	21.61	22.90
New Zealand	%	4.38	10.17	8.95	8.11
Thailand	%	1.96	4.17	3.32	13.36
Srilanka	%	61.80	49.24	47.03	36.41
<b>Subject Countries</b>	<b>%</b>	<b>86.59</b>	<b>87.18</b>	<b>92.95</b>	<b>97.65</b>
Others	%	13.41	12.82	7.05	2.35
<b>Total</b>	<b>%</b>	<b>100</b>	<b>100</b>	<b>100</b>	<b>100</b>

71. The above data indicates that total imports and dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased substantially during the injury examination period by about 161% and 194% respectively. The share of dumped imports from the subject countries has increased from 86.59% in 2004-05 to 97.65% in the POI.

#### G.7 Demand and Market shares

72. Demand of subject goods has been determined by adding domestic sales of domestic industry, domestic sales of other Indian producers and imports from all countries. Further, the market share of the domestic industry declined from 38.80% in the base year to 31.34% during POI. At the same time, the market share of the other Indian producer also declined from 29.53% to 17.56%. In the scenario of persistent growth in demand, while the share of domestic industry as well as Indian producers as a whole declined, market share of imports from subject countries registered a significant rise from 27.43% in the base year to 49.90% during POI. The Authority notes that the demand for the subject goods has been growing from base year to POI. It grew by 62% during POI as compared to base year i.e. 2004-05. Further the growth in demand during POI over immediate preceding year has been substantial.

73. Share of imports for each of the subject countries in demand/consumption in India has been as under:

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	Per
Demand					
Sales of Domestic Industry	CBM	46,301	46,130	42,218	60.484
Sales of Other Indian Producer	CBM	35,237	27,399	40,302	33.890
Imports in India	CBM	37,806	73,125	65,634	96.648
Demand in India	CBM	119,344	146,655	148,154	132.998
Trend	Indexed	100	123	124	1.42
Market Share in Demand					
China PR	%	0.37	0.85	5.34	6.62
Malaysia	%	5.48	10.92	9.57	11.76
New Zealand	%	1.39	5.07	3.96	4.15
Thailand	%	0.62	2.08	1.47	1.62
Sri Lanka	%	19.58	24.55	20.84	18.00
Subject Countries	%	27.43	43.47	41.18	49.90
Others	%	4.25	6.39	3.12	1.20
Domestic Industry	%	38.80	31.45	35.50	31.34
Other Indian Producers	%	29.53	18.68	27.20	17.56
Total Imports	%	31.68	49.86	44.30	59.76

74. From the above Table, the Authority notes the following:-

- Demand of the product concern increase by 62%.
- Subject countries have captured significant market share. Market share of subject countries, which was just 27.43% in the base year increased to 49.90% in the Period of Investigation.
- The Authority has also examined market share of Indian industry in total consumption / demand in India. The Authority notes that market share of Indian industry in demand of product concern also shows declining trend.
- Clearly, imports have significant volume effect both in absolute term as well as relative to production and consumption.

#### G.8 Capacity, production and capacity utilization of the Domestic Industry

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	Per
Capacity	CBM	59,850	59,850	59,850	100.00
Production	CBM	46,120	45,873	42,000	85.163
Capacity Utilization	CBM	77.06	76.65	70.18	64.94
Sales	CBM	46,301	46,130	42,218	60.484

75. The Authority notes that capacity, production and sales of the domestic industry increased in the POI as M/s. Shirdi Industries Limited one of the constituents of the domestic industry commenced production and sales in the POI only, therefore, due to entrance of a new producer in the market, the absolute indices like capacity, production, and sales are bound to increase during POI while, the capacity utilization of the domestic industry declined to 64.86% during POI as compared to 77.06% in the base year. During 2004-05 to 2006-07 when only M/s. Nuchen Ltd. was in operation, the production and sales and capacity utilization declined on continued basis. For instance, capacity utilization of Nuchen was only 70.18% during 2006-07 as compared to 77.06% in base year.

**G.9 Dumped Imports in relation to Indian Production**

76. Dumped imports in relation to Indian production has been as under:

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Production	CBM	46,120	45,873	42,000	65,163
Imports					
China PR	%	0.95	2.73	18.82	25.54
Malaysia	%	14.18	34.90	33.77	34.64
New Zealand	%	3.59	16.21	13.98	12.28
Thailand	%	1.60	6.65	5.18	20.21
Sri Lanka	%	50.66	78.50	73.50	55.09
Subject countries	%	70.98	138.98	145.25	147.77

77. The Authority notes that imports from subject countries in relation to Indian production have been increasing throughout the injury period. The Authority notes that dumped imports of the subject goods were 70.98% during 2004-05 and increased to 147.77% during POI in relation to production of domestic industry. In a nutshell, the Authority notes that there has been an absolute increase in imports throughout the injury period and particularly during POI as well as relating to production of the domestic industry and consumption in India.

**H.1 Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry & factors affecting prices**

**H.1.1. Price undercutting and underselling effects**

78. Information relating to price undercutting and underselling is given in the following table.

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI

Net Sales Realization	Rs/CBM	***	***	***	***
Landed Price					
China PR	Rs/CBM	9609	10774	9996	10118
Malaysia	Rs/CBM	10609	9024	10994	12004
New Zealand	Rs/CBM	11478	11185	10974	11572
Thailand	Rs/CBM	13353	11488	10821	12899
Sri Lanka	Rs/CBM	10490	11036	11753	12023
Subject Countries	Rs/CBM	10617	10564	11241	11772
Price undercutting					
China PR	Rs/CBM	***	***	***	***
Malaysia	Rs/CBM	***	***	***	***
New Zealand	Rs/CBM	***	***	***	***
Thailand	Rs/CBM	***	***	***	***
Sri Lanka	Rs/CBM	***	***	***	***
Subject Countries	Rs/CBM	***	***	***	***
Price undercutting (%)					
China PR	%	10-20	8-15	20-30	30-40
Malaysia	%	1-10	20-30	15-25	18-28
New Zealand	%	Negative	5-15	10-20	20-30
Thailand	%	Negative	1-10	10-20	10-20
Sri Lanka	%	5-15	5-15	10-20	20-30
Subject Countries	%	1-10	10-20	10-20	20-30
Non Injurious Price	Rs./CBM				***
Price Underselling					
China PR	Rs./CBM				***
Malaysia	Rs./CBM				***
New Zealand	Rs./CBM				***
Thailand	Rs./CBM				***
Sri Lanka	Rs./CBM				***
Subject Country	Rs./CBM				***

Price Underselling (%)	%				
China PR	%				60-70
Malaysia	%				30-40
New Zealand	%				40-50
Thailand	%				20-30
Sri Lanka	%				30-40
Subject Countries	%				35-45

79. As per Rule 11 of Anti Dumping Rules read with Annexure II, the impact of dumped imports from the subject countries on the prices of the domestic industry have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries. It is evidently clear from the above table that landed price of product concern is significantly lower than selling price of domestic industry, causing significant price undercutting, which is further increased during POI.

#### **H.1.2 Price suppression and depression effects of the dumped imports:**

##### **Movements in cost of Sales vs. selling price**

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Cost of Sales	Rs/CBM	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	98.81	118.43	134.04
Selling price	Rs/CBM	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	106.90	117.00	133.11

80. The trend in the movement of selling price during injury period shows that selling price of domestic industry have shown rising trend and therefore, price depression effect has not been found to exist. Further the domestic industry has been able to increase the selling price almost commensurate the increase in cost therefore, price suppression effect is absent.

#### **H.1.3 Examination of other Injury Parameters**

81. The above analysis shows that the dumped import have adverse effect on the domestic industry in terms of increase in volume of dumped imports both in absolute terms and market shares. The price under cuttings in respect of subject goods has been significant. However, the movement in selling price has been commensurate with the corresponding movements in cost of sales.

#### H.1.4. Profits, return on investments and cash flow:

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Profit & Loss	Rs/CBM	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100.00)	(2.66)	(135.46)	(145.06)
Total profit & loss (PBT)	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100.00)	(2.65)	(123.52)	(189.50)
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	260.36	68.70	96.19
Return on capital employed	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	257.09	74.78	35.47
Cash profit	Indexed	(100.00)	219.16	(136.03)	(159.08)

82. The above table indicates that domestic industry continuously made financial losses during the injury period. The ROI has declined throughout in the injury period after achieving the level of \*\*\*%. In absence of dumped imports, domestic industry would have made better realization and better ROI. There has been a cash loss both in POI as well as immediate proceeding period 2006-07.

#### H.1.5. Return on Investment and ability to raise capital:

83. As indicated earlier, till 2006-07, only M/s Nuchem Industries Ltd. was domestic industry, which has not enhanced its capacity. Therefore, the ability to raise capital particularly when the return on investments has declined could not be assessed.

#### H.2. Productivity:

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Productivity per employee	Indexed	100	108	107	145
Productivity per day	Indexed	100	99	91	141

84. The data on production per employee shows that the productivity of the domestic industry increased due to commencement of new capacity.

#### H.3. Employment and wages

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Employment	Indexed	100	92	85	97

Wages	Indexed	100	95	98	135
Wages per employee	Indexed	100	104	115	139

85. It may be seen that the employment level and wages per employee does not show significant change.

#### H.4. Inventories

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Opening Inventories	CBM	***	***	***	***
Closing Inventories	CBM	***	***	***	***
Average Inventories	CBM	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	71	33	139

86. The above table shows that the average inventory declined till 2006-07 and started accumulating in POI. The closing inventory as on 31 December, 2007 was \*\*\* CBM as against \*\*\* CBM in January, 2007.

#### H.5. Growth

87. Overall growth of the domestic industry remained negative in terms of value parameters. In volume parameters, growth became positive in absolute term in POI due to entrance of a new producer. However, when the same is compared in relation to demand and market share, growth in volume terms also remain negative only. In price parameters, though, performance of domestic industry deteriorated significantly with reduced ROI and cash losses. Industry have to follow a long way to make their venture profitable and remunerative.

#### H.6. Investment

88. The domestic industry has made new investment in new capacity. M/s Shirdi Industries Limited is a new entrance in the MDF and started production only in POI. The Authority also notes that some other producers are also investing in MDF production because of significant increase in demand in the country and with the expectation of better margins. However, the dumped imports have caused them injury before commencement of production itself.

#### H.7. Magnitude of Dumping

89. Dumping margin from each of the subject country is significant as has been discussed in dumping section.

#### H.8. Factor effecting prices:

90. Preliminary examination of trend in the volume of dumped imports and prices of the subject countries and the domestic prices indicate that the dumped imports have affected the prices of the domestic industry.

**H.9. Over all assessment:**

91. The above preliminary analysis indicate that in spite of absolute increase in production, sales and capacity, the domestic industry suffered injury on account of decline in market share, decline in profitability and cash losses. The volume of dumped imports from subject countries have increased substantial. The landed price of imports from subject countries have undercut the prices of domestic industry throughout the injury period and its intensity peaked during POI. In a scenario of arising demand for the product under consideration the domestic industry is left with idle capacity. The injury suffered by the domestic industry is material and significant.

**I. Causal Link and other factors**

92. Having examined the existence of material injury and volume and price effect on dumped imports on the price of domestic industry in terms of price undercutting, price underselling etc. other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined to see whether any other factors, other than dumped imports have contributed to injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined.

**J.1 Volume and prices of imports from other sources:**

93. The Authority notes that volume of imports from other than subject countries is either di-minimis, other countries are therefore, not causing any injury to the domestic industry.

**J.2 Contraction in demand and / or change in pattern of consumption:**

94. There is no contraction in demand therefore, contraction in demand can not cause any injury to the domestic industry.

**J.3 Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers:**

95. The Authority notes that there is no restricted practice prevalent in the industry, which could be attributed to the injury to the domestic industry.

**J.4 Development of technology:**

96. The technology as also production process for producing subject goods is fairly stabilized with little technical or technological developments. There is hardly any technological advancement.

J.5 **Export performance:**

97. None of the producers are exporting product concern. therefore, any possible decline can not have caused injury to the domestic industry.

K. **Indian industry interest**

98. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

99. The Authority takes a note that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

L **Factors establishing causal link**

100. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance has materially deteriorated due to dumped imports from the subject countries. The volume of dumped imports from the subject countries has sharply increased and landed prices were undercutting the prices of domestic industry which was maximum during the period of investigation. The domestic industry failed to recover its actual cost of production and earn reasonable profits and were compelled to under sell the product. Increase in volume of dumped imports and reduction in market share of domestic industry coupled with idle capacity has adversely affected profit, return on investment. The authority provisionally concludes that domestic industry suffers material injury and the injury has been caused by the volume and prices effect of dumped imports from the subject countries.

L.1 Magnitude of Injury and Injury Margin

101. The non-injury price determined by the authority has been compared with the landed value of exports from the subject countries for determination of injury margin.

US \$ per CBM

	Country	NIP	Landed	Injury Margin	Injury Margin %
Siam Fibre Board Co.	Thailand	***	***	***	30-40
Vanachai Panel	Thailand	***	***	***	25-30
Vanachai Group	Thailand	***	***	***	20-30
Metro MDF	Thailand	***	***	***	20-30
Metro Fibre	Thailand	***	***	***	25-35
Advance Fibre	Thailand	***	***	***	30-40
Others	Thailand	***	***	***	30-40
Merbok	Srilanka	***	***	***	25-35
Others	Srilanka	***	***	***	65-75
Evergreen Fibre Board	Malaysiya	***	***	***	25-35
Dongwha	Malaysiya	***	***	***	30-40
Robin Resources	Malaysiya	***	***	***	25-35
Others	Malaysiya	***	***	***	55-65
Carter Holt Harvey	New Zealand	***	***	***	10-20
Others	New Zealand	***	***	***	40-50
China	China	***	***	***	55-65

**M. Conclusions**

102. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available, the Authority provisionally concludes that:-

(i) Subject goods have been exported from subject countries to India at dumped prices. The dumping margins of the subject goods imported from the subject countries are substantially and above di-minimis.

(ii) Domestic industry has suffered material injury and injury has been caused to the domestic industry both by the volume and price effect of dumped import of the subject goods originating in or exported from the subject countries

**N. Recommendations**

103. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margin against the subject countries as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation. Therefore, the Authority considers it necessary and recommends provisional Anti-Dumping Duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

104. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional Anti-Dumping Duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional Anti Dumping Duty equal to the difference between the amount indicated in Col 9 of the table below and landed value of imports is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

**N.1 Duty Table**

Sl. No.	Heading/ Sub- heading/Tariff item	Description	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Unit	Amount	Currency
-1	-2	-3	-4	-5	-6	-7	-8	-9	-10
1	44.11	Plain Medium Density Fibre Board from 6MM and above	Thailand	Thailand	Siam Fibreboard Company Limited	Siam Fibreboard Company Limited	Per Cubic Meter	355.62	USD
2	As above	As above	Thailand	Thailand	Vanachai Panel Industries Co.,Ltd	Vanachai Panel Industries Co.,Ltd	Per Cubic Meter	376.65	USD

Sl. No.	Heading/ Sub-heading/Tariff Item	Description	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Unit	Amount	Currency
-1	-2	-3	-4	-5	-6	-7	-8	-9	-10
3	As above	As above	Thailand	Thailand	Vanachai Group Public Company Limited	Vanachai Group Public Company Limited	Per Cubic Meter	370.68	USD
4	As above	As above	Thailand	Thailand	M/s. Metro M.D.F. Co. Ltd.	M/s. Metro M.D.F. Co. Ltd.	Per Cubic Meter	381.73	USD
5	As above	As above	Thailand	Thailand	M/s. Metro Fiber Co. Ltd.	M/s. Metro Fiber Co. Ltd.	Per Cubic Meter	387.89	USD
6	As above	As above	Thailand	Thailand	M/s. Advance Fiber Co. Ltd	M/s. Advance Fiber Co. Ltd	Per Cubic Meter	383.20	USD
7	As above	As above	Thailand	Thailand	Any other combination other than SN 1 to 6			387.33	USD
8	As above	As above	Thailand	Any Country other than Thailand	Any	Any	Per Cubic Meter	387.33	USD
9	As above	As above	Any Country other than Subject Country	Thailand	Any	Any	Per Cubic Meter	387.33	USD
10	As above	As above	Sri Lanka	Sri Lanka	Merbok MDF Lanka (Pvt) Ltd	Merbok MDF Lanka (Pvt) Ltd	Per Cubic Meter	331.49	USD
11	As above	As above	Sri Lanka	Sri Lanka	Any other combination other than SN 10			324.32	USD
12	As above	As above	Sri Lanka	Any Country other than Sri Lanka	Any	Any	Per Cubic Meter	324.32	USD
13	As above	As above	Any Country other than Subject Country	Sri Lanka	Any	Any	Per Cubic Meter	324.32	USD
14	As above	As above	Malaysia	Malaysia	Dongwha Fibreboard Sdn. Bhd.	Dongwha Fibreboard Sdn. Bhd.	Per Cubic Meter	349.67	USD
15	As above	As above	Malaysia	Malaysia	Robin Resources (Malaysia) Sdn Bhd	Robin Resources (Malaysia) Sdn Bhd	Per Cubic Meter	358.53	USD
16	As above	As above	Malaysia	Malaysia	Evergreen Fibre Berhad (EFB)	Evergreen Fibre Berhad (EFB)	Per Cubic Meter	350.31	USD
17	As above	As above	Malaysia	Malaysia	Any other combination other than SN 14 to 16		Per Cubic Meter	340.41	USD
18	As above	As above	Malaysia	Any Country other than Malaysia	Any	Any	Per Cubic Meter	340.41	USD
19	As above	As above	Any Country other than Subject Country	Malaysia	Any	Any	Per Cubic Meter	340.41	USD
20	As above	As above	New Zealand	New Zealand	Carter Holt Harvey	Carter Holt Harvey	Per Cubic Meter	378.45	USD
21	As above	As above	New Zealand	New Zealand	Any other combination other than SN 20		Per Cubic Meter	391.40	USD
22	As above	As above	New Zealand	Any Country other than New Zealand	Any	Any	Per Cubic Meter	391.40	USD
23	As above	As above	Any Country other than Subject Country	New Zealand	Any	Any	Per Cubic Meter	391.40	USD
24	As above	As above	China	China	Any	Any	Per Cubic Meter	395.52	USD
25	As above	As above	China	Any Country other than China	Any	Any	Per Cubic Meter	395.52	USD
26	As above	As above	Any Country other than Subject Country	China	Any	Any	Per Cubic Meter	395.52	USD

## **O. Further Procedures**

105. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings: -

- (i) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- (ii) Exporters, importers, applicants and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.
- (iii) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary.
- (iv) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

R. GOPALAN, Designated Authority